

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 17, 1983 (अग्रहायण 26, 1905)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 17, 1983 (AGRAHAYANA 26, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

सहायक निदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 नवम्बर 1983

सं० ओ० डी० 227/69-स्थापना—नियम 43 (सी०),
क० रि० पु० बल नियम, 1955 के अन्तर्गत श्री हेमा राम, पुलिस
उप-अधीक्षक, क० रि० पु० बल, 28 बाहिनी ने मेवानिवृत्ति के
फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार दिनांक 24-6-83 (पूर्वाह्न)
को स्याग दिया ।

दिनांक 24 नवम्बर 1983

सं० एफ० 2/35/83-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर
(श्रीमती) पी० कौशल, सीनियर मेडिकल आफिसर को उनकी
पदोन्नति के फलस्वरूप 11 नवम्बर 1983 अपराह्न से आगामी
आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा
अधिकारी (कमांडेंट) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते
हैं

दिनांक 25 नवम्बर 1983

सं० एफ० 2/35/83-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर पी०
सी० कुब्जे, सीनियर मेडिकल आफिसर को उनकी पदोन्नति के

फलस्वरूप 12 नवम्बर 1983 पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी
होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी
(कमांडेंट) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 नवम्बर 1983

सं० 11/5/82-प्रणा० I—राष्ट्रपति, पञ्जाब, चण्डीगढ़
में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अख्येपक श्री एन० एम०
भट्टरिया को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय
से तारीख 20 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक
अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए
जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थायी और
तत्पर आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़ें संसाधन) के पद पर
सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

2. उनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा ।

विजय पाल पाण्डे
भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1983

सं० 8 वि० आ० 2 (25)—ए/8 2—इस आयोग की दिनांक 16 मार्च, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के मिलानि में डा० अतुल शर्मा को 1-11-1983 से 31-1-1984 तक आठवें वित्त आयोग में उन्हीं शर्तों पर स्थानापन्न रूप से आर्थिक महा-कार के पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

सं० 8 वि० आ० 2 (28)—ए/8 2—इस आयोग की दिनांक 19 अप्रैल, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के मिलानि में श्री बी० बी० तुलसीधर को 1-11-1983 से 31-1-1984 तक वित्त आयोग में उन्हीं शर्तों पर स्थानापन्न रूप से परामर्शदाता के पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

सरलोक चन्द नन्दा
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 नवम्बर 1983

सं० प्रशा० 1/1401/4/I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा अधिकारी (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान (रूप 700-1300) में, स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से छः माह के लिए 'अनुक्रम नियम के अधीन' सहर्ष नियुक्त करे हैं :—

क्र० सं०	नाम	तारीख जिससे नियुक्त किए गए
1.	श्री गोविन्द सहाय	18-08-83

सं० प्रशा० 1/1401/4/III—राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा अधिकारियों (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान (रूप 700-1300) में, स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त "अनुक्रम नियम के अधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	तारीख जिससे नियुक्त किए गए
1.	श्री शादी लाल दर्मा	02-06-83
2.	श्री बी० सम्पथ	02-06-83
3.	श्री एच० सी० दाम	02-06-83
4.	श्री डोरी लाल	18-08-83

दिनांक 21 नवम्बर 1983

सं० प्रशा० 1/1852/5/1—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों

को, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से पेंशन स्थापना की अंतिमता कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम, उसी तारीख से, रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से निकाल दिया गया है :—

क्र० सं०	नाम	जन्म तिथि	पेंशन स्थापना को अंतरण की तारीख/रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से निकाले जाने की तारीख
सर्वे श्री			
1.	के० सी० उर्लागम्	28-10-1925	31-10-1983 (अपगत)
2.	के० एस० अरुणाचलम्	10-10-1925	31-10-1983 (अपगत)

दिनांक 25 नवम्बर 1983

सं० प्रशा० 1/1173/1/जिल्द-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री डी० के० चेतमिह को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवर्णन ग्रेड (वेतनमान रूप 2000-125/2-2250) में दिनांक 21 अक्टूबर, 1983 से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वी० एम० जफा
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

रक्षा लेखा नियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1983

सूचना

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के अधीन सेवा समाप्ति की सूचना।

मैं, सुधांशु मल्लिक, रक्षा लेखा नियंत्रक, केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार श्री एम० एन० बसुमातरी, अस्थायी लेखा परीक्षक लेखा संख्या 8319777 को एतद्वारा यह सूचना देता हूँ कि जिस तारीख को यह नोटिस तामील की जाती है या यथा स्थिति उन्हें दी जाती है, उस तारीख से एक माह की अवधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं समाप्त समझी जायेंगी।

सुधांशु मल्लिक

रक्षा लेखा नियंत्रक

नियुक्त करने वाले प्राधिकारी का

स्थान—पटना

हस्ताक्षर

दिनांक : 25-9-1983

पाथरी

मैं एतद्वारा आज सेवा समाप्ति की सूचना पाने की पावती देता हूँ।

व्यक्ति का हस्ताक्षर

पद :

स्थान :

तारीख :

संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं का कार्यालय
बम्बई, दिनांक 24 नवम्बर, 1983

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के
नियम 5(1) के अन्तर्गत सेवा समाप्ति की सूचना जारी करना

अधिसूचना सं०-1 केन्द्रीय सिविल सेवा अध्याय तृतीय
नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण
में, मैं र० अ० बोरकर, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा
सेवाएं, बम्बई एतद्द्वारा श्री शशिकांत भगवान जाधव (अस्थायी
वर्ग घ) को सूचना देता हूँ कि जिस तारीख को उनकी यह सूचना
प्रामाण्य की जाती है, या जैसी भी दशा हो, उनको दी जाती है,
उस तारीख से एक महीने की अवधि की समाप्ति का
तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त समझी जायेंगी।

र० अ० बोरकर

संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, बम्बई।

सेवा में,
श्री एस० बी० जाधव
3/18 प्रोग्रामाव बिल्डिंग,
डॉक्टर कम्पाउंड
दत्ताराम लाडपथ
चिचपोकली
बम्बई-400 012

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1983

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/936/71-प्रशासन राज—सेवा निवृत्ति की आयु
होने पर, श्री जे० सी० तिबारी, नियंत्रक आयात-निर्यात को 31
अक्तूबर, 1983 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की
अनुमति दी गई है।

बी० के० मेहता

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1983

सं० 12(323)/62-प्रशा० (राज०) राष्ट्रपति, विकास
आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एच० एम० सोम, निदेशक,
ग्रेड-II (यात्रिकी) को दिनांक 25-10-1983 (पूर्वाह्न)
से अगले आदेशों तक, उसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (यात्रिकी)
के रूप में, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(571)/68-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, निवर्तन
की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री मन मोहन सिंह, सहायक निदेशक,

ग्रेड-1 (यात्रिकी) को, दिनांक 30-6-1983 (अपराह्न)
से, सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए०-19018(532)/81-प्रशा० (राज०)—
नेशनल टेस्ट हाउस, प्लास (आपूर्ति मंत्रालय) में सहायक निदेशक
(यात्रिकी) के पद पर नियुक्ति हो जाने पर श्री एम० शिवा राव
ने लघु उद्योग सेवा संस्थान श्रीनगर में दिनांक 22 जनवरी 1983
(अपराह्न) में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (यात्रिकी) के पद का कार्य-
भार छोड़ दिया।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा०)

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1983

सं० ए०-17011/224-83-प्र०-6—स्थायी भंडार
परीक्षक, (अभियांत्रिकी) और निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता
के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी
(अभियांत्रिकी) के पद में स्थापनापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं,
केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम 1972 के नियम 48 ए०
के अन्तर्गत दिनांक 27 अक्तूबर, 1983 के अपराह्न से स्वेच्छा से
सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

एस० एल० कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1983

सं० ए०-17011/106/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, निरीक्षण
अधिकारी (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह
“ए०” अभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड-II (श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह
का दिनांक 23-8-83 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए
अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले
हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी)
(भारतीय निरीक्षण सेवा समूह “ए०” अभियांत्रिकी शाखा के
ग्रेड-II) के पद पर स्थापनापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्री
राजेन्द्र प्रकाश सिंह की पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित
सिविल रिट याचिका संख्या 1457/81, 1590/81 और 1973/
81 के अन्तर्गत 3 एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 और
69/83 पर अन्तिम निर्णय होने के अधीन भी होगी।

2. श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित
नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके
द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में बरीयतापदोन्नति तथा स्थायी-
करण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

3. श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह ने दिनांक 18-8-83 के अपराह्न
से निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधि-
कारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक
23 अगस्त 1983 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के

कार्यालय में निरीक्षण उप निदेशक (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

4 यह दिनांक 21 सितम्बर, 83 को स० नि० पू० नि० स० ए०-17011/106/76 प्र०-6 के अधीन पहले जानी की गई अधिसूचना के अतिरिक्त में है।

एस० एल० कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 27-7-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमिन कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 21 नवम्बर 1983

स० 9212 बी०/ए०-19012(1-पी० जे० आई०)
82-19ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा-निदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री पी० जे० इत्तिकुंजु को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 12 सितम्बर, 1983 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 22 नवम्बर 1983

सं० 9233 बी०/ए०-19012(3-बी०बी०)/83-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्रीमती बनानी बनर्जी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 11-10-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

स० 9252 बी०/ए०-32013 (ए० ओ०)/80-19ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी० वैदेश्वरन को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 28-4-83 के पूर्वाह्न से 17-6-83 (पूर्वाह्न) तक श्री आर० राजागोपालन, प्रशासनिक अधिकारी, तामिल नाडु मंडल, दक्षिणी क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, मद्रास की अवकाश रिक्ति के स्थान पर पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9263 बी०/ए०-19012(3-आर० एस०)/83-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० राजन सिंह को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 नवम्बर, 1983

स० ए०-19011(337)/83-स्था० ए०-श्री आर० बी० भाले, भारतीय सांख्यिकी सेवा अधिकारी ग्रेड III ने कोल नियंत्रक कार्यालय, कलकत्ता, में सहायक कांल नियंत्रक (सांख्यिकी) के पद से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में दिनांक 24 अक्टूबर, 1983 के पूर्वाह्न से उप खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। - - - -

दिनांक 23 नवम्बर 1983

स० ए०-19012(175)/83-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री पी० वी० पुणेहित, सहायक, प्रशासन अधिकारी (तदर्थ) को इस विभाग में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर, 10 नवम्बर, 1983 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप में पदान्ति प्रदान की गई है।

आशाराम कश्यप
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

आकशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1983

स० 1/22/83-एम० दो०-महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री एम० मुन्दरराज को आकाशवाणी जयपुर (उड़ीसा) में दिनांक 28-9-83 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

श्रीमती हकिमणी दास गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

वनस्पति रक्षा, सगरोध और सग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1983

स० 7-3/83-प्र० अ० प्रथम-इस निदेशालय के श्री डी० वी० एन० बाबू ज्येष्ठ तकनीकी सहायक (पादप रोग विज्ञान)

को दिनांक 1-10-1983 के पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय निगरानी स्टेशन, गौहाटी में निगरानी अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रोज़े-35-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200 रु० के वेतनमान में अगले आदेश होने तक अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

के० डी० पहारिया
वनस्पति संरक्षण सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1983

सं० 7-33/83-स्था०-1--वनस्पति रक्षा, सलाहकार भारत सरकार द्वारा इस निदेशालय के श्री एम० एन० मिह, ज्येष्ठ तकनीकी सहायक को वनस्पति रक्षा अधिकारी (कीट विज्ञान) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रोज़े-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200 के वेतनमान में 21 अक्टूबर 1983 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश होने तक केन्द्रीय वनस्पति रक्षा, केन्द्र दीमापुर (नागालैण्ड) में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

जे० कृष्णा
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
कृते वनस्पति रक्षा सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1983

सं० पी० ए०/79(1)/83-भरती III/231--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री तंजौर योगेन्द्र प्रह्लाद राव, स्थायी उच्च श्रेणी निपिक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद को दिनांक 10 नवम्बर 1983 (पूर्वार्द्ध) से आगामी आदेश जारी होने तक इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(1)/83-भरती-III--निर्माण एवं सेवाएं वर्ग, बम्बई से स्थानान्तरित होने पर श्री उनीकत रामचन्द्र मेनन, सहायक कार्मिक अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 10 नवम्बर, 1983 पूर्वार्द्ध से, सहायक कार्मिक अधिकारी, पद का पदभार ग्रहण कर लिया है।

टी० टी० पिणोरी
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर, 1983
आदेश

सं० एम०/1567/बी० ओ० डी०/स्था०/3954--श्री ताराकाडू मुन्बरोयन मुन्बाराग ने वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 'एस बी०' पद का पदभार 31-7-1983 अपराह्न को अधिवर्षिता होने पर छोड़ दिया।

एन० बी० रमणन
उपस्थापना अधिकारी

सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय

बम्बई-400 094, दिनांक 19 नवम्बर, 1983

सं० 2/499/77-प्रशा० (खण्ड-III)--चूक श्री सी० एल० भगत, जो कि सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में चौकीदार है, दिनांक 1-9-1983 से अपने सेवा कार्य में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित है।

श्रीर चूक सहायक कार्मिक अधिकारी, सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय द्वारा कथित श्री भगत को अपने सेवाकार्य पर उपस्थित होने के लिए निर्देशित करते हुए दिनांक 3-10-1983 का एक ज्ञापन संख्या 2/499/77-प्रशा० जारी किया गया था।

श्रीर चूक उक्त ज्ञापन कथित श्री भगत को उनके अन्तिम रूप से ज्ञात निम्नलिखित पतों पर रजिस्ट्री-पावती द्वारा भेजा गया था :--

- (1) श्री सी० एल० भगत, रेड्डीमनी टैरेस, पहला माला, मकान नं० 14, वरली नाका, एनी ब्रिसेन्ट मार्ग बम्बई-400 018
- (2) श्री सी० एल० भगत, पोंटेबी चाल, जीते अली, शिवाजी मार्ग, एम० टी० स्टैण्ड के सामने, पतवेल।

श्रीर चूक उक्त पत्र पत्रालय-अधिकारियों द्वारा दोनों पतों में इस टिप्पणी के साथ अविवरित लौटा दिये गये कि 'पाने वाला उपलब्ध नहीं/पता ज्ञात नहीं'।

श्रीर चूक कथित श्री भगत अभी भी अपने सेवाकार्य में अनुपस्थित है और उन्होंने अपने वर्तमान पते के बारे में सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय को सूचित नहीं किया है।

श्रीर चूक कथित श्री भगत अपने सेवाकार्य में अनुपस्थित रहने तथा उसका स्वेच्छा से परित्याग करने के बोधी हैं।

श्रीर चूक श्री भगत द्वारा संपदा प्रबन्ध निदेशालय को अपना वर्तमान पता सूचित किए बिना सेवा का परित्याग करने पर अधो-हस्ताक्षरी आश्चर्य होकर यह अनुभव करता है कि अब विभागीय जांच कराना नार्किक रूप से व्यवहार्य नहीं है और वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि श्री भगत सरकारी सेवा में रखने योग्य नहीं है।

अतः अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (सी० सी० व० ए०) नियमावली, 1965 के नियम 19(2) के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7-7-1979 के पृष्ठांकन संख्या 22/(1)/68-प्रशा० (द्वितीय) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कथित श्री भगत को एतद्वारा सरकारी सेवा में तत्काल निष्कासित करना है।

पी० उन्नीकुण्णन्
निदेशक

प्रति :--

श्री सी० एल० भगत,
रेड्डीमनी टैरेस, पहला माला, मकान नं० 14,
वरली नाका, ए० बी० रोड, बम्बई-400 018

दूसरी प्रति —

श्री सी० एल० भगत, पाटचा चाल,
जीने अली, शिक्षाजी मार्ग,
एम० टी० स्टैण्ड के सामने,
पनवेल ।

क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, 24 नवम्बर 1983

स० डी० पी० एम०/2/1(27)/83-प्रशा०/37846—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक
ने स्थायी भण्डारी, श्री पी० आर० सी० नायर को रुपए 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 7-11-83 (अपराह्न)
में अग्रिम आदेश होने तक नियमित आधार पर इसी
निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डार अधिकारी
नियुक्त किया है ।

पी० गोपालन
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरी : शार केन्द्र

कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्री हरिकोटा रेंज, दिनांक 17 नवम्बर 1983

सं० एम० सी० एफ०/का० और सा० प्र० स्था०/3 : 1.
72—शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को शार
केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी० के पद पर
नियुक्त करने के लिए अपनी प्रसन्नता प्रकट की है । ये सभी कर्म-
चारी निर्दिष्ट तारीखों से और अगले आदेश जारी होने तक,
स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करेंगे ।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति तारीख
	सर्व श्री		
1.	ए० दक्षिणा मूर्ति	वैज्ञा०/इंजीनियर एम० बी०	07-10-83
2.	के० नटराजा	वैज्ञा०/इंजीनियर एम० बी०	01-11-83
3.	जे० बी० शास्त्री	वैज्ञा०/इंजीनियर एम० बी०	20-09-83
4.	जे० बी० एलेक्साडर राजासिंह	वैज्ञा०/इंजीनियर एस०बी०	26-10-83

राजन बी० जाज
प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन
क्षेत्र निदेशक

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट

बंगलूर 560017, दिनांक 8 नवम्बर 1983

स० 8/110/77-प्रशासन—कार्यक्रम निदेशक, ए० पी०
एम० यू०, श्री आर० कृष्णामूर्ति को अन्तरिक्ष विभाग के सहायक
नोदन प्रणाली यूनिट (ए० पी० एम० यू०), बंगलूर में वैज्ञानिक/
इंजीनियर “एम० बी०” के पद पर स्थानापन्न रूप से रु० 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200.रु० के वेतनमान में दिनांक 1 अक्तूबर, 1983
के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं ।

ए० उन्नीकृष्णन
प्रशासन अधिकारी

इसरी उपकेन्द्र

बंगलूर, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

स० 020/3(061)/प्र० अ०-83—इसरी उपग्रह केन्द्र के
निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए
पदों पर एवं दर्शाई तिथियों से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी
आधार पर सहर्ष पदोन्नत करने हैं :—

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति जिस पद और श्रेणी में	पदोन्नति जिस पद और श्रेणी को	दिनांक
	श्रीमती/श्री			
1.	के० विजयकुमार	वैज्ञा० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम०बी०	1-10-83
2.	जी० कुल्लन	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83
3.	डी० एस० राजेंद्र	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83
4.	विठ्ठल राव	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम०बी०	1-10-83
5.	टी० आर० फ्रांसिस	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83
6.	ए० डी० ठकार	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83
7.	आर० गोपीनाथ	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83
8.	के० रतिनम्	तक० सहा० सी०	वैज्ञा०/अभि० एम० बी०	1-10-83

एच० एस० रामदास
प्रशासन अधिकारी-II

नागर विमानन विभाग

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1983

सं० ए० 32013/2/81-ई० सी०—इस विभाग की
दिनांक 5 जुलाई, 1983 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/

81-ई० सी० (पार्ट) के पैरा 2 में आशयः सशोधन करते हुए, पैरा 2 में क्रम सं० 14 पर दर्शायी गई श्री जे० सी० राय की तदर्थ नियुक्ति की समाप्ति की अवधि सशोधन रूप में 31-8-1982 के स्थान पर 31-10-1982 पड़ी जाए।

सं० ए० 12025/2/82-ई० एस०—सब लोक सेवा आयोग की अनुमति पर, राष्ट्रपति ने सर्वे श्री डी० आर० यादव और लक्ष्मण दाम को प्रमृण दिनांक 1-10-1983 और 4-10-1983 से नागर विमानन विभागों में विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

जी० बी० लाल
सहायक निदेशक प्रणामम

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1983

सं० 34/83—सीमा शुल्क गृह, मद्रास के मूल्य निर्धारक श्री के० रामनाथन ने, जो कि पहले साख्यिकी एवं आमुचना निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में चार्ज्ड डिप्लेपक के पद पर कार्यरत थे, निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के दिनांक 31-10-83 के आदेश सी० सं० 1041/50/83 द्वारा इस निदेशालय के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 1-11-83 (पूर्वाह्न) में निरीक्षण अधिकारी, ग्रुप (ख) के पद का कार्यभार सभाल लिया।

ए० सी० खलदोहरा
निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1983

सं० 27 एस०/एन० (6)/77-ई० सी०-2--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक इंजीनियर (मिबिल) श्री एन० नटराजन द्वारा 10 अक्तूबर, 1983 के स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार नटराजन 15-10-1983 (अपराह्न) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

श्रीमति नीता गर्ग
उप निदेशक (प्रणामन)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग,

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार मेडिकल एक्सपर्ट्स पौलीक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :-

पटना-800001, दिनांक 2 नवम्बर 1983

सं० (1107)/560/4747--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसार में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बिहार मेडिकल एक्सपर्ट्स पौलीक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० डब्ल्यू अन्मारी
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरल क्लिनयरिंग एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय :-

कोच्चिन, दिनांक 24 नवम्बर, 1983

सं० 2273/लिक्वि/560(5)/11233/83--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एकट द्वारा सूचना दी जाती है कि केरल क्लिनयरिंग एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मुरज क्रेडिट एण्ड इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :-

जमाल रोड, पटना-800001, दिनांक 24 नवम्बर, 1983

सं० (1007)/560/306--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मुरज क्रेडिट एण्ड इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० बहाब अन्मारी
कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सीटीजन सर्विंग एण्ड फाइनेंस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में --

पटना-800001, दिनांक 24 नवम्बर, 1983

स० (1018)/560/309---कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
सीटीजन सर्विंग एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया
जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जय किमान क्रेडिट एण्ड
इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में --

पटना-800001 दिनांक 24 नवम्बर 1983

स० (11507)560/312--कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
जय किमान क्रेडिट एण्ड इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से नाम
काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० बहाब, अम्बारी
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार पटना।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० चण्डी/251/82-83—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट सं० 1101 है तथा जो सैक्टर-11 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—376GI/83

1. श्री अवतार सिंह वर्मा करता अवतार सिंह और पुत्रान (हिन्दू मुस्तरिका परिवार) निवासी मकान नं० 28 कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द पुत्र श्री चरन्जी लाल निवासी गांधी लाहोरा यू० टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1101, सैक्टर 11 चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1854 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983

माहुर :

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी/244/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० 239 है तथा जो मनी माजरा यू० टी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नीलम खातार पत्नी हतिन्द्र कुमार खातार द्वारा अटार्नी श्री राज कुमार पुत्र श्री हरभजन खातार निवासी मकान नं० 255 सेक्टर 9-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह पाल पुत्र श्री चौहर सिंह निवासी गांव ब डाकघर जन्हु सिधा जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० 239 मनीमाजरा यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलिखत संख्या नं० 1716 मार्च 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983
माहुर :

प्रकृप आई.टी.एम्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० चण्डी०/246/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1225 है तथा जो सैक्टर 34-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर एम० आर० सूद पुत्र श्री ए० आर० सूद
निवासी मकान नं० 70 राजेन्द्र नगर,
जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री देश राज गान्धी पुत्र श्री भगवान दास
(2) श्रीमती शान्ती देवी परनी श्री देश राज
निवासी मकान नं० 1623 सैक्टर 22-बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1225 सैक्टर 24-सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1725 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी०/249/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० साईट नं० 367 है तथा जो मोटर मार्किट और कर्मशियल एरिया मनीमाजरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कालित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह
निवासी मकान नं० 3318 सैक्टर 15—डी०
चण्डीगढ़ द्वारा जी०पी०ए०
श्री शील कुमार पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द
एस० सी० एफ० नं० 10
सैक्टर 10—डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिलविया नरेश गिल पत्नी श्री नरेश कुमार
गिल निवासी मकान नं० 1098 मनीमाजरा
यू०टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 367 मोटर मार्किट और कर्मशियल एरिया मनीमाजरा यू०टी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1804 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० चण्डीगढ़/240/82-83—अत. मुद्रा, जोगिन्दर
मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 8 है तथा
जो सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पवन कुमार, इन्द्र सागर और प्रेम सागर
पुत्रान श्री लछमन दास निवासी 616 सैक्टर
18-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जसबीर सिंह सोधी, श्रीमती सन्तोष कौर
श्री अजय सिंह निवासी 524 सैक्टर 10-डी०,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री चन्द्र मोहन खन्ना मार्फत अप्पू एन्ड
एसोसियेट्स निवासी एस० सी० एफ० नं० 8
सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स लुधियाना टैट हाउस एस० सी० एफ० नं० 8
सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 8 सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
बिलेख संख्या 1673 मार्च, 1983 में दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी०/238/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 1199 है तथा जो सैक्टर 8 सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजिन्दर कौर बेंस पत्नी
श्री जी० एस० बेंस,
निवासी 319 मस्जिद साऊथ एक्सटेंशन, पार्ट II,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश गोयल पुत्र श्री पारस राम
निवासी 239, सैक्टर 19-ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री आर० के० चोकर वकील
निवासी मकान नं० 1199, सैक्टर 8-सं०,
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1199, सैक्टर 8-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलिखित संख्या नं० 1665 मार्च 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983
मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना]

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं खण्डी/241/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 300 है तथा जो सैक्टर 33 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० के० सरीन पुत्र श्री विद्या भास्कर
[माफत मैसर्स सरीन इलेक्ट्रिक ट्रेडिंग कम्पनी
चौडा बाजार लुधियाना द्वारा
हजारा सिंह पुत्र महताब सिंह निवासी मकान
नं० 10 सैक्टर 19 ए०,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह
निवासी मकान नं० 10 सैक्टर 19-ए०,
[चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 300 सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1678 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 14-11-1983
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० सी०एच०डी०/7/83-84—अन: मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 हिस्सा एम०सी०ओ०व० है तथा जो सैक्टर 22-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीति (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री काशमीरी लाल पुत्र हकीम राय वासी 1615 सैक्टर 18 ए, चण्डीगढ़।
2. श्री मदन लाल हरजाई पुत्र हाकम राय हरजाई वासी मकान नं० 44 सैक्टर 27-ए०, चण्डीगढ़।
3. श्री अशोक कुमार पुत्र कश्मीरी लाल वामी 1615 सैक्टर 18 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती रमा हरजाई पत्नी कृष्ण लाल हरजाई वासी 44 सैक्टर 27 -ए० चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

- (3) 1. डा० ओ० पी० शर्मा आंखों के माहिर
- 2 पंजाब लैंड डिवलपमेंट एण्ड रीकलमनेशन कापोरेशन लिमिटेड
- 3 आयकर अधिकारी सैलरी कम कम्पनी सर्कल हरियाणा वासी एम० सी० नं० 827-828 सैक्टर 22 चण्डीगढ़

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा उम० सी० को० नं० 827-828 सैक्टर 22-350 चण्डीगढ़ में संचित है।

(जयदाद जैसी कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के लिखित संख्या नं० 32 अप्रैल 1982 में दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 14-11-83

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० खण्ड /468 2-83—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2419 है तथा जो फ्लॉट 10
मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कटु देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
3-376GI/83

(1) श्रीमती भगवान देवी पत्नी श्री केसी राम निवासी
17 सैक्टर 19 ए० चण्डीगढ़ द्वारा पावर आफ
अटार्नी श्रीमती अनितपाल कौर पत्नी श्री जगमोहन
सिंह निवासी 209 सैक्टर 9 चण्डीगढ़, 1

(अन्तरक)

(2) श्री जगमोहन सिंह पुत्र श्री हरकस सिंह निवासी
209 सैक्टर 9 चण्डीगढ़ 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2419 फ्लॉट 10 मोहाली तहसील खण्ड में
स्थित है।

(जयदाद जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के
विलेख संख्या नं० 5421 मार्च 1983 में दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-11-83

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० खण्ड/45/82-83—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 164 फेम-1 है तथा जो
मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मस्तान सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह निवासी
गोविन्द गली काजिलका ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीमत कौर पत्नी श्री हजूर सिंह निवासी
गांव खान पुर डाक घर परखली तहसील वजिला
रोपड़ा मकान नं० 164 फेम-1 मोहाली
तहसील खरड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जगदीश

मकान नं० 164 फेम-1 मोहाली तहसील खरड में
स्थित है । (जयदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
चण्डीगढ़ के विलेख नं० 5321 मार्च 1983 में दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख :- 14-11-82

मोहर :

प्रारूप आई टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निदेश सं० लुधि०/295/82-83—अत मुझ, जागिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 शेयर दुआन न० बी-VII/50 है तथा
जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक मार्च 1983
को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुण कुमार सेठ, विपिन कुमार सेठ और
नवीन कुमार सेठ, पुत्रान श्री ओमप्रकाश निवासी
बी०-1-1274 राजेन्द्र नगर सिवल लाईनस
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्ण रानी पत्नी श्री प्रधुम लाल और
श्रीमती राज रानी पत्नी श्री नरेन्द्र लाल निवासी
86 ग्रीन पार्क सिवल लाईनस लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) 1 मसस चीप कलाथ हाउस
2 श्री नरेण कुमार कपिला
3 श्री तजिन्द्र कपिला
बो० VII-50 चौड़ा बाजार, लुधियाना
(यह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुआन न० बी० VII-50 चौड़ा बाजार
लुधियाना में स्थित है।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के बिलेख संख्या न० 16498 मार्च 1983 में दर्ज है ?)

जागिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख - 17-11-83

मोहुर :

प्रारूप भाई, टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए०एस०आर/83-84/-249—यतः मुझे, सी०
एस० काहलों आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माडल
टाउन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन क० बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी करतार सिंह
चौक प्रागदास अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री धरन दास पुत्र देस राज
पंजाब हाऊसिंग क्लोनी ग्रीन एक्ज्यू अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई विराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवधू.
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 114.75 ब० ग० जो माडल टाउन अमृतसर
में है जैसा सेल डील नं० 18491/16-3-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 17-11-83

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निवेदन नं० ए० एस० आर० 83-84/248--यन: मुझे
सी० एस० काहलों आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माडल टाउन
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अमुची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधिन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघबीर सिंह पुत्र जसवंत सिंह
17- खालसा कालेज, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नाननी शर्मा पुत्री इशर दास शर्मा इशर
मोहन नगर अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुस्क्रिप्ट

एक जायदाद 114.75 ग० जो माडल टाउन अमृतसर
में है जैसा कि सेल डीड नं० 18492/16-3-83 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :- 17-11-83

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

मिशन सं० ए०एस०आर/83-84/238—यतः मुझे
सी०एस० काहलों आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो रानी का
बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रकाश कौर परनी दरशन सिंह बागी
राधाकृष्ण बिलडिंग जी० टी० रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) राजिंदर कुमार पुत्र सत्या पाल, 30 रानीका बाग
अमृतसर है।

(अन्तरिणी)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किशोर हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो रानी का बाग अमृतसर में
है जैसा सेल डीड नं० 1789/6-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

सी०एस० काहलों आई आरएस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-83
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश न० ए०एम०आर०/239—यत मुझे, सी० एम०
काहलो आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ग० एक भूमि का प्लॉट है तथा
जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और
इसमें उपाचर प्रसूती ग आर पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नष्ट किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या निम्न अला चर्चित था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रकाश कौर परमी दर्शन सिंह बासी राधा
किशन बिलडिंग जी० टी० रोड पुतलीघर अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री रजिंदर कुमार पुत्र मत्य पाल 30 रानी
का बाग, अमृतसर।

(अन्तरिती)
(3) जैना ऊपर म० 2 में कोई किंगणदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति
है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो रानी का बाग, अमृतसर में
जैसा सेल डीड न० 19025/30 3 83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलो आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 3-11-83

मोहर :

प्रकट भाग, डी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83-84/240—यतः मुझे
सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० एक जायदाद है तथा जो गारडन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधिन, तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उक्त दायित्व से क्षति के निवे-
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम सिंह पुत्र हरी सिंह वासी । गारडन
कालोनी, आर० बी० खुनी चंद रोड अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीला बती पत्नी चिमन लाल मेहरा
गली बाग वाली मकान नं० 1660 कटड़ा खजाना
अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक जायदाद 235 ब० ग० जो गारडन कालोनी अमृतसर
में है जैसा सेल डीउ नं० 457/27-6-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काहलो (आई० आर० एस०)
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 नवम्बर 1983
मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए० एम० आर०/83-84/241---यतः मुझे सी० एम० काहलो, आई० आर० एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो बसंत एवन्त्यू, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-376GI/83

(1) अमृतसर इवंप्रबमेट ट्रस्ट अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री रजिंदर कुमार बाही, केवल कुशन बाही, रवि कुमार बाही, और विनोद कुमार बाही पुत्रन केशव केशा राम बाही गली गुमियां कटड़ा भाट संत सिंह, अमृतसर।

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर काई श्री अमर नाथ पुत्र गनपत राण, वामी 36 राम बाग, अमृतसर (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्ची

उस भूमि का प्लॉट जो बसंत एवन्त्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 46/31-3-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

सी० एम० काहलो, आई० आर० एम

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-83

माहूर :

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए०एस आर/83-84/242—यतः मुझे सी० एस० काहलों आई आर एस भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करो का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो निरंकारी कलोनो अनंतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन पर होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरवंश सिंह पुत्र हरी वासी सिंह अठा नूरदी तरन तारन जिला अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री जान सिंह मुत्र लछमन सिंह वासी जिओवाला तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उस भूमि का प्लॉट 258 व०ग० जो निरंकारी कलोनो अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 18926/25-3-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अनंतसर में दर्ज है

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :— 14-11-83
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए०एस०आर/83-84/243—यनः मुजे

सी० एस०काहलौ, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो जी०
बी० रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम० दृश्यमान प्रतिफल के
द्विगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का सबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमरजीत कौर पुत्री मोहन सिंह
चोक करेजी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री प्याग लाल पुत्र हरजी राम, गांव कसेल
तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर नं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अर्थात् या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 114.75 वर्ग ग० जो निकट
मयूर होटल, जो, टा रां न ह जैसा सेल डीड नं० 18785/
22.3.83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलौ, आई आर एस,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए०एम०आर०/83-84/244 अत मुझे, सी०
एम० काह्लो,आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो जी० टी०
रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन, तारीख माच 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरिक्ती
(अन्तर्गति) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दशिंदर कीर पत्नी महिंदर सिंह 16/12
गागर मल रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) कैलाश कुमारी पुत्री फिलोरी राम सकान
न० 302 हसैनपुरा, अमृतसर ।

(अन्तर्गति)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किरायएदार हा
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 114.75 वर्ग० जो निकट मयूर
होटल जी० टी० रोड, अमृतसर में है जैसा, सेल डील न०
3561/15-6-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज

सी० एम्० काह्लो, आई० आर० एस,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख :- 14-11-83
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एन० आर० /83-84-245---अन
मुझे, सी० एम० काहलो, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन महाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

निर्देश सं० ए० भूमि का प्लॉट है तथा जो जो० टी० रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उतावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधीन के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, ताराख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरजीत कौर पुत्री
श्री मोहन सिंह,
वासी चौक कंगोडा,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री महिंदर पाल पुत्र
श्री दीवान चन्द,
गांव ख्याता कला,
तहसील अजनाला,
जिला अमृतसर।

(अन्तरितों)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई निर्दिष्ट नहीं है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभाग
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए० भूमि का प्लॉट 114 175 वर्ग गज जो निकट
मयूर हॉटल, जी० टी० राड अमृतसर में है जैसा सनडोड
सं० 3563 ताराख 15 जून, 1983 का रजिस्ट्रार
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलो, आई० आर० एम०
महाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एम० आर० /83-84/246—अन मुझे,
सी० एम० काहलो, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो निम्न ए० बी० कॉलेज, पठानकोट में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वार्षिक रूप में अधिस्त नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० टी० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा उक्त नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती अमरजोत कौर विधवा

स्व० श्री रेशम सिंह द्वारा

श्री समाग सिंह पुत्र

हाकम सिंह

जतरन अटारी,

वामी 209, प्रेत नगर,

पठानकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्र

श्री सुदर्शन दास,

निकट मिशन हाई स्कूल,

मिशन रोड,

पठानकोट ।

(अन्तरिती)

(3) जैना ऊनर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) आर० कोई ।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 कवाल 2 नं० का निम्न ए० बी० कॉलेज, पठानकोट में है जैसा साइट सं० 4040 तारीख 30-3-83 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है ।

सी० ए० काहलो, आई० आर० एम०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एन० आर०/83-84/247--अन: मुझे,
सी० एम० काह्लों, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो निकट ए० बी० कालेज,
पठानकोट में स्थित है (और इनके उभावद्ध अनुसूचों में और
पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तिके लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में शान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दर्शय में किसी कारण से इसमें वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूच
घे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती अनुराग कौर बित्रा
स्व० श्री रोजन सिंह
द्वारा श्री सतार सिंह पुत्र हाकम सिंह जनरल अटार्नी
वासी 209, प्रीत नगर,
पठानकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार पुत्र
श्री सुदर्शन लाल,
निकट मिशन हाई स्कूल,
मिशन रोड,
पठानकोट ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 5 कनाल 3 मरले जो निकट ए० बी० कालेज,
पठानकोट में है जैसा पेन डोड सं० 4013 की तारीख 25
मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज
है ।

सी० एम० काह्लों, आई० आर० एम०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

नोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/221—अतः मुझे, सी० एस०

काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) से अधीन, तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अर्थों की दृष्टि से एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मला तेवी पत्नी
श्री विश्वनाथ,
वासी चौक पासीयां,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० मैहले इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन,
ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 16 की तारीख 31 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम्० काहलों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० ए० आर०/83-84/222—अतः मुझे,
सी० ए० काहलो, आई० आर० ए०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग स्ट्रकचर का है तथा जो ईस्ट
मोहन नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उगने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
53-376GI/83

(1) श्री किदार नाथ पुन
श्री काहनचन्द,
बासी कृषा सेवा सयान कटड़ा दूलो,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्विनी कुमार पार्टनर :
मै० प्रभात आयुर्वेदिक फार्मसी,
कटड़ा शेर सिंह,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर में 2 में कोई किराणदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति ;
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग स्ट्रकचर का जो ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर
में है जैसा सेल डी० 18095 तारीख 7 मार्च, 1983
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० ए० काहलो, आई० आर० ए०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-11-1983

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/223—अतः मुझे,
सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो
राज एवन्स, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरिन्दर मोहन पुत्र
श्री चमन लाल,
वासी 15, टेलर रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्व वन्धू खाना पुत्र
श्री चुन्नी लाल,
रेस कोर्स रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो राज एवन्स, अमृतसर में है
जैसा सेल डीड सं० 106 तारीख 31 मार्च, 1983 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

पुत्र श्री मदन लाल,
वासी बरेका अमृतसर
अटार्नी जनरल।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

(2) श्री अमर सिंह पुत्र
श्री बसी सिंह,
वासी टेलीफोन एक्सचेंज,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 250 वर्ग गज जो तिलक नगर
अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 18454 तारीख
15 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में
वर्ज है।

सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/224—अतः मुझे,
सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक
नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरमीत सिंह पुत्र
श्री आत्मा सिंह पुत्र
श्री माला सिंह,
वासी मजीठा अमृतसर,
द्वारा . श्री केवल किशन

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/225—अन मुझे,
सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर
में स्थित है और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन नर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरप्रताप सिंह
पुत्र श्री हरबस सिंह पुत्र
श्री सेवा सिंह,
वासी मजीठा द्वारा
श्री बलदेव राज पुत्र
श्री मदन लाल अटानी जनरल ।

(अन्तरक)

(2) श्री दलेर सिंह पुत्र
श्री इन्दरसिंह
कटड़ा मोती राम,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर सं० 2 में कोई किगाएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 250 वर्ग गज जो तिलक नगर,
अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18453, तारीख
15 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज
है ।

सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983
माहुर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एम० आर०/83-84/226—अतः मुझे,
सी० एम० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरविन्दर सिंह पुत्र
श्री हरबंस सिंह,
वासी मजीठा द्वारा :
श्री केवल किशन पुत्र
श्री मदन लाल,
गली बदराओ लोहगढ़ गेट,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावती पत्नी
श्री राम प्रकाश,
वासी कटड़ा मोती राम,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है
जैसा सेल डीड सं० 18497, दिनांक 16 मार्च, 1983
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्रकृष्ट नार्ड, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एम० आर०/83-84/227—अतः मुझे,
सी० एम० काह्लों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी वाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर प्रताप सिंह
पुत्र श्री हरबंस सिंह,
वासी मजीठा द्वारा :
श्री बलदेव राज पुत्र
श्री मदन लाल अन्दरुन
लोहगढ़ गेट,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी
श्री महिन्दर सिंह, रामपुरी,
कालका जी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बाड़ी कटुके पब्लिक सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 21 वर्ग गज जो तिलक नगर,
अमृतसर में है जैसा सेल डी सं० 18372, ता० 14 मार्च,
1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काह्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/228—अतः मुझे
सी० एस० काहलौं, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पत्र वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाह्य उक्त अधि-
नियम के अधीन धार करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलश्री सिंह पुत्र
श्री आरमा सिंह,
वासी मजीठा द्वारा :
श्री करम जीत सिंह
पुत्र श्री सवरण सिंह,
409, ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द स्वरूप शिंगारी
पुत्र श्री राम गोपाल शिंगारी,
92-ए, लारेंस रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है
जैसा सेल डीड सं० 18603, तारीख 8 मार्च, 1983
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काहलौं, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-11-1983

मोहुर

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एम० आर०/83-84/229—अतः मुझे,
सी० एस० काहलौ, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक भूमि है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बख्शीश सिंह पुत्र
श्री आत्मा सिंह,
वासी मजीठा द्वारा .
श्री करमजीत सिंह
पुत्र श्री सवरण सिंह,
409, ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम स्वरूप चड्ढा पुत्र
श्री राम लुभाया चड्ढा,
कटडा दूलो गली आह वाली,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची.

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा
सेल डीड सं० 18602, तारीख 18 मार्च, 1983 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काहलौ, आई० आर० एस०
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-11-1983

मुहर :

प्रकृप् आर्.टी.एन.एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एम० आर०/83-84/230—अन. मं०,
सी० एम० काहलों आई० आर० एम०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि का एक प्लॉट है, तथा जो गांव
पंडोरी वडैच, तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6 —376GI/83

(1) श्री काबुल सिंह, मलकियत सिंह,
श्री मुग्गिन्दर सिंह,
श्री बसन्तावर सिंह,
पुवान श्री भसा सिंह,
गांव पंडोरी वडैच,
तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० ओरिण्टल प्रोमेसर्ज,
2, पुलिस लाइन्स रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किगएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1 भाग भूमि का प्लॉट जो गांव पंडोरी वडैच,
तहसील व जिला अमृतसर में स्थित है जैसा सेल डीड सं०
18786, तारीख 22 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलों, आई० आर० एम०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/231-अन० मुझे,
सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का एक प्लॉट है तथा जो गांव
पंडोरी बड़ैच, तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाट :-

(1) श्री काबुल सिंह, मलकियत सिंह,
श्री सुरिन्दर सिंह,
श्री बल्लावर सिंह पुतान
श्री मंसा सिंह,
गांव पंडोरी बड़ैच,
तहसील/जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० ओरिएण्टल प्रोमिसर्स,
2, पुलिस लाइन्स रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किगणक्षर हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोस्थनाक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्थनाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/ भाग भूमि का प्लॉट जो गांव पंडोरी बड़ैच,
तहसील व जिला अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18787,
ता० 22 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर
में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-11-1983

सोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर० / 83-84/232--अत मुझे,
सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बाद/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) प्रियाम सुन्दर पुत्र

श्री मदन लाल अन्दरून,
लोहगढ़ गेट,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम देव पुत्र

श्री सन्त राम,
कुचा उपला, गुरु बाजार,
अमृतसर।

(अन्तरित)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, शिवाला भाइयों के
पीछे अमृतसर में है जैसा सेल डोड सं० 18207 में दिनांक 9
मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-11-1983

मोहर :

प्रकृष्ट जाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एम० आर०/83-84/233—अनः मुझे,
सी० एस० काहलों, आई० आर० एम०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलकनगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरप्रताप सिंह पुत्र
श्री हरबंस सिंह द्वारा :
श्री बलदेव राज पुत्र
श्री मदन लाल ;
गली बदराओं,
लाहगढ़, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश चन्द पुत्र
श्री राम लाल,
कटड़ा धनइया,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा-
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा
मेल डीड सं० 18634 में तारीख 18 मार्च, 1983 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एम०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1983

मोहर :

प्रत्यक्ष बाईं टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/234—अन. मुझे,
सी० एम० काहलॉ, आई० आर० एम०
आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक
नगर, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
की गई

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर प्रताप सिंह पुत्र
श्री हरबंस सिंह,
द्वारा श्री बलदेव राज
पुत्र श्री मदन लाल,
गली बदराओं,
लोहगढ़, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर लाल पुत्र
श्री देवी दयाल,
कटड़ा सफेद,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा
सेल डीड सं० 18635 में तारीख 18 मार्च, 1983 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एम० काहलॉ, आई० आर० एम०

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आदेश, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/235—अन: मुझे,
सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गांव चेनी तह०
बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

(1) श्री जगीर सिंह पुत्र
श्री अमर सिंह,
वासी चेनी, तहसील बटाला,
जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरनाम सिंह पुत्र
श्री मुन्वर सिंह,
वासी शोने, तहसील बटाला,
जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो शोने तहसील बटाला में है जैसा
सेल डीड सं० 6481 में तारीख 8 मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, बटाला में दर्ज है।

सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1983

मोहर :

प्रकृप् आर्. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/236—अनः मुखे,

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो निलक
नगर, अमृतसर में स्थित है (और हममें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शादी लाल पुत्र
श्री सोहन लाल,
बामी लोहगढ़ गेट,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र
श्री जीत सिंह,
558 ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैधा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो निलक नगर, सर्कल नं० 110
अमृतसर में है जैसा मेन डीड नं० 18637 में तारीख
18 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में
दर्ज है ।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एम० आर०/83-84/237---अनः मुझे,

सी० एम० काह्लों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र
श्री ओम प्रकाश,
वामी कोट बाबा दीप सिंह,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्र
श्री राम प्रकाश,
वामी बम्बे वाला खूह,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किगाण्डार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अग्रोहस्ता-धारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैमा सेल डीड सं० 18636 में तारीख 18 मार्च, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एम० काह्लों, आई० आर० एम०
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1983

माहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० ए० सं०—

(1) मेसर्स एस० पी० कन्स्ट्रक्शन्स, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री कवचर जगजीवनदास राय

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई०-2/37 ई०ई०/999/82-83—अतः

मुझे, एस० एच्० अब्बास अबिदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 4थी मंजिल, सी० एस० नं० 59,
हिस्सा नं० 2 सी० टी० एस० नं० 1238, छत्रपती शिवाजी रोड,
है तथा जो दहिसर (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 22-3-1983 और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधिसूचित :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शरहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, चौथी मंजिल, सी० एस० नं० 59, हिस्सा नं०
2, सी० टी० एस० नं० 1238, छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर
(पूर्व), बम्बई-400 068 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/938 और ज सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-3-1983 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

एम० एच्० अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 9-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० आई० -1/37 ई० ई०/253/83-84—अतः

मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, 5वीं मंजिल, न्यू शांतीला को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलाबा रोड, बम्बई-400 005 में स्थित है तथा जो कोलाबा रोड, बम्बई 400 005 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 25-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मिस रीशन फिरोज़ मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नुरुनेसा गुलाम हुसैन बेर्सी और श्री नौशद गुलाम हुसैन बेर्सी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-सम्पन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त अधिनियम के प्रावधानों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 51, 5वीं मंजिल, न्यू शांतीला को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलाबा, बम्बई-400 005 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/23 882-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निवेश सं० आई० -1/48 73/83-84—अतः मुझे, आर०

के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
15,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1390 और 1/1382 (लोअर
परले धिवीजन) और फायनल प्लॉट नं० 488, 489, और
488 ए. (पाट) (टी. पी. एस-4 माहिम) है, तथा जो बम्बई
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), दिनांक 19-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या ससुं बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री प्रताप सिंह के० आशर ।
2. श्रीमती पुष्पावेन आर० आशर ।
3. श्री महेश पी० आशर ।
4. सुधा महेश आशर ।
5. किरण पी० आशर ।
6. श्री हर्षा के० आशर ।
7. केतन के० आशर ।
8. कुलोन पी० आशर ।
9. श्रीमती रतनबाई जी० आशर ।
10. रणजीत जी० आशर ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स अमर बिल्डर्स एंड डेवलपमेंट
लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवाता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० बम्बई-537/81 और जो
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1983 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेदन सं० आई०-1/37 ई० ई०/241/83-84—अतः

मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 402 शिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट, परेल रोड, फ़ास लेन, मायखला, बम्बई 400013 है तथा जो यूनिट नं० 402, शिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट परेल रोड फ़ास-लेन, मायखला बम्बई 400013 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 17-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स आर० बी० एण्टरप्राइजेस, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सी० एण्ड री० इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 402, शिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट, परेल रोड, फ़ास लेन, मायखला, बम्बई 400 013 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० आई -1/235/82-83- और जो बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी से दिनांक 17-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई।

दिनांक : 11-11-1983

मोहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शाह एण्ड नहार एसोशिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) जय दस सिंग वक़्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एक्वी० रेंज-1/37 ई० ई०/245/83-84—अतः
मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 325-ए० है तथा जो 3री मंजिल,
नहार इण्डगिस्ट्रियल इस्टेट शाह एण्ड लोअर परेल में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुपूर्वी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-3-1983 और जिसका
करारनामा आगार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री
है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 325-ए, 3री मंजिल, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल
इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउंड, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर
परेल, बम्बई-400 013 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० एक्वी० रेंज-1/226/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 14-11-83

मोहर :

प्रकृप शाह¹. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एक्वी० रेंज-1/37ई०ई०/230/

83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, है तथा तल मंजिल, गुलमर्ग अपार्टमेंट, के० डब्ल्यू० चित्तले मार्ग, दादर, बम्बई-400 028, जो दादर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 मार्च, 1983, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल का निर्धारण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० किरन एम० देसाई

(अन्तरक)

(2) श्री विमलचन्द रामजमलजी और
श्री पनीभाई राजमल जी।

(अन्तरिती)

(3) डा० किरन एम० देसाई

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, तल मंजिल, गुलमर्ग अपार्टमेंट, के० डब्ल्यू० चित्तले रोड, दादर, बम्बई-400 028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० —एक्वी० रेंज —1/184/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एक्सी०रेंज-1/37ई०ई०/221/83-84—अतः

मुझे, आर० के० वकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-12, है तथा जो अनन्त को०—
आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 762, रजबअली पटेल रोड,
बम्बई 400 026 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16-3-1983 और जिसका कारारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमलेश किशीनचन्द माणीक ।
(अन्तरक)

(2) एम० के० आर० फूड एक्सपोर्ट (प्रा०)
लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) मदन अंबट ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०-12, 12वीं मंजिल अनन्त को०—आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डा० रजबअली पटेल रोड, आफ
वार्डन रोड, बम्बई 400 026 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० एक्सी०-1/209/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16/3/1983 को रजि-
स्टर्ड किया गया है ।

आर० के० वकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

दिनांक : 11-11-83

सोहर

प्रकरण भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० एक्वी-1/37ई०ई०/312/83-84—अतः सुझे,
आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 1203, है तथा जो 12वीं मंजिल
जोगानी अपार्टमेंट इंगरशी गली बम्बई 400 003 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-
3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुनीता जगमोहन शाह

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद इलायाम मोहमद उदराम और
श्री मोहमद नसीर मोहमद उदराम ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1203, 12 वीं मंजिल जोगानी अपार्टमेंट इंगरशी
लेन बम्बई 400 006 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० एक्वी० रेंज I/208/82-83
और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-83
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई० -1/37ई०ई०/169/83-84---

अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलट नं० 85, "शांतिना" कुलाबा, बम्बई-400 005 में स्थित है तथा जो कुलाबा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 2-3-1983 और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-376GI/83

(1) श्री श्रीकान्त वामुदेव नायक और श्रीमती शामा श्री नायक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीरा कालंजी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर रहा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलट नं० 85, 8वीं मंजिल कुलाबा पोस्ट आफिस के सामने, बम्बई-400 005 में स्थित है अनुसूची जैमा कि क्र० सं० अ० ई० -1/172/82-83 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-11-83

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती राचेल रसवा भातेना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नाक्षेर रूसी वाडीया और रतन जमशेद बाटलीबाई ।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अ०ई०-1/37 ई० ई०/257/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 404, ओम् चेंबर्स, है तथा जो बम्बई-36 केम्पस् कार्नेस, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) दिनांक 17-3-1983 और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के भ्रिय अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रोमासेस नं० 404, 4थी मंजिल, ओम् चेंबर्स, केम्पस् कार्नेस, बम्बई 400036 में स्थित । अनुसूची जैसा कि सं० आई० -1/229/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

-मोहर :-

इसका आर्टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई०-2/37 ई० ई०/831/82-83--अतः

मुझे, एस० एच० अम्बास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कहना है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०-4, "आषिग" बिल्डिंग वीक्षित रोड, बम्बई 400057 है तथा जो विले पार्ले (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) दिनांक 5-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नरमेश कुमार बोरमाणी ।

(अन्तरक)

(2) श्री शेखर शिलीष तलवलकर और श्रीमती पूर्णिमा शेखर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए०-4, "आषिग बिल्डिंग", वीक्षित रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई 400 057 में स्थित । अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/786 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अम्बास अविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक : 11 नवम्बर, 1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० एक्वू० रेंज-1/37 ई०ई०/200/83-84

अतः मुझे, धार० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 447, 4थी मंजिल, बी० बिल्डिंग केवल इण्डस्ट्रीयल एस्टेट है, तथा जो फरगुसन रोड, परेल, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 7-3-1983 और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० केवल विलडर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) मे० बी० आई पानचाल एण्ड सन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 447, 4थी मंजिल, बी० बिल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, फरगुसन रोड, परेल, बम्बई 400 013 में स्थित। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अ० इ०-1/83/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

धार० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई०-1/37 ई० ई०/196/83-84--

अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि धारक सम्पत्ति, जिसका उक्त वातावरण मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आफिस प्रोमायमेन्स नं० 11, 9वीं मंजिल
'एम्बर्मा सेंटर', तरामा पाइंट, बम्बई-400 021 है तथा
जो नारदीन पाइंट में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची
में और पूर्णतः न वर्णित है), दिनांक 2-3-1983
और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेगर्स आर्ट्स मॉड्यूल इण्टरनेशनल प्राइवेट
लिमिटेड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खेतन होल्डिंग्स कार्पोरेशन कलकत्ता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त धारक सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रोमायमेन्स नं० 11, 9वीं मंजिल, और आर पाकिंग
स्पेस नं० 28, एम्बर्मा सेंटर, तरामा पाइंट, बम्बई 400 021 में
स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/180/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/3/1983 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

साह्वर :

प्रकृष आर्इ. टी., एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई-2/37 ई०ई०/1031/82-83—अत.

मुझे, एस० एच० अब्बास अब्बदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०-4, बिल्डिंग नं० 2, जुहू अपार्टमेंट्स को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू रोड, जुहू बम्बई-400049 है तथा जो जुहू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 26-3-83 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती ऊर्सूला फनडिन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आण्णा उर्फ एनी० रीबेलो ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए०/4, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 2, जुहू अपार्टमेंट्स को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू रोड, जुहू, बम्बई 400 049 में स्थित। अनुसूची जैसा कि क्र०सं० अ० ई०-2/964 और जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्बदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 9-11-83

मोहर ॥

प्ररूप आई. टी. एम्. एस्.-----

(1) ठाकुरदाम उधवदाम राजपाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) काकूभाई बी० शाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निवेश सं० आई०-2/37ईई/988/82-83—अतः मुझे एस०
एम्० एम्० ग्राम्बास अखिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 11, अजय शापिंग सेंटर, लेडी
हार्डिंग रोड, बम्बई 400 016 में स्थित है तथा जो लेडी हार्डिंग
रोड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), दिनांक 21-3-1983 और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

दुकान नं० 11, ग्राउंड फ्लोर, अजय शापिंग सेंटर, लेडी
हार्डिंग रोड, बम्बई-400 016 में स्थित है। अनुसूची
जमा कि क्र० सं० अ० ई०-2/928 और जो सक्षम प्राधिकारी
बम्बई द्वारा दिनांक 21/3/1983 को रजिस्टर्ड किया है

एस० एम्० ग्राम्बास अखिदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9-11-1983

मोहर :

प्रम्प आई.टी.एन एस.-----

(1) मेमर्स आर० बी० इण्टरप्रदाय, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स सी० एण्ड ए० इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अ०ई० 1/37 ई० ई०/243/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 401 है तथा जो शिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट, परेल क्राम रोड लेन, भायखला, बम्बई-400 013 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), दिनांक 17-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 401, शिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट, परेल रोड, क्राम लेन, भायखला, बम्बई-400 013 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अ०ई०-1/228/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० मीनू ए० पराडीवाला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० विष्णू मूर्ति सेठ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० रेंज-अ०ई० 1/37 ई० ई०/195/83-84--

अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, 2रा माला, सिलवर ग्रील,
को०आप० सोसायटी लि० 25-ए है तथा जो काशीनाथ डूव मार्ग,
बम्बई-400 028 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप में वर्णित है), दिनांक 7-3-1983 और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
संश्लेष में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, 2रा माला, सिलवर ग्रील प्रिमाइस को० आप०
हाउसिंग सोसायटी लि० 25-ए०, काशीनाथ डूव मार्ग, बम्बई-
400 028 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-
1/189/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
दिनांक 7-3-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

दिनांक : 11-11-83

मोहुर ५

प्रकृष आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई-2/37 ई० ई०/826/82-83—अतः

मुझे, एस० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 22, ग्रीन पार्क विलिडिंग नं० 3, ओर्लेम,
मालाड (प०), बम्बई है तथा जो ओर्लेम में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
दिनांक 5-3-1983 और जिसका वारंरनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अन्धर्ना जोसेफ पट्टाडू ।

(अन्तरक)

(2) श्री फर्नान्डो जोसेफ डिसेन्हा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 22, ग्रीन पार्क विलिडिंग नं० 3, रिनीफरोड, ओर्लेम
मालाड (प०), बम्बई 400064 में स्थित । अनुसूची जैसा
कि क्र० नं० आई-2/783 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
द्वारा दिनांक 5-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई-2/37 ई० ई०/1020/82-83—अतः

मुझे, एस० एच० अब्बास अब्बिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, ग्रीन पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ओलेम है तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-3-83

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अन्धनी जोसेफ पट्टाट्टु ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० देवासी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 3 ग्रीन पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिफ्टिंग रोड आलेम, मालाड, बम्बई-400 064 में स्थित ।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० आई-2/957 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अब्बिदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० आर०II/3518/82-83—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्बिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी जिसका सी० एस० नं० ई०/798 और
जो बिल्लिंग नं० 66, 67, 67-ए०, 67-बी० और 67-सी०
के साथ है तथा जो 5वां रास्ता खार में स्थित है (और इससे
उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मटुबेन सफरलाल शाह और
श्रीमती नवलबेन बेचारदास मर्चेंट ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सबीरा अकबर हुसेन अबदुल्ला मिस्त्री ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक और भाइत ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरक और भाइत ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिल्लिंग नं० 2212/81 और जो उपरजिस्ट्रार,
बम्बई द्वारा दिनांक 15-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

एस० एच० अब्बास अब्बिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० एक्वी० रेंज-1/37 ई० ई०/218/83-84---

अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 120, तल मंजिल, शाह और नाहार
इंडस्ट्रियल एस्टेट, ए०-1, लोअर परेल, बम्बई 12 में स्थित (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-3-1983 और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मे० शाह और नाहार एंजोयमेंट्स
(अन्तरक)

(2) मे० ला डेकॉमेट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 120, 1 ला मॉना, शाह और नाहार इंडस्ट्रियल
इस्टेट ए०-1, लोअर परेल, बम्बई 400 012 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० -अइ 51/191/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-83 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983
मोहर :

अर्थ. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एकवी० रेंज-I/37 ई० ई०/346/83-84—

अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट न० 10, 3 रामाला, गाइड अपार्टमेंट, इम्पायर गाइड को० आप० सोसायटी के अधीन, नीपन सी०, रोड, बम्बई-400 006 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

(1) श्रीमती संतोश फिरोज दलाल

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवीर सिंह दयाल सिंह

(अन्तरिती)

(3) श्री कुलवीर सिंह दयालसिंह

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अयोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 10, 3 रा माला, गाइड अपार्टमेंट, इम्पायर गाइड को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 16, नीपन सी० रोड, बम्बई-400 006 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०-अइ-1/217/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 3

रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं. अई-1/37ई ई/219/83-84—यतः मुझे,
आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनीट नं. 317ए, 3री मंजील, शाह एण्ड नहार
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, लोअर परले, बम्बई 400013 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सैर्स शाह एण्ड नहार असोशीएट्स

(अन्तरक)

2. सैर्स मांड क्रीएशन सू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में अन्य किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनीट नं. 317ए, 3री मंजील, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल
इस्टेट, ए-1, लोअर परले, बम्बई 400013 में स्थित।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अ ई-1/190/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

आर. के. बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-1, बंबई

तारीख : 11-11-1983

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई/1/37 ई० ई०/232/83-84—अतः मुझे,
आर० कै० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, शान्ती निकेतन, 2री मंजिल,
95-ए०, मरीन ड्राईव, बम्बई-400 002 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-3-1983
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक - के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वसुन्ता एस० सोमानी।

(अन्तरक)

(2) डा० एम० क्यू० दलवी और मिसेस एस० दलवी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, शान्ती निकेतन, 2री मंजिल, 95-ए०, मरीन
ड्राईव (नेताजी सुभाष रोड) बम्बई-400 002 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अ० ई०-1/214/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० कै० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई।

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री के० आर० हरीहरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पुष्पाबेन रामजी जोशी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई-2/37 ई० ई०/1054/82-83—अतः

मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जयकोटेश्वर नगर को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 69, हाजी बापू रोड है तथा जो मालाड (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

10—376G1/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, 4थी मंजिल, जय कोटेश्वर नगर को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 69, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई 400 064 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/982 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अबिदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, बम्बई ।

दिनांक : 9-11-1983

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एल०—

(1) मैसर्स नीना प्रिंटेर्स,
बम्बई ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री मती चन्द्रा के० मेहता और
श्री अरुण कुमार आर० मेहरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई० -1/193/83-84—अतः मुझे,
आर० के० बकायाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० यूनिट नं० 13, तीसरी मंजिल, इन्टर-
प्राइजेज को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्रभादेवी
बम्बई-400025 में स्थित है(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7 मार्च, 1983 और जिसका करारनामाआयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 13, तीसरी मंजिल, इन्टरप्राइसेस को० आपरेटिव
सोसाइटी लिमिटेड, प्रभा देवी, बम्बई-400025 में स्थित
है ।अनुसूची जैसा कि सं० अ० ई० 1/187/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मार्च, 1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-11-1993

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एक वी० रेंज I/37 ईई०/240/83-84—अतः

मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम्बेसी सेंटर 11वीं मंजिल, कमरा नं० 5; नरीमन पार्क, बम्बई-400021 है तथा जो और जिसका सं० करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूत से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, 17 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० भण्डारी क्रास फिल्ड लि०, (अन्तरक)
- (2) मै० कांतिलाल मनीलाल शाह। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 5, 11वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, नरीमन पार्क, बम्बई-400021 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम नं० ईई०-1/225/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-11-1983.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) डा० किरण एस० देसाई ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई०-1/37 ई० ई०/247/83-84—अतः
मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, 'गुलमर्ग अपार्टमेंट' है तथा
जो दादर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28 मार्च, 1983 और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती सुकन कुमारी देवराज धी और
श्रीमती चेना कुमारी,
श्री नेश कुमार जी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, 'गुलमर्ग अपार्टमेंट', के०
डब्ल्यू० चितले रोड, दादर, बम्बई-400028 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई०-1/220/82-83
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मार्च,
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 8-11-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई०/3/37 ई०ई०/851 ए/83-84—अतः

मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 'सौरभ, बिल्डिंग जमीन के साथ है तथा जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मार्च, 1983 और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का सन्तुष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतलाता हूँ—

- (1) श्री गोविन्द के० दर्यानी
(मैं० इण्डो सायगाव एजेंसी के प्रोपराइटर)।
(अन्तरक)
- (2) अन्धेरी म्यूनिसिपल स्टाफ सौरभ
को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०,
(अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'सौरभ' बिल्डिंग और जमीन (प्लॉट नं० 8, पुराना सबे नं० 121, सी० टी० एम० नं० 1176-पार्ट), के साथ वसोबा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई०-3/864/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई०-3/37ईई०/853/82-83---अतः

मुझे, ए० लहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 3, हेम दर्शन, हेम दर्शन कोआ, सोसाइटी
लिमिटेड आफ डा० आर० पी० रोड, मुलुण्ड (पश्चिम); बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मार्च, 1983
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सबलाबाई विसानजी तथा
एण्ड श्री विनोद कुमार विसानजी।

(अन्तरक)

(2) श्री लावजी नावजी छोटानी।

(अन्तरिती)

(3) श्री लावजी नावजी छोटानी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 3, हेम दर्शन, हेम दर्शन कोआ, सोसाइटी
लिमिटेड आफ डा० आर० पी० रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई-
80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई०-3/518/82-83
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मार्च,
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहीरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मै० लोखण्डवाला डेवलपमेंट कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद जहीरुद्दीन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निवेश सं० अ० ई०-III/37ईई०/809/82-83-अतः—

मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'सूचना अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, तल माला सनी साइड, प्लॉट नं०
255, चार बंगला, ओशीवारा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित और
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है । तारीख 16-3-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 4, तल माला सनी, साइड, चार बंगला,
ओशीवारा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/847/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 मार्च, 1983
में रजिस्टर किया गया है ।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निवेश सं० अ० ई०-3/37 ईई०/818/82-83—अतः

मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 10, तल माला, सन स्पष्ट,
प्लाट नं० 353, चार बंगला, ओशीवारा है तथा जो अन्धेरी
(पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन 269 कख बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। 14 मार्च, 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) में० लोखण्डवाला इक्वपमेट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीमा आर० केशवानी और
श्री राम केशवानी।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10, तल माला, सन स्पष्ट विट्ठिंग, प्लाट
नं० 353, चार बंगला ओशीवारा, अन्धेरी (पश्चिम),
बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई०-3/84/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मार्च, 1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

(1) मै० लोखण्डवाला इक्वलिमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवन्त कौर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अ० ई०-3/37 ईई०/817/82-83—अतः

मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12, तल माला, सन स्वेप्ट,
प्लॉट नं० 353, चार बंगला, ओशीवारा, अन्धेरी (पश्चिम)
है तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा, आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वैस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11 —376 GI/83

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12, तल माला, सन स्वेप्ट बिल्डिंग, प्लॉट नं०
353, चार बंगला, ओशीवारा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-
58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई०-3/863/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 मार्च, 1983
को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंज-4, बम्बई

तारीख . 15-11-1983

मोहर

प्रत्यक्ष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मै० शिव शक्ति बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती लीलावती बी० देशमुख।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-3/37 ईई/709/82-83—अतः
मू०, एस० एच० अब्बास अविदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक शेड नं० 140 पहला माजला,
शिव शक्ति औद्योगिक इस्टेट, मरोल विलेज, आफ अन्धेरी
कुर्ला रोड है तथा जो अन्धेरी, बम्बई-400059 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मू० यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक शेड नं० 140, फेज नं० 3, शिव शक्ति
इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मरोल विलेज, आफ अन्धेरी कुर्ला रोड,
अन्धेरी, बम्बई-400059।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/753/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मार्च, 1983 को
रजिस्टर किया गया है।

एम० एच० अब्बास अविदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 1-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई-3/37ईई/730/82-83--अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्दी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
... है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० न्यू अम्बिवली कोआ० हाउसिंग सोसायटी
लि० जी/61, 65^{वां} माला, विरा देसाई रोड अंधेरी (पश्चिम) है
तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालयों रजिस्ट्री है। तारीख 8-3-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

- (1) श्री कारावाविया रजनीकांत जेठालाल
(अन्तरक)
- (2) श्रीमति अमीर बानू नूर अली भमानी
- (3) श्रीमति अमीर बानू नूर अली भमानी
(अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-61, न्यू अम्बिवली कोआ० हाउसिंग
सोसायटी लि०, विरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-
58 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० एक्यू -3/780/82-83
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 8-3-1983
को रजिस्टर किया गया है।

एस० एस० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई.

बंबई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

ए आर-3/37ईई/641/82-83—अतः मुझे, विजय
रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, 1ला मजला, जूपिटर-1,
आफ विलेज वरसवा अंधेरी (प), बम्बई 400058. है
तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अर्थों बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के
अधीन, तारीख 3-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नेशनल इंटरप्राइजेज

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार बघवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, पहला मजला, जूपिटर-1, विलेज वरसवा;
अंधेरी (प) बम्बई 400058 अनुसूचित जैसा कि क्र०
सं० आई 3/712/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई
द्वारा दिनांक 3-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 4, बम्बई-

तारीख : 15-11-1983

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) मैगर्स शिवशक्ति विल्डर्स, बम्बई।
(अन्तरक)
- (2) फार्मा आफसेट, बम्बई।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एआर-3/37 ईई/633/82-83--अत
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेड न० 265, शिवशक्ति
इंडस्ट्रियल स्टेट मरोल विलेज, (अंधेरी कुर्ला रोड) अंधेरी,
बम्बई 400069 में स्थित है तथा जो बम्बई में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकांकी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्रार है।

मे रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल शेड न० 265, 2सरी मजिल, फेश न० 3,
शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज (अंधेरी कुर्ला
रोड), अंधेरी, बम्बई 400069 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/694/82-83
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/3/1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 1-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्री शबीर अली एच० बिरजी।

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सृजना

(2) श्री मिर्जा अहमद जवद।

(अंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई-3/37ईई/776/83-84—अतः मुझे,
एस्० एच्० अब्बास अब्दी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (प्लेट नं० 22, 2वरी मंजिल, गौतम
निवास कौ-आपरेटिव हार्जसंग सोसायटी लिमिटेड,
है तथा जो अंधेरी (पश्चिम) में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1983

*** और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 22, 2वरी मंजिल, गौतम निवास कौ-आपरे०
हार्जसंग सोसायटी लिमिटेड, सात बंगला के पास,
(पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/817/82-83
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस्० एच्० अब्बास अब्दी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख :—14-11-1983

मोहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एस० बी० आई०, इण्डाईज मित्तल को
आप० हाऊसिंग सोसायटी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओम प्रकाश शर्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए०आर०ई० 4/37ई०ई०-705/82-83—अतः

मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट नं० बी-10, चौथा मजला, है तथा जो
"मित्तल" सोसायटी, अम्बोली विलेज, अंधेरी (प) बम्बई
400058. में स्थित (औरइससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 7 मार्च 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० बी० 10, चौथा मजला, एस० बी० आई०
इण्डाईज "मित्तल" को० आप० हाऊसिंग सोसायटी, सिसर
रोड, अम्बोली विलेज, अंधेरी (प), बम्बई 400048,
अनुसूचित जैसा कि क्र० सं० आई०-4/750/82-83 और
जो सूक्ष्म प्राधिकारी द्वारा दिनांक 7-3-1983 को रजिस्टर
किया गया है।

विजय रंजन

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख :- 14-11-83

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस्०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई०-137ईई/377/83-84—अतः मुझे आर० के० बकाया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ऑफिस नं० 4-बी०/2, चौथी मंजील, तथा जो कोर्ट चेंबर, 35, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई 400020 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में 28 मार्च 1983 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा

(ख) ऐसा एकसा आय या एकसा धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती विद्याबेन चद्रकांत
- (2) श्रीमती वेवीबेन रमेशभाई और
- (3) श्रीमती सुनन्दाबेन सननकुमार

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीण चन्द्र आर० रायानी और श्रीमती ज्योतस्ना पी रायानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऑफिस नं० 4बी-2, 4थी मंजील, कोर्ट चेंबरस्, 35 न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई 400020 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० आई०-1/221/82-83 और बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 28-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1 बम्बई

तारीख 11/11/83
मोहर

प्रथम भाग. टी. एन. एस.,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई०-2/3520/82-83—अतः सू०,

एम० एच० अब्बास अबिदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 1277 (टीपीएस -4),
माहीम बिल्डींग के साथ सी० एस० नं० 9182/11, है तथा
जो माहीम डिबीजन बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक 17/3/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायलब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—
12—376 GI/83

(1) मैसर्स पंडित एन्ड कम्पनी बम्बई
(अन्तरक)

(2) प्रभादेवी हिमगिरी को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती के सदस्य ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जसा कि विलेख सं० बम्बई 2245/81 और जो
उपरजिस्ट्री, बम्बई सं० द्वारा दिनांक 17/3/83 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

एम० एच० अब्बास अबिदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख :- 15-11-82

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० -3/37 ई० ई०/864/82-83---

अतः सूझे, ए० लहोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 22, सी० बिल्डिंग, तल माला घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई -86 में स्थित है (और हमने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 25-3-83 रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) गारनेट (एक्सपोर्ट) मैन्युफैक्चरिंग कं०

(अन्तरक)

(2) कंट्रोल इंडिया और श्रीमति गोमा आई, गुरमहानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करने करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 22, सी० बिल्डिंग, तल माला, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई 86 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि क्र० ० में आई०-3 /535/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

ए० लहोरी)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बम्बई

दिनांक : 14-2-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

(1) श्रीमती कुसूम एम० लोखंड वाला

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष घाभनराव कदम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

बम्बई, यदनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० आर०-3/2043 ई०ई/905:82-83--

यतः महे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० औद्योगिक इन्स्टेट नं० 205 दूसरा मंजिल, शिव शक्ति औद्योगिक इन्स्टेट, मरोल विलेज, अंधेरी (पूर्व) बम्बई 400051 में स्थित है (और हममें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल गाला नं० 205, दूसरा मंजिल, शिव शक्ति औद्योगिक इन्स्टेट मरोल विलेज, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 400051 अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-3/843/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/3/1983 को रजिस्टर किया गया है।

(विजय रंजन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक :- 14-11-83

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एच.-----

(1) मैसर्स नेशनल इंटरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चतुर्गबरी हरिदास और श्री राजेंद्र हरिदास
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-3/37 ई० ई०/898/82-83—

यतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 1ला मंजिल, बरतवा रोड आफ 4 बंगलो अंधेरी (प) बम्बई 400058 है तथा जो अंधेरी (प) में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 मार्च 1983

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 1ला मंजिल; जूपिटर -1, बरतवा क्रॉस रोड, आफ 4 बंगलो अंधेरी (प) बम्बई 400048 अनुसूचित जैसा कि क्र० सं० आई-3/851/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/3/83 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, 4 बम्बई

तारीख :- 15-11-83

मोहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1983

निदेश सं० ए०आर०-3/37/ईई/769/82-83-अतः मुझे

ए० लाहोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7, 2रा माला, केसर बाग, है तथा जो मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-तारो के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-3-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीना बी० डिमूजा

(अन्तरक)

2. श्री गान्तराम आत्माराम घाग

(अन्तरिती)

3. श्री गान्तराम आत्माराम घाग

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, 2रा माला, श्रीजी अपार्टमेंट बिल्डिंग, मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ए०आर०-3/811/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

ए० लाहोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, भुवनेश्वर

तारीख : 14-11-83

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए०आर०-3/37ईई/680/82-83—अत मुझे,

ए० लाहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मुख्य इंडस्ट्रियल माला, 114 के० के० गुप्ता इंडस्ट्रियल इस्टेट है तथा जो मलुण्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती हेमलता कपूरचन्द शहा

(अन्तरक)

2 मैसर्स वीमा प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

3 मैसर्स वास प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल माला, 114 के० के० गुप्ता इंडस्ट्रियल इस्टेट, अपो० जवाहर सिनेमा के सामने, मलुण्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-3/695/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

ए० लाहीरी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 14-11-83

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

1 शिव शक्ति इन्डस्ट्रिज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2 मैसर्स भारती एम० शाह

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए०आर०/3/37ईई/710/82-83--यन' मुखे,

एच० एस० अब्बास आदिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या औद्योगिक शेड नं० 59, तल मजला, शिव शक्ति औद्योगिक इस्टेट, मरोल विन्नेज, आफ : अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बई 400509 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 7-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अंतरिनीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Industrial Shed No. 59, Shiv Shakti Industrial Estate, of Marol Village off. Andhatri Kurla Rd., Andhari, Bombay-59, The agreement has been registered of the competent Authority under Serial No AR-III/11 754/82-83 Dt. 7-5-1983.

एम० एच० अब्बास आदिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-IV, बम्बई

तारीख : 1-11-1983

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एल. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अई-3/856/82-83—यन मझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 लक्ष्मी निवास, झवेर रोड, मुलुण्ड, (पश्चिम) बम्बई-80 है तथा जो मुलुण्ड (प०) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 25-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) सैमर्स अजय विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री अनिरुद्ध प्रसाद दुवे

(अन्तरिती)

मे (3) अजय विल्डर्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दुकान नं० 1, लक्ष्मी निवास, झवेर रोड, मुलुण्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित। अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/856/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को रजिस्ट्रार किया गया है।

ए० लाहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख :—1-11-1983
मोहूर :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई-3/37ईई/870/82-83—अन : मुझे,
ए० लहिरी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, 4 माला, धीरज अपार्टमेंट
शान्ति भवन, जे० डी० रोड, मुलुण्ड (पश्चिम) बम्बई-80
है तथा जो बम्बई में स्थित है (और हमसे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई (और जिसका कार्यालया नाम आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित मक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत है।) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है या किया जाना चाहे या रिपार्थ में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13-376 GI/83

- (1) श्री जे० डोमा ए प्रायसेस्, बम्बई।
(अन्तरक)
- (2) प्राविणचन्द्र सिंह० माणेक, बम्बई।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सामर्थ्य करना है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

वाचनीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, 4 माला, धीरज अपार्टमेंट अनेक्स, शान्ति
भवन, जे० डी० रोड, मुलुण्ड-7 (पश्चिम) बम्बई-80
में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/844/82-83
और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983
को रजिस्टर किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख :—14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

(1) मैसर्स नेशनल इन्टरप्राइजेस्,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति मुहासिनी विकास केरकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए आर 3/37ईई/808/82-83-अतः

मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 2रा मंजला, विलेज वरमवा,
अंधेरी (प) बम्बई 400058. है तथा जो बम्बई में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है।) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, 2रा मंजला, जूपिटर-2, वरसवा क्रॉस
रोड, आफ 4 बंगलो रोड, अंधेरी (प) बम्बई 400058.
अनुसूचित जैसा कि सं० आई 3/852/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1983
को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख :--15-11-1983

माहिर :

मुख्य नोट: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० अई-3/37ईई/811/82-83-अतः सुधे,

विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय कानून का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, तल माला, मनस्वेष्ट, प्लॉट नं० 353, चार बंगला, ओसीवारा, बरसोवा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58, है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मैसर्स लोखंदवाला ड्वेलपमेंट कारपोरेशन (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद इकबाल मोहम्मद हुसैन (अन्तरिती)
- (3) श्री मोहम्मद इकबाल मोहम्मद हुसैन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, तल माला, मनस्वेष्ट, प्लॉट नं० 353, चार बंगला, ओसीवारा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई० 3/846/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख :—15-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए.आर. 3/37ईई/950/82-83—अतः मुझे,

विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, पहला मंजला, बरसवा
क्रास रोड, आफ. 4 बंगलो रोड, अंधेरी (प) बम्बई
400058 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृहीत है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, धर्मात् ६—

(1) मैसर्स नेशनल इटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

(2) श्री ऑगस्टीयन गोम्स, श्रीमति अल्पना गोम्स
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105, 1ला मंजला, बरसवा क्रास रोड,
आफ. 4 बंगलो रोड, अंधेरी (प) बम्बई 400058
अनुसूचित जैसाकि क्र० सं० आई 3/854/82-83 और
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983
को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख :—14-11-1983

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई-3/37ईई/810/82-83—यतः मुझे,
विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14, तल माला, सनी साइड, प्लॉट नं० 355 चार बंगला, ओशीवरा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58, है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 14-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाया जाइए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) लोखंडवाला डेवेलपमेंट कार्पोरेशन (अन्तरक)
- (2) श्रीमति एम० वाई० सकरवाला और श्री वाई० ए० सकरवाला (अन्तरिती)
- (3) श्रीमति एम० वाई० सकरवाला और श्री वाई० ए० सकरवाला (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14, तल माला, सनी साइड बिल्डिंग, प्लॉट नं० 355, चार बंगला, ओशीवरा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/849/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1983 को रजिस्टर किया गया है ।

विजय रंजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, बम्बई

तारीख :—14-11-1983

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री चन्द्रशेखर श्रीधर चारतकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महादेव नारायण घाड़ी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 83

निर्देश सं० ए.आर.-3/37ईई/870/82-83—यतः मुझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० तल माना, मदगुरु खड़े कर बाबा श्रमिक कोआ, हाउसिंग सोसायटी लि०, साई टेकरी के ओर, भाण्डूप, बम्बई-78 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 10-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल माना, मदगुरु खड़े कर बाबा श्रमिक कोआ०, हाउसिंग सोसायटी लि०, साई टेकरी के ओर, टैम्बी पावा रोड, भाण्डूप, बम्बई-78 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि क्र० स० अई-3/746/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

ए० लाहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख :—14-11-1983

मोहर :

प्रश्न नम्बर: टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए आर-3/37ईई/713/82-83—यतः मुझे,

विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तल माला, विलेज अम्बोली ओर
आफ सीसर रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 है तथा
जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालयों में रजिस्ट्री है।) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

7-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) वस्तु शिल्पा कोआ. हाउसिंग सोसायटी लि०,
(अन्तरक)

(2) आर० बी० कानविडे
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट तल माला, अम्बोली विलेज और, आफ सीसर
रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित। अनुसूची
जैसाकि क्र० सं० आई-3/281/82-83 और जो सक्षम
प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1983 को रजिस्टर
किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख :—14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) नेशनल इंटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शरिफ मोहम्मद

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए.आर-3/37ईई/944/82-83—यन : मुझे.

विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 1ला मजला, वरसवा विलेज, अंधेरी (प) बम्बई 400058 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, 3रा मजला, जूपीटर-3, वरसवा क्रास रोड, आफ : 4 बगानो रोड, अंधेरी (प), बम्बई 400058. अनुसूचित जैमाकि क्र० सं० आई 3/853/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख --15-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० एआर-3/37 ईई०/765/82-83—यतः सुमे,

ए० लाहोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, तल माना, मीरा श्याम, गौ शाला रोड, है तथा जो मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुपची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिस न करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-376GI-83

(1) श्रीमती नवलबेन वी० नागडा और
श्री विशन टी० नागडा।

(अन्तरक)

(2) श्री पोनोडा माधवन विजयन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, तल माना, मीरा श्याम, गौ शाला रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/808/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आर्ट टी एन. एस. - - - - -

(1) श्री सदानन्द सेन और दूसरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री असय पद सानरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1352/ए सी० ब्यू आर०-3/83-84-यतः मुझे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है तथा भो नवीन कृष्णा घोसाल रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

74, नवीन कृष्णा घोसाल रोड, कलकत्ता।

3 के० 6 छ० जमिना।

दलील सं० 2350।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख . 14-11-1983

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री अजित कुमार बोस और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री दार्स एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1353/एक्सी० आर०-3/83-84—अतः मुझे,
एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

58-ए, पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता।

9.73 कणे जमीन के साथ मकान।

(1/6 शेयर)।

एस० के० चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख . 14-11-1983

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अमिता बासु और दूसरे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० दार्स एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1354/एचवी० आर०-3/83-84—अतः मुझे,
एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पथ पुकुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
तारीख 16 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रामाणिक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रसार 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

58-ए, पथ पुकुर रोड कलकत्ता ।

9.73 कर्ग जमीन के साथ मकान ।

(1/6 शेयर) ।

एस० के० चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती शांतिलता चौधरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० दार्स एंड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1355/एक्वी० आर०-3/83-84—अतः

मुझे, एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

58-ए, पद्म पुरुर रोड कलकत्ता ।

9.73 कणे जमीन के साथ मकान ।

(1/6 शेयर) ।

एस० के० चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री गौरी बोंस ।

(अन्तरक)

(2) मै० हर्ष एण्ड को० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1356/एक्यू० आर०-II/83-84—अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पथ पुरुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

58-ए, पथ पुरुर रोड, कलकत्ता ।

9.73 कणे जमीन के साथ मकान ।

(1/6 शेयर) ।

ए० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री स्नेह वासु ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) में० हर्ष एण्ड का० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1357/एक्वी० आर०-III/83-84-अतः
मुझे, एस० के० चौधुरी,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

58-ए, पद्म पुरुर रोड; कलकत्ता ।
9.73 कणे जमीन के साथ मकान ।
(1/6 शेयर) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, रिपान में
सुविधा के लिए;

एस० के० चौधुरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 14-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती माया घोष ।

(अन्तरक)

(2) मै० हर्ष एण्ड को० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1358/एक्सी० आर०-III/83-84—अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्गीकृत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

58-ए, पद्म पुरुर रोड, कलकत्ता ।

9.73 कणे जमीन के साथ मकान ।

(1/6 शेयर) ।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

- (1) दिल्ली रजिस्टर्ड स्टॉक होल्डर्स
(आयरन एण्ड स्टील)
एम्प्लोयिगणन लिमिटेड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- (2) श्रीमती प्रतिमा सरकार।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1348/एचवी० आर०- /83-84—अतः मुझे,

एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-ए, प्लॉट नं० 22 है तथा जो वालिंगंज
सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्त में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—376 GI83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राह्यताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 22, फर्स्ट फ्लोर।

1-ए, वालिंगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता।

दलील सं० 2069

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 9-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

(1) श्रीमती लालो पुरी और दूसरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मद्रास परिवहन प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1349/एक्वी० आर०-III/83-84—अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 सी, प्लॉट सं० ई है तथा जो वालीगंज
सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

प्लॉट सं० ई, ग्राउण्ड फ्लोर।

ब्लॉक ए।

1/सी, वालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता।

दलील सं० 3253।

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) विरेन्द्र चन्द्र चक्रवर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजय कुमार सादा और दूसरे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1983

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 1350/एम्पी० आर०-3/83-84—अतः मुझे,
मुझे, एस० के० चौधुरीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,और जिसकी सं० है तथा जो मौजा वासवोनी, स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1 मार्च, 1983(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगेको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/यामौजा वासवोनी ।
पी० एम० रिजेंट पार्क ।
9 कणे जमीन ।
दलील सं० 1354 ।(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;पी० के० चौधुरी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, कलकत्ताअतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसार
है, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपभाग (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख 10 11 1983
मोहर

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1351/एक्वी० आर०-III/83-84--अतः युझे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 है तथा जो झील रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय, ब्रिटिश मे रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री आबू आयुस फाइजार रहमान
और दूसरे ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमलेन्द्र वत्त ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

33, झील रोड, कलकत्ता ।

2 कणे जमीन के साथ मकान ।

(1/2 शेयर) ।

एम० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मिनेग भरियाना जाफ होमन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० टी० आर० 77/83-84/एम० एल० 801/
आई० ए० सी० एक्सी० आर०-1/कलकत्ता—अतः मुझे, एस०
के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लक्ष्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मैं० राईच, ए० जी० कार्पेट्स
प्राइवेट लिमिटेड ।
एण्ड अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति जो 19 मार्च, 1983 तारीख में डीड नं०
2803 अनुसार एस० आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में
रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

माहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) मिग जुबोईदा बाई एण्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निवेश सं० टी० आर० नं० 78/83-84/एस० एल०/
802/आई० ए० सी० एक्वी० आर०-I/कलकत्ता---अतः मुझे,
एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है), और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मै० राईच रा० नि० कार्पेटस
प्रा० लि० एण्ड अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 नं० रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति जो 19
मार्च, 1983 तारीख में एम० आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर
में डीड नं० 2804 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधरी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० टी० आर० 76/83-84/एस० एल० 803/
आई० ए० सी० एक्वी० आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अभिव्यक्ति में कमी करने का उसमें बचने में मूल्यांकन
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जफर हुसैन
आबिद अली।

(अन्तरक)

(2) राईच रा० जि० कार्पेटस
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति जो डीड नं०
2802 अनुसार एस० आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में
तारीख 19 मार्च, 1983 में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर .

प्ररूप धार्ई० टी० एन० ए०—

(1) श्री महम्मूदन बकरी।

(अन्तरक)

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) राईच, रा० जि० कापेट्स
प्राइवेट लि० एण्ड अदर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० टी० आर० 75/83-84/एस० एल० 804/
आई० ए० सी० ए०वी० आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो एक नं० रिपन स्ट्रीट में अवस्थित है और
और डीड नं० 2801 अनुसार आर० एल० कलकत्ता
के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश स० टी० आर० 65/83-84/एम० एल० 805/
आई० ए० सी० एक्सी० आर०-1/कलकत्ता—अतः मुझे,
एम० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर मालि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी स० 52/3 है तथा बिपिन बिहारी गांगुली
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 के 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी और या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में,
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में
हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4—
16—376GI/83

(1) श्री दुर्गा दाम कुचे ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवर्तक ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

52/3, बिपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित
7 कट्ठा 8 छटाक 17 वर्ग फीट जमीन पर तीन तहला
मकान जो 21 मार्च, 1983 तारीख में डीड न० 2831
अनुसार रजिस्ट्रार, आफ एमुरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ
है ।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 63/83-84/एम० एल० 806/

आई० ए० सी० /एक्वी० आर०-1/कलकत्ता—अनः मुझे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 267 है तथा जो विपिन बिहारी गांगुली
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यलय में कमी करने या वससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री तारक नाथ धर
एन्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस अमिता मिश्रिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यक करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

267, विपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित
सम्पत्ति जो डीड नं० 2912 अनुसार आर० ए० कलकत्ता,
के दफ्तर में 22-3-83 को रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 67/83-84/ए० एन० 807/
आई० ए० सी०/एक्सी० आर०-I/कलकत्ता—अतः सूत्रे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०
ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० पुर्वासा निर्माण उद्योग
प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा देवी कजारिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 नं० लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित प्लॉट नं० 4ए,
(बी० पञ्चर में) का अधिभूत 1/2 हिस्सा जो 31 मार्च,
1983 तारीख डीड नं० 3332 अनुसार एस० आर० ए०,
कलकत्ता में रजिस्टर्ड हुआ है ।

एस० के० चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्रकृ. आर्. टी. एन. एस.-----

- (1) पुर्वासा निर्माण उद्योग
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) श्रीमती विमला देवी काजारिया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० नं० 68/83-84/एस० एल० 808/

अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 3 है तथा जो साउथन स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है चौथा फ्लोर में
प्लॉट नं० 4-ए जिसका अविभक्त 1/2 हिस्सा जो डीड नं०
3333 अनुसार 31 मार्च, 1983 में आर० एस० ए०,
कलकत्ता में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री ए० एल० चौधरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै० यूनिवर्सल हेवी मेकेनिकल लिमिटेड
इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तरिती))

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 66/83-84/एम० एन० 809/
आई ए० सी०/ए०वी० आर०-1/कलकत्ता-अन मुझे,
एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 73 ए और 73 बी है तथा जो थिएटर
रोड, कलकत्ता में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्टर अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड न० 2833 अनुसार 21 मार्च, 1983
तारीख में आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख 11-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० टी० आर० 74/83-84/एस० एन०-810 कल०/
ए० सी० क्यू० आर-1/आई० ए० सी०-अतः भुक्ते, एस० के० चौधुरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 96 बी है तथा जो दिलखुसा स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बादिल में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती अनवर बीबी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा जैन पतिभाग चोगरिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए
नियंत्रणियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय
गया है ।

अनुसूची

96 बी दिलखुसा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित है 3 कट्टा
जमीन और स्केयर जो 21 मार्च, 1983 तारीख में एस०
आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में डीड न० 2830 अनुसार
रजिस्ट्री हुआ है ।

एम० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आर्द् टी. एन. एस. -----

(1) श्री मुनेन्द्र नाथ कुन्डू एण्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गनेश चन्द्र राय ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 84/83-84/एस० एल० 811/
आर्द् ए० सी०/ए०सी० वयू० आर०-I/कलकत्ता-अतः मुझे,
एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 जी है तथा जो लोक नाथ बोस गार्डन,
लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एस० आर० सियालदह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मार्च,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4 जी लोक नाथ बोस गार्डन लेन, कलकत्ता में अवस्थित
2 कट्टा 7 छटाक 27 वर्ग फीट जमीन जो डीड नं० 48
अनुसार एस० आर० सियालदह में 2 मार्च, 1983 तारीख
में रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस.-----

(1) श्री शेख मुहम्मद ओमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शेख मोहम्मद।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 50/83-84/एस० एल० 812/
आई० ए० सी०/ए० सी० ब्यू० आर०-1/कलकत्ता—अनः मुझे,
एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो नवाब मिराजुल इस्लाम लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9 नवाब मिराजुल इस्लाम लेन, कलकत्ता में अवस्थित
7 कट्ठा 6 छटांक 34 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक एक
तल्ला और आंशिक दो तल्ला मकान, जो 9 मार्च, 1983
तारीख में सब रजिस्ट्रार, आफ एमुरेम के दफ्तर में डीडी नं०
2326 अनुसार रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० सी० 65/एफवी० आर०-IV/कलकत्ता/

83-84—अतः मुझे, शंकर के० बनार्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 220/ए है तथा जो नत्करपाड़ा रोड, हावड़ा
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, रूपात्त :—
17-376GI/83

(1) श्री कन्हैया लाल रत्नया,
श्री जुगल किशोर शर्मा,
श्री मूरज भल मातोलिया ।

(अन्तर्गक)

(2) इतिभासनि मेसिन लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—68 कट्टा 8 छटाक 19 स्को० फीट जमीन के
साथ मकान ।

पता—प्लॉट न० 1, 2, 12, 220—ए, नत्करपाड़ा रोड,
थाना मालिपाचधड़ा, जिला हावड़ा ।

दलील सं०—1983 का 1770 ।

शंकर के० बनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन गृहना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० सी० 66/एक्वी० आर०-IV लकत्ता/
83-85—अतः मुझ, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 220-ए है तथा जो नस्करपाड़ा रोड, हावड़ा
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप में स्थित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कन्हैया लाल रत्न्या,
श्री जुगल किशोर शर्मा,
श्री सुरज मन मानोनिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० क्षुनक्षुनवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन—32 कट्ठा 9 छटाक 27 स्के० फीट के साथ
मकान ।

पता—प्लॉट सं० 8, 220-ए, नस्करपाड़ा रोड, थाना
मालिपांखड़ा, जिला हावड़ा ।

दलील सं०—1983 का 1772 :

शंकर के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

साह्वर :

प्रकृप आई.टी.एन्.एच्., -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकता

कलकता, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निवेश सं० ए० सो० 68/एफवो० आर०-IV/कलकता
83-85-अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19/4 है तथा जो शरत चन्द्र धर रोड,
थाना बड़ा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकता से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संधिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
संधिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री धन प्रियम साहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन साहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन--2 कट्टा 9 छटाक 40 स्कं० फीट जमीन के साथ
मकान ।

पता--19/4, शरत चन्द्र धर रोड, मौजा नवायपाड़ा,
थाना बड़ा नगर, जिला 24-परगना ।

दलील सं०--1983 का 2160 ।

शंकर के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकता

तारीख : 15-11-1983

गोहर

नकल, जाह. टी. एन. एच. -----

(1) भी पी० एम० यूसुफ ।

(अन्तरक)

(2) डा० सी० एम० राधा कृष्ण ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कोच्चीन

कोच्चीन, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश स० एल० सी० 671/83-84—अत मुझ,
पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो तलशेरी में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारों के कार्यालय, तलशेरी से रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
न्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, तलशेरी के दस्तावेज स० 461/83
में संलग्न अनुसूची के अनुसार तलशेरी म्युनिसिपल में सर्वे
आर० एस० नं० 9, वार्ड 17, ब्लॉक 1 में 10 सेंट
भूमि ।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एनाकुलम

तारीख : 9-11-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री मति तोमरश्रीर शौशम्भा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० वी० इट्टी ।

(अन्तरिी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

अर्जन रज, एनकुलम

कोचीन, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 672/83-84—अतः मुझे,

पी० जे० तोमरकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो बाधूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांपाडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 27 मार्च,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

उप रजिस्ट्री कार्यालय, पांपाडी के दस्तावेज सं० 792/
बाधूर 83, में संलग्न अनुसूची के अनुसार विलेज में सर्वे
सं० 38-1ए-7/3/182 में 29 1/2 सेन्ट भूमि और एक
अपूर्ण भूकान ।

पी० जे० तोमरकुट्टी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एनकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:—

तारीख : 9-11-1983

मोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

(2) श्रीमती कौशल्या ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबूबेकर और तीन अदर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एनाकुलम

एनाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 663/83-84—अतः मुझे,
पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडि में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडि, तारीख 28 मार्च,
1983 के दस्तावेज सं० 329/83 के अनुसार
गुरुवायूर टाऊनशिप में संख्या 104/1 और 104/3 में
53.50 नेट भूमि के साथ 'डबल स्टोरीज बोर्डिंग एण्ड
लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग) ।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एनाकुलम

तारीख : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० सी० प्रकाश ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबूनेकर एण्ड चौदह अदर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एनकुलम

एनकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० 664/83-84--अन: मुझे,

पी० जे० तोसमकुट्टी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है रक्ता जो गुरुवायूर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के विषय एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त प्रमति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के वस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरीज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग) ।

पी० जे० तोसमकुट्टी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एनकुलम

तारीख : 7-11-1983
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

(1) श्री के० सी० वासुदेव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० अश्वमेकर एण्ड
चौदह अदम ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एनाकुलम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

एनाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० 665/83-83—अत. मुझे,
पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है तथा जो गुरुवापूर में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, कोट्टप्पडी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व
में कमी करने या उससे अर्जने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च, 1983
के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवापूर टाउनशिप
में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेंट भूमि के साथ
'डबल स्टोरिज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8
भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एनाकुलम

तारीख : 7-11-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० सी० शशिधर ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) श्री के० अबूबेकर और
चौधुरी अदर्स ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

एर्नाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० 666/83-84—अतः मुझे,

पी० जे० तोमसकुट्टी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—376 GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उपरजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च,
1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर
टाऊनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेंट
भूमि के साथ 'डबल स्टोरीड बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान
(इसमें 1/8 भाग) ।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

तारीख : 7-11-1983

माहुर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एनाकुलम

(1) श्री के० सी० विनयराघव ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबूबेकर और
चौदह अवर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

एनाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० नं० 667/83-84—अतः मुझे,
पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से कार्यालय, कोट्टप्पडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन,
तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित हूँ—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उक्त रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च,
1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर
टाऊनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेंट
भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज बॉर्डिंग एण्ड लोडज' भकान
(इसमें 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एनाकुलम

तारीख : 7-11-1983

मोहर :

प्रत्यक्ष न्याय, टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० सी० सुनिल ।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० अबूबेकर और
शौदह अदर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एर्नाकुलम

एर्नाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० 668/83-84—अत मुझे,
पी० जे० तोमसकुट्टी

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) 'रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, कोट्टपण्डी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टपण्डी, तारीख 30 मार्च,
1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर
टाऊनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट
भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान
(इसमें 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एर्नाकुलम

दिनांक 7-11-83
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० सी० अनिल कुमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० अबूबेकर और
चौदह अवर्स।

से (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एनकुलम

एनकुलम, विनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० नं० 669/83-84—यतः मुझे,
पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो गुरुवायूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उपरजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च,
1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर
टाउनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट
भूमि के साथ 'डबल स्टोरीज बोर्डिंग एण्ड लोड्स' मकान
(इसमें 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एनकुलम

तारीख : 7-11-1983

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एनकुलम

एनकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० 670/83-84—यतः सुझे, पी० जे०

तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० सी० प्यारेलाल के लिए
श्री के० एस० चात्तुणि ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबूबेकर एण्ड
चौदह अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाउनशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज एण्ड बोर्डिंग लोडज' मकान (इतमें 1/8 भाग) ।

पी० जे० तोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एनकुलम

तारीख : 7-11-1983
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी०/307/83-84—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 35 है तथा जो चीमलापल्ली,
वैशाख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैशाख
में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० अप्पाला नायडू,
पिता श्री तासय्या,
कोता जामोपुरम,
वैशाख-16 ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेंकटेश्वरा को-आपरेटिव हाऊस
बिल्डिंग सोसाइटी,
आक्कय्या पालम,
वैशाख-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बजर भूमि, विस्तीर्ण 0.97 एकड़, चीमालापल्ली, वैशाख
एस० नं० 35, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2997/83, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, वैशाख ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 308/83-84—अतः
मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-1-16 सीसी है तथा जो वैज्ञाग में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञाग में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पैरामाउण्ट कन्स्ट्रक्शन,
घर नं० 11-2-16,
वैज्ञाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णा मोहन,
तेलगांवां पेपर मिल्स,
माहा रानी पेटा,
वैज्ञाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 16-1-16 सी०सी० वैज्ञाग, विस्तीर्ण 1100 चौ०
फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2821/83, रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी, वैज्ञाग ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-11-1983
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 309/83-84-अतः, मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-3-9 है तथा जो वैज्ञानिक में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञानिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पत्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रघी सोमराजू
पिता सेट श्री चिला अप्पाराव,
वैज्ञानिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० शांति कृष्णा
केयर आफ :
श्री लीला माहिल,
डाबा गार्डन्स,
वैज्ञानिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हमार त घर नं० 3-3-9, वैज्ञानिक, विस्तीर्ण 634 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत भिलेख नं० 2437/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैज्ञानिक ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 310/83-84—अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 77/10 है तथा जो वेपागुंटा, वैसाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैसाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य शर्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—376G/1983

(1) श्री ऊनक्ष्मीपति राजू
पिता श्री कृष्णम राजू गजपतीनगरम
विजयानगरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० चीना आपाराव,
दि गोपाल नाथन को० आपरेटिव
बिल्डिंग सोसाइटी,
ओपालपटनम,
वैसाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 1.50 एकड़, वेपागुंटा, एम० न० 77/
10 वैसाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2280 2279/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैसाग ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 7-11-1983

साह्वर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 311/83-84—, यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 54/260 है, जो राजूपालम आनकापल्ली, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनकापल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सृजिभा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री बी० एस० मुर्ती राजू, श्री के० सूर्यागोपालराजू, निडमवाड़ी, आनकापल्ली, वैशाख ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० ह्री० कृष्णा प्रसाद पिता साम्बशवराव मैनेजिंग पार्टनर, मेसर्स, मेकफेमस्, वैशाख ।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 7-42, राजूपालम, एस० नं० 54/2, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 786, 787/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाख ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 7-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सी० एच० साम्बशिवराव और अन्य, पोन्नूर,
गुंटूर जिला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री जी० साम्बीरेड्डी पिता पीची रेड्डी, कोयारेड्डीपालम,
तेनाली तालूक, गुंटूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी इतरती जानता
है कि वह सम्पत्ति में हित है)

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 312/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 444/1, है, जो कोयारेड्डी पालम गुंटूर स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्नै में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 4/56, राइस मील और घर नं० 444/1, विस्तीर्ण
1.50 सेंटेस् कोयारेड्डीपालम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 373/
83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चेन्नै में।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 313/83-84—अत. सुसे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27-5-15, है, जो गुंटूर स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रौंग पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. स्थिति में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० ल्ही० सुब्बाराव, चेरवा विलेज, बापटला,
2. डा० पी० नन्दकुमार, चेरवा बापटला, तालूक
(अन्तरक)

(2) श्री एम० राजेन्द्र प्रसाद पिता नागेश्वर राव
27-5-15, कन्नावारी थोटा, गुंटूर ।
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 27-5-15, कन्नावारी थोटा, गुंटूर, दूसरा मजला,
इमारत, विस्तीर्ण 101 1/3, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
2291/5338/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक . 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 314/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 608/1, है, जो तेनाली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक मार्च, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तु:—

(1) श्री जी० रामनय्या पिता सी० एच० बेंकैया,
जी० एस० विराभद्राराव, पेनापाटू पो० श्री० तेनाली
तालूक, जिला—गुटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० शंकर राव पिता पेठुळय्या,
तेनाली।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० सी० सी० दाबा, तेनाली, टी० एस० नं० 608/1,
विस्तीर्ण 363-2/3, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत क्लेख नं० 659/
83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहर

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निवेश सं० 315/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 131/2, है, जो गोरंटला और बेगीगंडला गुंटूर स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक : मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० नारायण और अन्य रेड्डीपालम, गुंटूर।
(अन्तरक)

(2) वि० गुंटूर को०—आपरेटिव हाउस कंस्ट्रक्शन सोसायटी, गुंटूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, गोरंटला और बेगीगंडला, एस० नं० 131/2, 30/2, 38—एन० 31, विस्तीर्ण 1-12 एकड़, 5.54 एकड़, 5.54 एकड़, 4-12 एकड़, 4.1-48 एकड़, 1-26 एकड़, 0-54 एकड़, 1 एकड़, 0.50 एकड़, 0.55 एकड़, 1.90 एकड़, 0.95 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 1995, 1994, 1916, 1915, 1991, 1886, 1885, 1859, 1658, 1594, 1575 और 1993/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. ----

- (1) श्री के० रमेशबाबू पिता शिगड्या,
नलाकुंटा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री के० श्रीहारी बाबू और अन्य पिता तीरपतीरायडु।
कालापार, चीलाकालरीपेटा तालूक, गुंटूर जिला
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 316/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 275/ए०, है, जो पालकोलर गुंटूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 0.23 एकड़, एस० नं० 275/ए०, पाला-
कलूरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1609/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों में अर्जन

दिनांक : 7-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 317/83-84—यन मुन्ने, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 216/1 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और न्यूनरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० गुरुवैया और अन्य रामजाकूटनम,
गुंटूर।

(अन्तरक)

(3) श्रीमती एस० धनलक्ष्मी पनि सुब्बाराव,
पट्टाभीपूरम, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1.67 एकड़, घनर नं० 216/1, गुंटूर,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2425/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
गुंटूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 318/83-84--यन: मुझे एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 496 है, जो, जो गोरंटला, गुंटूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

- इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रसारित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाता चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—376 GI/83

- (1) श्री एस० बेंकटस्वामी पिता नरसाय्या,
गोरंटला, गुंटूर जिला और तालूका।
(अन्तरक)
(2) श्री सी० एच० रावय्या पिता चीना रामय्या,
गोरंटला गांव, गुंटूर तालूक और जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और चर्चों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 5.54 एकड़, एस० नं० 496, गोरंटला,
रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 2175/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
गुंटूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० 319/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसका सं० 16/3ई०, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,
1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुखर्जी पति लेट महमद कासीम साहीब
भवानीपुरम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) जी० आपाराव, दि० विजयवाड़ा
आइरन ओर हाईवेयर मचैन्टस, कमरसीयल
काम्प्लेक्स, वेल्फर सोसायटी, स्टील प्लेस, समारागमचौक
मेन बाजार,, विजयवाड़ा—520 001 ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 0.50 एकड़ आर० एम० नं० 16/3ई०,
विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2266/83, रजिस्ट्रार
अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : ०7-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश नं० 32/83-84—यत मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 75 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापथा क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० कृष्णा कुमारी पति के० जेगवेश्वरा चौधरी
घर नं० 5-127, पाटामाटा, विजयवाड़ा -6
(अन्तरक)

(2) श्री एन० टी० रामानुजामुत्ता पिता लेट एन० लक्ष्मी-
नरसिम्हम् नं० 37/स्टेट बैंक आफिसरर्स कालनो,
बंक्ले सरकल, विजयवाड़ा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 500 चौ० गज, नं० 75, विजयवाड़ा, रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2367/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 7-11-83

मोहर :

अध्यक्ष, आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 321/83-84—यतः मुक्त, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० टी० एस० 89 है, जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 156) के
अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाइ ल्ही० एन० बि० कूटुंब राव और पुत्र, मेडूर
ऊयूर तालुक, कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रविन्द्रनाथ पिता नागभूशनम
ब्राह्मीमीन स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति र)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
र कि वह सम्पत्ति में तिवद्ध य)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 396 चौ० गज, एन० टी० एस०
नं० 89, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2432/83, 2404/
83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहर :

प्रकाशित: टी. एन. एस. -----

(1) श्री जी० रामाराव पिता सुब्रमण्यम, वस्त्रलता,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 322/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-13-420 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० ल्ही० साम्बशिवराव पिता आंजनेयूलू,
पोटीस्वामी स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही शब्द होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० टी० इमारत, डी० नं० 11-13-420, विस्तीर्ण 46 बी० गज विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2414/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० गगन्या इटीसी, लन्बीपेटा, विजयवाड़ा-10
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना(2) श्री बि० मधुसूदन रेड्डी, बेंकटेश्वरापुरम,
विजयवाड़ा-10

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 323/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 455 है, जो विजयवाड़ा स्थित में है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय 'रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,
1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

खुली जमीन, एस० टी० एस०, 455, विस्तीर्ण 599-96
चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2406/83, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-11-1983

मोहर :

प्रकृष जाह टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 324/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29-11-33, है, जो विजयवाड़ा स्थित में है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,
1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री जी० ह्री० रमनन्ना पति श्री ह्री० रामकृष्णाराव
गोपराजू मंचन्द्राराव रोड, सूर्यारावपेट,
विजयवाड़ा—2 ।

(अन्तरण)

(2) श्री ए० एम० रमन श्रीर सार्वज्ञी, दासरागारी स्ट्रीट,
सूर्यारावपेट, विजयवाड़ा-2

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तबकी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ऊपर का मजिल वाली हमारत टी० नं० 29-11-33
विस्तीर्ण 465 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2434/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1983
मोहर :

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 325/83-84—यस: मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-416, है, जो गुनदला विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किन्हीं आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० रामराव पिता वेंकटेश्वर राव,
गुदूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० तीरुमलाराव पिता सूर्यप्रकाशराव,
टेक्नीकलनगर, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रुतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत नं० 11-416, विस्तीर्ण 311 बीग ज० रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 1801/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई टी.एन. ३३३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 326/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23/117, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में अधिन नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
21—376GI/83

(1) श्री एम० ए० द्वी० एम० कृष्णराव पिता श्री
रामसुन्दरा राव,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० धनलक्ष्मी पति चलपतीराव,
गुंटूरवारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहीं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दमसात, डीड० नं० 23/117, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 218
चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विमूख नं० 1924/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-83
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 327/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 454 और 455 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 8—

(1) श्री के० वेकटेश्वर राव और अन्य सोमावरपूपाड़ा,
भीमडोले, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री वाइ० पुस्यार्लिंगम पिता लेट विरन्ता, केयर
ऑफ मेमर्स श्री विद्यानाथा वस्त्रालयम, मेन रोड,
विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 782 चौ० गज, एस० बि० एस० नं० 454
और 455, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 2287/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन
सहाय अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-83
मोहूड ४

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सठ० 328/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० न० 483 है तथा जो न्यूझ विड, कृष्णा
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यूझ विड,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज मेका किशोर आपाराव पिता रामचन्द्र आपाराव
चीलकोटी गार्डनस्, बेगमपेटा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० आनूसुयादेवी पति लक्ष्मीनारायण,
वाटरडुंक रोड, खम्मम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृत

भूमि विस्तीर्ण 30 एकड़, आर० एस० न० 483, न्यूझ विड,
कृष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 612/83, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी ब्रयू झीरीवा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० 329/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पडमाटा गांव, विजयवाड़ा है स्थित
(और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० वेंकटा लक्ष्मी पिता श्री हानूमंतकुमार
पडपाटा विजयवाड़ा ।
(अन्तरक)

(2) रामकुमार को०—आपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी,
प्रेसीडेंट, श्री बि० रंगय्या, पिता सुब्बया,
विजयवाड़ा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 0.50 एकड़, पडमाटागांव, विजयवाड़ा,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2258/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 330/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 85 है, जो कोरुमामीडी गांव, वेस्ट गोदा-
वरी जिला स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निवाजा-
ओले में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) श्री पी० सत्यनारायण और अन्य पिता सुब्बारायडू,
कोरुमामीडी, वेस्टगोदावरी जिला ।
(अन्तरक)
- (2) श्री ए० ह्री० ह्री० सत्यनारायण पिता बूली आम्बाइ,
पीडीपारु, तनूकू तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी ।
(अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अवोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि विस्तीर्ण 336 चौ० गज और 336 चौ० गज कोरु-
मामीडी गांव, वेस्ट गोदावरी, जिला—रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं०
672 और 673/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निवाजाओले ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 3-11-1983

मोहर :]

प्ररूप जारी टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 331/83-84—यतः मूख्य, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 99 है, जो चीलकालरी पेडा चील-
कालरीपेडा, म्यूसिपलटी स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चिल-कालरीपेडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूख्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए, और/या

(1) श्री के० लक्ष्मय्या और अन्य पिता वेंकटाबापय्या,
बिजीनेस, चीलकालरीपेडा (पो० ओ०)
जिला—गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री इ० एम० जी० डेविड पिता ग्रिगियल डायरेक्टर,
ए० एम० जी० इंडिया इन्टरनेशनल, चीलकालरीपेडा,
जिला—गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बंजर भूमि, विस्तीर्ण 5.50 एकड़, और 26.620 चौ०
गज, 5थ ब्लॉक एम० नं० 99 चीलकालरी पेडा म्यूसिपलटी
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 280/83, 294, 293, 278, 300
299, 296/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीलकालरीपेडा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-11-1983
मोहुर

प्रारूप आई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 332/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 679 है, जो माधवपुरम गांव कडकूर
तालुक प्रकाशम जिला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कडकूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रावि चीला कोंडय्या और अन्य 3, पिता रामय्या
कटुकूर टाउन, जिला—प्रकाशम ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटसुब्बय्या पिता सुब्बय्या, प्रेसीडेंट,
दि० केंडुकूर नान गजेटेड गवर्नमेंट आफिसर्स को०—
आपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लि० कंडुकूर,
जिला—प्रकाशम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, एस० नं० 679, माधवपुरम, गांव कडकूर तालुक,
जिला प्रकाशम विस्तीर्ण 4 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 121,
122 और 123/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कडकूर ।

एम० जगन मोहन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 617/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो तिलक रोड, हैदराबाद स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किर्मा धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कियत जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पति मदनलाल आगरवाल
4-1-10/बि०/9/1, तिलक रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशनजी साद और अन्य दो,
4-1-10/बि०/9/1, तिलक रोड,
हैदराबाद । य

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट घर नं० 4-1-10/बि०/9/1, तिलक रोड, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 3800 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1145/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 618/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो हीमायतनगर हैदराबाद स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922.
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अब, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—376GI/83

(1) श्री एम० वेणुगोपाल राव, निवासी एम० विरा
स्वामी नायडू
3-6-736/737, हिमनागर,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जैगन मोहन राव निवासी एम० वेंकटराव,
एडवोकेट, निरमल, अदिलाबाद जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, नं० 3-6-736 से 737, हिमनागर, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 606 चौ० गज और क्षेत्रफल 2000 चौ० फुट,
रजिस्ट्रीकृत बिलेन नं० 1920/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी,
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एम.एल.-----

(1) श्रीमती अहमदुल्लिमा बेगम पति लेट फइज अहमद खान
4-1-6, रामकोट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) बालाजी भाग्यनगर को० आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी
लि० बाई श्री डी० सुरेन्द्र राव, न्यू० एम० एल० ए०
क्वाटर्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 619/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि है, जो वागलिंगमपल्ली, हैदराबाद स्थित
है (और इसमें उपानद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिखित में
सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, त्रिस्तोम 500 चौ० गज, बाग लिंगम पल्ली,
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1808/83, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 1-11-1983

मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एड.-----

(1) मेसर्स सूराना ट्रेड एण्ड फाइनाइन्स कारपोरेशन लि० सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स उदय इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 620/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो घास मण्डी, सिकन्दराबाद स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति विम्बीर्ज 1673 जौ० फुट प्लोथ एरिया 177 चौ० गज, घास मण्डी सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 133/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-11-1983

मोहुर :

नं. 15 टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 621/83 84—अत मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० खुल जमान है, जो कठेस्वर निज़ामाबाद स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निज़ामाबाद, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कांयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी कर्तृ आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बि० नरसीमूल और अन्य,
घर न० 6-19-150, गूर्बा बाड़ीस्ट्रीट,
निज़ामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नीलकण्ठमनगर को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
बाइ० एल० जगत रेड्डी, घर न० 6-8-1/1,
नमदेव बाड़ा निज़ामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2.02 एकड़, 4 कठेस्वर निज़ामाबाद
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 987, 1062 और 988/83, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी निज़ामाबाद

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक 17-11-1983
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 622/83-84—यतः मुक्त, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हाकीमपेट, आर० आर० जिला
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भान्ती
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हासीम आली खान और अन्य,
3-6-361/4, बसीरबाग, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) दि महानक्षत्री को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
लिमिटेड,
बाइ प्रेसीडेंट, ए० नरसिम्हा रेड्डी पिता पापी रेड्डी,
10-9-756, ओफड मलक पेट, हैदराबाद
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 10 एकड़, 30 गूटे, हाकीमपेट, आर०
आर० जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 758 और 759/83 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17-11-1983
मोहर :-

प्ररूप आई टी. एन. एस. - - -

(1) श्रीमती शैल कृष्णा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री उदय कुमार अग्रवाल
2. श्री जगदीश कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 428/एचवी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1 और 4 का प्लेट नं० 2 का 46/67
बटसरगंज हाउसिंग स्कीम 67, वजीर हुसन रोड,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 19-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1 और 4 का प्लेट नं० 2 का 46/67, स्थित
बटसरगंज हाउसिंग स्कीम, 67, वजीर हुसन रोड लखनऊ
पैमाइशी 1665 वर्गफिट पर निर्माण और सम्पत्ति जिसका
सम्पूर्ण विवरण सेक्डीक व फार्म 37-जो संख्या 7170 में वर्णित
है, जिसका पंजीकरण सत्र-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में
दिनांक 19-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती जैल कृष्णा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रंजना गर्ग

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती जैल कृष्णा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आर० 195/एकवी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 हिस्सा प्लॉट नं० 46/67 बटलर-गंज हाउसिंग स्कीम वजीर हुसैन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-1983,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्लॉट नं० 2 जो कि प्लॉट नं० 46/67 का हिस्सा है और उस पर निर्माण स्थित बटलर गंज स्कीम वजीर हुसैन रोड लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 7211 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19-3-1983 को किया जा चुका है :

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-11-1983

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती गैल कृष्णा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती गैल कृष्णा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० एन०-68/एक्वी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है तथा जो बटलरगंज हाउसिंग स्कीम 67, वजीर हमन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-3-1982,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक और और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 पैमाइशी 930 वर्ग फिट और उस पर निर्माण जो कि प्लॉट नं० 46/67 का हिस्सा है स्थित बटलरगंज हाउसिंग स्कीम, 67 वजीर हमन रोड लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेनडीड व ड्रॉम 37-जी संख्या 7173 में वर्णित है, जिसका रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० एम०-161/एकवी०-अतः सू०, ए० प्रमाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता आराजी वहीद नगर, है तथा जो
नजीबाबाद, जिला-बिजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बिजनौर (नजीबाबाद-जिला बिजनौर) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (i)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23-376GI/83

- (1) 1. श्री सुरेन्द्र कुमार खन्ना
2. श्री इन्द्रजीत
3. श्रीमती राजरानी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री महेन्द्र सिंह
2. श्री जीत सिंह
3. श्री बलवीर सिंह
4. श्री त्रिलोचन सिंह

(अन्तरिती)

- (3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी पैमाइसी लगभग 702 1/2 म्वायर
मीटर स्थित वहीद नगर नजीबाबाद, जिला-बिजनौर और
सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या
698 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार नजीबाबाद,
जिला-बिजनौर के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख : 10-11-1983

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० के०-122/एफबी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा अगू, परगना व तहसील सफीपुर, उन्नाव
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उन्नाव रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-
3-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्री गोवर्धन प्रसाद
2. श्री गोपाल वत्त
3. श्री शिव वत्त
4. श्री राम दत्त
5. श्री श्री दत्त

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कृष्ण वर्मा
2. श्रीमती रामप्पारी

(अन्तरिती)

- (3) विक्रेता
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 13 बीघा 5 बिस्वा और 1 बिस्वान्सी स्थित
मौजा अगू परगना व तहसील सफीपुर जिला-उन्नाव और सम्पत्ति
जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल्टीड व फार्म 37-जी० संख्या 411
में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार उन्नाव के कार्या-
लय में दिनांक 10-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या देवी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० के०-121/एक्वी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो छावनी सिविल लाईन्स
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आराजी पैमाहसी 167.806 स्क्वायर मीटर स्थित छावनी
सिविल लाईन्स मुरादाबाद और संपत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण
सेलडोड व फार्म 37-जी० संख्या 1811 में वर्णित है, जिसका
पंजीकरण स-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा
चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 1-1/एक्वी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिस पर मकान कुर्सीतल तक बना हुआ है 3, गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रकाश मूर्ति

(अन्तरक)

(2) इण्डियन पोटाश लिमिटेड (कम्पनी)

20, जापलिंग रोड, लखनऊ

प्रतिनिधि श्री सुन्दरलाल ठाकुर

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 7,469 वर्ग फिट जिस पर मकान कुर्सी तल तक बना हुआ है स्थित 3, गोखले मार्ग लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 7222 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 11-11-1983

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती हीरा देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1 श्री चुन्नी लाल
2. श्रीमती कमलादेवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिगण में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निदेश सं० सी०-38/एम्पी०-अत सुखे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है या जो मोहल्ला तबेला मुरादाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित का गढ़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववत् सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

साक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान पमाइसी 141.73 स्क्वायर मीटर
स्थित मोहल्ला तबेला, मुरादाबाद और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण
विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 1718 में वर्णित है,
जिमकापंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में किया
जा चुका है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निदेश सं० ए०-120/एक्वी०—अतः मुझ, ए० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो बटलरगंज हाउसिंग
स्कीम, 67 वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-3-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शैल कृष्णा,

(अन्तरक)

(2) 1. श्री आनन्द अग्रवाल

2. श्री अमित कुमार अग्रवाल,

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती शैल कृष्णा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 पैमाइसी 4005 वर्ग फिट और उस पर निर्माण
जो कि प्लॉट नं० 46/67 का हिस्सा है स्थित बटलरगंज हाउसिंग
स्कीम लखनऊ, 67 वजीर हसन रोड, लखनऊ और सम्पत्ति
जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी० संख्या 7175
में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय
में दिनांक 18-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक: 10-11-1983

मोहर ३

प्रश्न बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एस० 283/एवर्सा०—अतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आराजी नं० 198 है तथा जो ग्राम-मगला राकी, जिला बदायूं में स्थित है (और इसमें 'उपावृद्ध अनुसूची' में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारों के कार्यालय बदायूं में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय र गकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) 1. श्रीमती धर्मो
2. श्रीमती कलावती
3. राजेन्द्र (ताबा०)

(अन्तरक)

- (2) मेमर्ग सर्वांगीय त्रिकाम सहकारी आवास गार्मिन लि० बदायूं 22, पटियाली गराय, बदायूं । में

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) विक्रेता

- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्री अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी नं० 198, स्थित ग्राम-मगला राकी, जिला-बदायूं और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण मेमटीड व फार्म 37-जी० संख्या 4056 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार बदायूं के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम अधिकारी/निरीक्षी
सहायक आयकर आयुक्त
(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 11-11-1983

मोहुर ६

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० /एक्वी०—अतः मुझे ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिस्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० आराजी नं० 196 है तथा जो ग्राम-तगला राको,
बदायूं में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय बदायूं में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार-मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धरम

2. श्रीमती कलावती

3 राजेन्द्र (नावा०)

(अन्तरक)

(2) मेमर्स सर्वांगीय विकास सहकारी आवाग मभित्ति
लि०, बदायूं

22, पाटियाली सराय, बदायूं।

(अन्तरिती)

(3) विकेत

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी नं० 196, स्थित-तगला राको, जिला-बदायूं और
सम्पत्ति जिनका सम्पूर्ण विवरण से नटीड व फार्म 37-जी सख्या
4141 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार बदायूं के
कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक . 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती ओमवती

(अन्तरक)

(2) गांधी नगर सहकारी आवास समिति लि०

चन्दौसी, मुरादाबाद,

द्वारा प्रेसिडेंट, श्री अशोक कुमार सिंह तथा सचिव
श्री कमल कुमार

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निवेश सं० जी०-61/एक्वी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एक किता आराजी गाटा नं० 1754 है तथा जो
ग्राम असालमपुर, जारई, तहसील-बिलारी, जिला-मुरादाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दौसी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-
3-1983,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
24-376 GI/83एक किता आराजी गाटा नं० 1754 पेमाइसी 171
एकड़, स्थित ग्राम असालमपुर, जारई तहसील-बिलारी, जिला-
मुरादाबाद, और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलीड व फार्म
37-जी० संख्या 781 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार
चन्दौसी के कार्यालय में दिनांक 25-3-1983 को किया जा चुका
है।ए० प्रसाद
सक्षम अधिकारी/निराक्षर
सहायक आयकर आयुक्त
(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 14-11-1983

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० जी०-60/एक्वी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० आराजी भूमि है तथा जो मौजा छावनी
कदीम, परगना, खैराबाद, जिला—सीतापुर स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-3-1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पञ्चोपार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान दीन

(अन्तरक)

(2) श्री गुरु नानक सहकारी आवास समिति लि० सीतापुर
द्वारा /श्री गुरु चरन सिंह सचिव

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आराजी भूमिधरी न० 1002 पैमाइसी 0.39 इसमिल
और 1028/1127, पैमाइसी 0.8 इसमिल टोटल 0.47 इस-
मिल स्थित मौजा छावनी कदीम, परगना—खैराबाद जिला—सीता-
पुर और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलटी व फार्म 37-
जी० संख्या 895 वर्णित है, जिसका पंजीकरण सबरजिस्ट्रार
सीतापुर के कार्यालय में दिनांक 26-3-1983 को किया जा
चुका है।

ए० प्रसाद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकारकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० ए०-121/एक्वी०—अतः मुझे, ए० प्रसाद, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 343, 344 ए० और 344 बी० है तथा जो कंचनपुर-मटियारी, पो० चिनहट, जिला-लखनऊ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री अटल कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० एन० एण्ड कम्पनी
फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ ।

(अन्तरिती)

(3) विकेना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 0 बीघा 1 बिघदा 17 बिस्वांसी प्लाट नं० 343, 344 ए० और 344 बी० स्थित ग्राम-कंचनपुर मटियारी, पो० चिनहट, तहसील और जिला-लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलटीड व फार्म 37-जी० संख्या 108/83 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 11-11-1983
मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निवेश सं. एयू. 2/37ई. ई०/3-83/16—अत मुझे,
सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए०-61/5, है तथा जो पी० टी० करमाल रोड
इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली' स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के
अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, गैर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सन्त चरन गोयल,
निवासी— जी०-72, फेस-1, अशोक विहार,
दिल्ली-110052 ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती किरन मेहरा,
निवासी—513/8, देव लोक स्ट्रीट,
गांधी नगर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों प.
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ.
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन का आधा भाग ए०-61/5, जी०टी० करना रोड,
इण्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली, तादासी 3630 वर्गफीट, जिसका
आधा भाग हिस्सा हस्तांतरण ।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० एक् यू० 2/37ई०ई०/3-83-84—/
17—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-1/10, है तथा जो लारेंस रोड, इण्डस्ट्रियल
एरिया, दिल्ली स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्दर मोहन प्रोप० चन्दर मोहन एण्ड क०
काटेज न० 7, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मदन लाल,
निवासी—एफ०-13, अशोक विहार, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० जी०-1/10, तादावी 500 वर्गगज, ग्राम-शकरपुर,
आबादी, लारेंस रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-52

सुधीर चन्द्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-11-1983

मोहुर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ई०ई०/3-83/

18—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० 23, बी०-2/4, है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर, अधिनियम, 1961, के को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर के बोझ के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मै० अजय इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०,
इरोज सीनेमा बिल्डींग, जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा साहनी पत्नी श्री बदरी नाथ साहनी
निवासी—डी०-64, आदर्श नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वे० नं० 23, प्लॉट नं० बी०-2/4, नैनीवाला, आजादपुर,
दिल्ली, तादादी 243 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-11-83

मोहर

प्रकृष जाई. टी. एन. एत. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/21—अतः

मुझे सुधीर चन्द्रा है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए-2/1 है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए जाँच/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स आर० सी० सूद एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
इरोज मिनेमा बिल्डींग,
जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक नारायण मुषुत्र
श्री सी० एस० शर्मा,
निवासी सी-11/5,
माडल टाऊन,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेशन० 23, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लॉट नं० ए-2/1, नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया 197 वर्गफीट।

मुधीर चन्द्रा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 15-11-1983
मोहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /ए/यू/2/37ईई०/3-83/

22—अतः मुझे, सुधीर च त्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22, बी-2/4 है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अजय इन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड,
इरोज सिनेमा बिल्डींग,
जंगपुरा एक्स्टेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा मिन्हा एण्ड
श्री संजय सिन्हा सुपुत्र
श्री ए० के० सिन्हा,
निवासी 667, पहली मंजिल,
सेक्टर-6, पंचकुला,
हरियाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 22, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लॉट नं० बी-2/4,
नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया अत्यधिक 200 वर्ग
फीट ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/3-83/
23—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, ए-2/1 है तथा जो नैनीवाला बाग,
आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
25—376GI/83

(1) मैमर्स आर० सी० मूड एण्ड
कम्पनी प्राइवट लिमिटेड,
ईरोज, मिनेमा बिल्डिंग,
जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय शर्मा, श्री निरज शर्मा,
श्री सूरज शर्मा
और श्री रविश शर्मा मुपुत्र
श्री डी० आर० शर्मा,
निवासी बी-एम-4,
शालीमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस न० 24, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लॉट न० ए-2/1, नैनीवाला
बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया अत्यधिक 197, वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्रकृष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37 ईई०/3-83/
24—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20, बी2/4 है तथा जो नैनीवाला बाग,
आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निगमन पाए गए प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धातु :—

(1) मै० अजय इन्टरप्राइजेस
प्राइवेट लिमिटेड,
ईरोज मिनेमा विन्डीग,
जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा मुतनेजा पत्नी
श्रीमदन लाल मुतनेजा,
श्रीमदन लाल सुपुत्र
श्री जगननाथ मुतनेजा,
निवासी 584, डा० मुखर्जी नगर,
दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 20, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं० बी-2/4,
नैनीवाला बाग, आजादपुर, एरिया अत्यधिक 350 वर्ग
फीट।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10080—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/23 है तथा जो क्लास-डी, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम्मी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रजाजनाथ अन्तररती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गकुन्तला रानी उपल
पत्नी श्री दीनानाथ उपल,
श्री सुभाषचन्द्र उपल
और श्री रमेश चन्द्र उपल,
सुपुत्रगण श्री दीनानाथ उपल,
निवासी एल-23, प्रताप नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा० विनोद कुमार वर्मा सुपुत्र
श्री सिधू राम,
निवासी 25/23,
पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
तकवास में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 25/23, क्लास-डी, ताबादी 375.96, वर्ग
गज, स्थापित पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10083—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/7662 है तथा जो हाऊस नं० 51, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री संजय सुपुत्र
श्री ओम प्रकाश,
निवासी 51, गम नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार सुपुत्र
श्री लक्ष्मी नारायण,
निवासी बी-303,
डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अम्सुची

मकान नं० 51, म्युनिसिपल नं० 15/7662, नराम गर,
पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादादी 121.66 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

सांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10096—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2088 है तथा जो कटरा गोकर्ण शाह
बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (और 'समे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

(1) श्री बनवारी लाल,
श्री गिरधारी लाल सुपुत्रगण
श्री रामेश्वर दास,
निवासी ए-3/4,
राणा प्रताप बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम नाथ गुप्ता सुपुत्र
श्री प्रेमनाथ गुप्ता,
निवासी 4457,
नई सड़क,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2 मंजिला बिल्डिंग प्रौ० नं० 2088, कटरा गोकर्ण शाह,
बाजार सीताराम, दिल्ली, तादादी 145.17 वर्गगव ज।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/
3-83/10100—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1546 है तथा जो पटोदी हाऊस, दरियागंज,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती केमर कौर सुपुत्र
श्री एस० जवान सिंह और
श्रीमती इन्दर कौर पत्नी
श्री एस० सन्तोष सिंह,
निवासी 1546,
दरियागंज, दिल्ली

(अन्तरक)

(1) श्री भृज भुशान जैन सुपुत्र
श्री फकीरा मल,
53/44, डब्ल्यू०—ई० ए०
करौल बाग,
नई दिल्ली और
श्री रमेश चन्द्र बेरी,
सुपुत्र श्री के० एन० बेरी,
निवासी 1559,
दरियागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० 1546, पटोदी हाऊस,
दरियागंज, दिल्ली, तादादी 80 वर्ग गज।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10112—अन: ममे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-35 है तथा जो वाली नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नामिख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती तारा रानी सूरी पत्नी
स्व० श्री दामोदरदास सूरी,
निवासी बी-1/215,
पश्चिम विहार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हंसराज चावला सुपुत्र
श्री शाम दास चावला
एलियास शाम लाल चावला,
निवासी सी-35,
वाली नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं० सी-35, तादादी 150 वर्ग गज,
स्थापित—जाली नगर, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-11002

तारीख : 15-11-1983
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10124—अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीय जिसकी सं० एच 2 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चेलागम सुगुन
श्री भोला राम,
निवासी मी -47
सुवर्शन पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम परियारा सुगुन
श्री रूप चन्द,
निवासी मकान सं० टी-150,
वलजीत नगर,
नियर वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० एच -2, बाली नगर, नई दिल्ली, नजफगढ़, रोड,
नई दिल्ली, एंग्या 150 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983
मोहर :

प्रश्न नम्बर टी. एन. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10130-अनः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-3/4 है तथा जो राणा प्रताप बाग,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
बीछ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

(1) श्री राजेन्द्र कुमार,
श्री सुरेन्द्र कुमार सुपुत्रगण
श्री एम० डी० मानकतुला,
निवासी ए-3/4,
राणा प्रताप बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल,
श्री गिरधारी लाल सुपुत्रगण
श्री रामेश्वर दास अग्रवाल,
निवासी-2088, कटरा गोकलशाह,
बाजार सीता राम, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० ए-3/4, राणा प्रताप बाग, दिल्ली, एरिया-
470 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26-376GI/83

तारीख : 15-11-1983
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एग० आर०-1/
3-83/10131--अनं, मझे, सुधीर चन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० XII/8941 है तथा जो गली बराह वाली,
नया मोहल्ला, आजाद मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला देवी पत्नी

श्री सन्त राम,

श्रीमती मीरा देवी पत्नी

श्री किशन चन्द,

श्रीर श्रीमती ईश्वरी देवी पत्नियास गनेपी देवी

पत्नी श्री गेणी राम,

सभी निवासी-बी-53, फेम-1

अशोक विहार, दिल्ली-52 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र

श्री टेहलराम और

श्रीमती चन्दर देवी पत्नी

श्री निखान दाम,

निवासी-10139, लाइब्रेरी रोड,

आजाद मार्केट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० XII/8941, तादासी 148 वर्ग गज, स्थापित—
गली बराहवाली, नया मोहल्ला, आजाद मार्केट, दिल्ली ।

सुधीर चन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्रमाण आदेश, टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम० आर०-1/

3-83/10133--अतः मुझे, सुधीर चन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं०एफ० एफ०-1266 है तथा जो फेज गज, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इसदमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसदमान प्रतिफल से, ऐसे इसदमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरद्वारी लाल सुपुत्र
श्री छंगा मल जैन,
निवासी 4241,
पहाड़ी धीरज,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम प्रसाद जैन सुपुत्र
श्री काच मल जैन,
निवासी 4177, गली अहिरन,
पहाड़ी धीरज,
दिल्ली- 6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली संजिल, मकान नं० 1266, फेज गंज, दिल्ली, एरिया-
156 वगैरे गज।

सुधीर चन्दा

सहाय प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

मोहर।

प्राप्त बाई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-83/10134—अतः मुझे, सुधीर चन्दा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 845 है तथा जो तिलक गली, कश्मीरी गेट,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रह्म प्रकाश सुपुत्र
श्री हुलास राय,
निवासी-1467, गली पाटली,
दरीबा कला, दिल्ली, और
श्री विजेन्द्र कुमार सुपुत्र
श्री बनारसी दास,
निवासी-2495, छटा शाहजी,
चावडी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव शंकर गुप्ता और
श्री हरि शंकर सपुत्रगण
श्री सांवल राम,
श्री मति चमली दवी पत्नी
श्री रघुनाथ प्रसाद,
निवासी-बी-2/27, अशोक विहार-II
दिल्ली और श्रीमती शशी गुप्ता
पत्नी श्री सुरिन्दर गुप्ता,
निवासी-एच-27,
अशोक विहार-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

अविभाजित 1/2 भाग प्रापटी नं० 845 (न्यू) और 498
(पुरानी) तिलक गली, कश्मीरी गेट, दिल्ली, ताबाड़ी-160
बर्ग गज।

सुधीर चन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983
माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/2/एम० आर०-1/
3-83/10138--अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जी एफ) 25-बी है तथा जो बनारसी
वास इस्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री जगपत राय सुपुत्र
स्व० श्री लाला दीपचन्द
निवासी-25, बनारसीवास इस्टेट
तिमारपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार सुपुत्र
श्री महावीर प्रसाद,
श्री मुकेश कुमार सुपुत्र
श्री महावीर प्रसाद,
द्वारा उसके पिता एवं मही अभिभावक
श्री महावीर प्रसाद सुपुत्र
श्री जगपत राय,
निवासी-25, बनारसीवास इस्टेट,
तिमारपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं० 25-बी, (प्रौ० नं० 25
एक भाग) तादादी 228 वर्ग गज, कामनमैनज तादादी 51 वर्ग
गज, बनारसीवास इस्टेट दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983
मोहर

प्रारूप आई.टी.एम्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई.ए.सी०.एक्यू० 2एस-आर-13-83/10142--

अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40/5 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जवाहर सिंह मुपुत्र

श्री एस० सोभा सिंह,

निवासी-40/5 ईस्ट पटेल नगर,

नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा वर्मा पत्नी

श्री पी० सी० वर्मा,

श्री सतीश वर्मा मुपुत्र

श्री पी० सी० वर्मा

निवासी-202 (डी० एम्०), न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड प्रो० नं० 40/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादावी-200 वर्ग गज।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०/आर०-1/

3-83/10143--अत. मुझे सुधीर चन्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक्यू०-39, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची जे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम राज गुप्ता अटार्नी
श्रीमती विद्या वती सेखर,
निवासी क्यू-39, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी
श्री प्रेम राज गुप्ता,
निवासी-क्यू-39, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एक्यू०-39, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, तादासी-
200 वर्गगज।

सुधीर चन्ना
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारखे 15-11-1983

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कार्यालय, पुणे

पुणे, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० सी० ओ०-5/83-84/1018—यतः मुझे
गणितान्त कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० सोजे मुरादाबाद सि० एस० नं० 4-3-9
मकान है तथा जो मुरादाबाद में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुख्य निबंधक जलगांव में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 20-3-1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
में लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नथु रोधू चौधरी और अन्य
जिला पोस्ट जलगांव।

(अमरक)

(2) श्री शरद मुरलीधर चौधरी और अन्य
पोस्ट मुरादाबाद तहसील व जिला जलगांव।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोजे मुरादाबाद तहसील न जिला जलगांव सि० एस०
नं० 4-3-9 का मकान और जमीन जैसी कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख क्र० 886/83 जो तारीख 20-3-83 को मुख्य
निबंधक जलगांव के कार्यालय में लिखा है।

गणिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

तारीख: 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय, पुणे

पुणे, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/1017/83-84—यन. मुञ्जे,
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पक्षों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रूशिकेशा अपार्टमेंट सर्वे नं० 109/2A
1ए/4बी प्लॉट नं० 7, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक
नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
27—376GI/83

(1) श्री केशव माधव राव लोहोट,
कन्वेक्टर श्रम साफल्य
शिखरे वाडी,
नासिक रोड ।

(अन्तरक)

(3) श्री निवास बाबू राव पुत्रोरान,
9, गिरीनार बिल्डिंग,
दत्त मन्दिर,
नासिक रोड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

रूशिकेशा अपार्टमेंट, सर्वे नं० 109/2ए, 1 ए/4बी,
प्लॉट नं० 7, नासिक रोड ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1363 जो तारीख
30 मार्च, 1983 को दुय्यम निबन्धक, नासिक में कार्यालय
में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 11-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/1016/83-84—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीजे पार्थर्डी सर्वे नं० 275/1 ए है तथा जो
पार्थर्डी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
द्वयम निबन्धक, नामिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1 अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री भुरेण रघुनाथ काले ।
2. श्रीमती केशव बाई रं० काले,
203, महात्मा गांधी रोड,
नामिक ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नगहरी पांडुरंग नवले ।
2. श्री एकनाथ मीनागम नवले,
पार्थर्डी,
ता०/जिला नामिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ.
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सीजे पार्थर्डी सर्वे नं० 275/1 ए ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीत विलेख नं० 951 जो तारीख
1 मार्च, 1983 को द्वयम निबन्धक, नामिक के कार्यालय
में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख 11-11-1983

गोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज पुना

पुना, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 2 5/285/37 ईई/83-84—यत् मुझे,

शाशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-7, 'शिवम भव' सी० टी० एम०
नं० 2977-ए/2 और ए/3, राम बाग लेन, नं० 5, कल्याण
जिला ठाने (क्षेत्र 500 स्क्व० फीट) है तथा जो कल्याण में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयुक्त
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज पुना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
*1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स सुयश कन्सल्टिंग कं० प्रा० लि०
मैनेजिंग डायरेक्टर,
श्री जे० आर० फाटक,
'स्मृति' तिलक राड,
डोम्बीवली (ईस्ट),
जिला ठाने ।

(अन्तरक)

- (2) श्री विनायक यशवन्त गुप्त,
'गुप्तेवाड़ा', आगवले अली,
गांधी चौक,
कल्याण जिला ठाने ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् साक्षरों के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-7, शिवम भव, सी० टी० एम० नं०
2977-ए/2 और ए-3, राम बाग लेन, नं० 5, कल्याण,
जिला ठाने, क्षेत्र 500 स्क्व० फीट ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 35 ईई०/2841/मार्च,
1983 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज,
पुना के दफ्तर में लिखा है) ।

शाशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पुना

तारीख : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश नं० सी० ए० 5/37ईई०/286/83-84—यन भुझे,

शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ग अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० ए-3, 'शिव भव', सी० टी० एम० नं० 2977 ए-2 और 3, कल्याण, जिला ठाने क्षेत्र 550 स्क्व. फीट है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुम्वी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सुयश कन्स्ट्रक्शन्स
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
मैनेजिंग डायरेक्टर :
'स्मृति', निलक राड,
टोम्बीवली (ईस्ट),
ठाणे ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० धारे,
भावन रिजिडिंग,
111 रोड, कल्याण,
जिला ठाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3ए, शिवम भव, सी० टी० एम० नं० 2977,
ए-2 और ए-3, कल्याण, जिला ठाने ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2852/37 ईई०/मार्च,
1983 का सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा है ।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 11-1-1983

साहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/287/83-84-यतः.

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी 1 'शिवम भव', सी० टी० एम० नं० 2977, ए-2 और ए-3, रामबाग लेन, नं० 5, कल्याण जिला ठान, क्षेत्र 550 स्के० फीट है तथा जो कल्याण में स्थित है (आर डनमे उपायुक्त अनुमोची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स सुयश कास्ट्रक्शन्स कम्पनी प्राइवेट लि०
मैनेजिंग डायरेक्टर :
श्री जे० आर० फाटक,
'स्मृति' तिलक रोड,
डोबीवली (ईस्ट),
जिला ठाने ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुग्गनाथ प्रभाकर वैद्य,
डी-1, आई० डी० आई कालानी,
णहद, जिला ठाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्गी

फ्लैट नं० जी-1 'शिवमभव', सी० टी० एम० नं० 2977, ए-2, और ए-3, रामबाग लेन नं० 5, कल्याण, जिला ठाने ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/2858 तारीख मार्च, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

तारीख : 11-11-1983

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 28th November 1983

No. F.22/84/SCA(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Honble, the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays, during the year 1984.

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. of Days
1	2	3	4
Republic Day	26th January	Thursday	1
Maha Shivratri	29th February	Wednesday	1
Holi	16th & 17th March	Friday/ Saturday	2
Ramnavami	10th April	Tuesday	1
Mahavir Jayanti	14th April	Saturday	1
Good Friday	20th April	Friday	1
Independence Day	15th August	Wednesday	1
Janmashtami	20th August	Monday	1
Id-ul-zuha	6th September	Thursday	1
Dussehra Holidays	1st to 5th October	Monday to Friday	5
Moharram	6th October	Saturday	1
Balmiki Jayanti	9th October	Tuesday	1
Diwali	22nd to 24th October	Monday to Wednesday	3
Guru Nanak Birth-day	8th November	Thursday	1
Christmas & New Year Holidays	4th December, 1984 to 4th January 1985	Monday to Friday	12

BY ORDER

R. NARASIMHAN,
Registrar (Admn.)

forenoon of the 12th November, 1983 until further order.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th November 1983

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri N. S. Bhaduria, Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, as Assistant Director (Data Processing) in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 20th July, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. His headquarters will be at Ahmedabad.

V. P. PANDEY
Joint Registrar General, India

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th November 1983

No. 8 FC 2(25)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 16th March, 1983, Dr. Atul Sarma is allowed to continue to officiate as Economic Adviser on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1st November 1983 to 31st January 1984.

No. 8 FC 2(25)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 19th April, 1983, Shri V. B. Tulasidhar is allowed to continue to officiate as Consultant on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1st November 1983 to 31st January 1984.

T. C. NANDA
Administrative-cum-Accounts OfficerMINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 22nd November 1983

No. O.U-227/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of Rule 43(c) of CRPF Rules, 1955, Shri Hema Ram relinquished charge of the post of Dy. S.P. 28 Bn., CRPF on the forenoon of 24-6-1983.

The 24th November 1983

No. F-2/35/83-Estt.-I.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. (Mrs.) P. Kaushal Senior Medical officer, to the grade of Chief Medical officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 11th November, 1983 until further order.

The 25th November 1983

No. F-2/35/83-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. P. C. Dubey, senior Medical Officer to the grade of Chief Medical Officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from the

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER
GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 14th November 1983

No. AN/1/1401/4/III.—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officer to the Indian Defence Accounts Service (who is on deputation) to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300/-) of that Service for six months under 'Next Below Rule' with effect from the date shown against his name.

Sl. No., Name & Date from which appointed

1. Shri Govind Sahai—18th August 1983.

No. AN/1/1401/4/III.—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers to the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation) to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300) of that Service, with effect

from the date shown against each, until further orders, under the 'Next Below Rule' :—

Sl. No.	Name	Date from which appointed
1	2	3
S/Shri		
1.	Shadi Lal Verma	2-6-83
2.	V. Sampath	2-6-83
3.	H.C. Das	2-6-83
4.	Dori Lal	18-8-83

The 21st November 1983

No. AN/I/1852/5/I—On attaining the age of 58 years the following IDAS Officers have been transferred to the Pension Establishment with effect from the dates shown against each and have accordingly been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the same date.

Sl. No.	Name	Date of birth	Date of transfer to the Pension Estt./Date of struck off the strength of the Defence Accounts Department.
1	2	3	4
S/Shri			
1.	K.C. Unniraman .	28-10-1925	31-10-1983 (AN)
2.	K.S. Arunachalam	10-10-1925	31-10-1983 (AN)

The 25th November 1983

No. AN/I/1173/1/Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chet Singh, an officer of the Indian Defence Accounts Service to the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000—125/2—2250/-) of that Service, with effect from the 21st October, 1983, until further orders.

V. S. JAJA
Addl. Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 24th November 1983
NOTICE

Notice of termination of Service under Rule 5(i) of the C.C.S. (TS) Rules 1965

In pursuance of Sub-rule (I) of Rule 5 of the C.C.S. (TS) Rules 1965, I, S. Mallick, C.D.A. hereby give notice to Sri S. N. BASUMATARY Ty/Auditor, A/C No. 8319777 that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which

this notice is served on or as the case may be, tendered to him.

S. MALICK
Controller of Defence Accounts
Signature of appointing authority

Station :—PATNA
Date :—25-3-1983

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the individual
Designation.

Station :—
Date :—

OFFICE OF THE JOINT DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

Bombay, the 24th November 1983

Notice of Termination issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965

No. 1—In pursuance of Sub-rule 1(1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I, R. A. Borkar, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri Shasikant Bhagwan Jadhav (Temporary Group 'D') that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

R. A. BORKAR
Joint Director of Audit
Defence Services, Bombay

To

Shri Shasikant Bhagwan Jadhav,
5/18, Progressive Building,
Doctor Compound,
Dattaram Ladpath,
Chinchpoklim
Bombay-400012.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th November 1983

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/936/71-Admn (G)/4913.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Tiwari, Controller of Imports & Exports in this Office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1983.

V. K. MEHTA
Deputy Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi the 24th November 1983

No. 12(323)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. M. Som, Director (Gr. II) (Mech) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) as Director (Gr. I) (Mech.) on ad-hoc basis in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) with effect from the forenoon of 25th October 1983, until further orders.

No. 12(571)/68-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri Man Mohan Singh, Asstt. Director (Gr. I) (Metallurgy) Small Industries Service Institute, Ludhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 30th June 1983.

No. A-19018(532)/81-Admn.(G).—Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Mech.) in National Test House, Madras, Ministry of Supply, Shri M. Shiva Rao relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mech.) at Small Industries Service Institute, Srinagar on the afternoon of 22nd January 1983.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 26th November 1983

No. A-17011/224/83-A6.—Shri R. K. Mishra, permanent Examiner of Stores (Engineering) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government service on the afternoon of 27th October, 1983 in terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 22nd November 1983

No. A-17011/106/76-A6.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Prakash Singh, Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on *purely ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 23rd August 1983 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Rajendra Prakash Singh is also subject to final decision on the three I.P.A.s Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri Rajendra Prakash Singh will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Rajendra Prakash Singh relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta on the afternoon of 18th August 1983 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the office of Director of Inspection Madras with effect from the forenoon of 23rd August, 1983.

4. This supersedes the earlier Notification issued vide DGS&D No. A-17011/106/76-A6 dated 21st September, 1983.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st November 1983

No. 9212B/A-19012(1-PJT)/82/19A.—Shri P. J. Ittykunju, Senior Technical Asstt. (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating

capacity with effect from the afternoon of 12th September, 1983 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel),
for Director General

Calcutta 16, the 22nd November 1983

No. 9233B/A-19012(3-BB)/83-19B.—Mrs. Banani Banerjee has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11th October 1983, until further orders.

No. 9252B/A-32013(AO)/80/19A.—Shri D. Vaideeswaran, Superintendent, GSI has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th April 1983 to 17th June 1983 (F.N.) against the leave vacancy of Shri R. Rajagopalan, Administrative Officer, Tamil Nadu Circle, Southern Region, GSI, Madras.

No. 9263B/A-19012(3-RS)/83-19B.—Dr. Rajan Singh has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27th July 1983 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd November 1983

No. A-19011(337)/83-Estt.A.—Shri R. B. Bhale, a Grade III Officer of the Indian Statistical Service, on his release from the post of Assistant Coal Controller (Statistics) in the office of the Coal Controller, Calcutta, assumed charge of the post of Deputy Mineral Economist (Statistics) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur with effect from the forenoon of 24th October, 1983.

The 23rd November 1983

No. A-19012(175)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. V. Purohit, Assistant Administrative Officer (ad-hoc), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 10th November, 1983 on regular basis.

A. R. KASHAV
Senior Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th November 1983

No. 1/22/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. M. Sundaraj, Asstt. CBS, AIR, Bangalore to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at AIR, Teypore (Orissa), w.e.f. 28th September 1983.

SMT. RUKMINI DAS GUPTA
Dy. Director Administration
for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 31st October 1983

No. 7-3/83-Adm.I.—Shri D. V. N. Babu, Senior Technical Assistant (PP) of this Directorate is hereby appointed as Surveillance Officer at Central Surveillance Station, Gauhati in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1983 until further orders.

K. D. PAHARIA
Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

Faridabad, the 24th November 1983

No. 7-33/83-Adm.I.—The Plant Protection Adviser is pleased to appoint Shri S. N. Singh, Senior Technical Assistant of this Dte. as Plant Protection Officer (Entomology) at Central Plant Protection Station, Dimapur (Nagaland) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th October, 1983 until further orders.

J. KRISHNA
Chief Administrative Officer
For Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 16th November 1983

No. PA/79(1)/83-R-III/257.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Tanjore Yogender Prahalad Rao, permanent Upper Division Clerk, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of November 10, 1983 until further orders.

No. PA/79(1)/83-R-III/257.—On transfer from Construction & Services Group, Bombay, Shri Unikat Ramachandra Menon Assistant Personnel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of November 10, 1983.

T. T. PISHORI
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 21st November 1983

No. S/1567/BOD/Fstt.I/3954.—Shri Tarakad Subbarayan Subbaram relinquished charge of the post of Scientific Officer-Grade SB on 31st July 1983 (AN) consequent on superannuation.

N. V. RAMANAN
Dy. Establishment Officer

DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400 094, the 19th November 1983

ORDER

No. 2/499/77-Adm.Vol.II.—WHEREAS Shri C. L. Bhagat, watchman in the Office of the Directorate of Estate Management, DAE, Bombay remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 1st September 1983.

AND WHEREAS a memorandum bearing No. 2/499/77-Adm. (Vol. II) dated October 3, 1983 was issued by Assistant Personnel Officer, DFM, directing the said Shri Bhagat to report for duty immediately.

28—376 GI/83

AND WHEREAS the said memorandum was sent by Registered post AD to the following last known addresses of the said Shri Bhagat :—

(1) Shri C. L. Bhagat
Reddymani Terrace, 1st floor, Room No. 14,
Worli Naka, A. B. Road, Bombay-400 018.

(2) Shri C. L. Bhagat
Potechi Chul, Zine Ali, Shivaji Road,
Front of S. T. Stand, Panavel.

AND WHEREAS the said letter was returned by the postal authorities undelivered with the remarks "Not available/Not known" from both the addresses.

AND WHEREAS the said Shri Bhagat has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Bhagat has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry and has come to the conclusion that Shri Bhagat is not a fit person to be retained in Government service.

AND NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of the CCS (CE&A) Rules, 1965 read with DAE Notification No. 22(1)/68-Adm II dated July 7, 1979 hereby removes the said Shri Bhagat from service with immediate effect.

P. UNNIKRIISHNAN
Director

Copy to : Shri C. L. Bhagat
Reddymani Terrace, 1st Floor,
Room No. 14, Worli Naka, AB Road,
Bombay-400 018.
Shri C. L. Bhagat
Potechi Chawl, Zine Ali, Shivaji Road,
Front of ST Stand, Panavel.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 24th November 1983

No. DPS/2/1(27)/83-Adm. 37846.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. R. C. Nair, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 7th November 1983 (AN) until further orders in the same Directorate.

P. GOPALAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO : SHAR CENTRE

P & GA DIVISION

Sriharikota Range, the 25th November 1983

No. SCF: PGA:ESTT/3:1:72.—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Scientist/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Designation	Date of appointment
1	2	3	4
	S/Shri		
	1. A. Dakshina Murthy	Sci/Engineer-SB	7-10-1983

1	2	3	4
2	K Nataraja	Sci/Engineer-SB	1-11-1983
3	J. V. Sastry	Sci/Engineer-SB	20-9-1983
4	J V. Alexander Raja Singh	Sci/Engineer-SB	26-10-1983

RAJAN V GEORGE,
Head, Personnel & General Admn
for Director

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560 017, the 8th November 1983

No 8/110 77-Admin—The Programme Director APSU hereby appoints Shri R Krishnamurthy in the Auxiliary Propulsion System Unit (APSU), Bangalore of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30 740 35 810-EB-35-880 40-1000-EB 40 1200/- with effect from the forenoon of 1st October, 1983 and until further orders

A UNNIKRISHNAN
Admn Officer

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 0058, the 15th November 1983

No 020/3(061)A/083—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders

Sl No	Name	Post and Grade from which promoted	Post & Grade to which promoted	Date
1	2	3	4	5
S/Shri				
1	K Vijaya Kumar	Scientific Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
2	G. Kullian	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
3	D S Rajendra	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
4	Vittal Rao	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
5	TR Francis	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
6	R D Thaker	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
7	R Gopinath	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83
8	K Rathi-nam	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer-'SB'	1-10-83

H S RAMADAS,
Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th November 1983

No A 32013 2/81 EC ()—In partial modification of para 2 of this Department's Notification No A 32013/2/81 EC(Pt) dated the 5th July, 1983, the period of expiry of ad hoc appointment of Shri J C Roy as shown at S No 14 of para 2 may be amended to read as 31st October 1982 instead of 31st August 1982

No A 12025/2 82 ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint S Shri D R Yadav and Iachhman Das as Aircraft Inspectors in the Civil Aviation Department with effect from 1st October 1983 and 4th October 1983 respectively

G B LAL
Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd November 1983

No 34/83—Shri K Ramanathan, Appraiser of Madras Custom House and lately working as Senior Analyst in the Directorate of Statistics and Intelligence, Customs & Central Excise New Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise New Delhi w.e.f. 1st November 1983 (FN) vide this Directorate's letter C No 1041/50/83 dated 31st October 1983

A C SALDANHA
Director of Inspection

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 25th November 1983

No 27-S/N(6)/77 FCII—The President is pleased to accept the notice of retirement dated the 18th October 1983 given by Shri N Natarajan, Superintending Engineer (Civil) of this department for voluntary retirement from service. Accordingly Shri N Natarajan retires from service with effect from 15th October 1983 (AN)

Smt NFENA GARG
Dy Director of Administration
For Director General (Works)

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act 1956 and
of Bihar Medical Experts Polyclinic Private Limited*
Patna, the 2nd November 1983

No (1107)560/4747—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Bihar Medical Experts Polyclinic Private Ltd has this day been struck off the register and the said company is dissolved

A W ANSARI
Registrar of Companies Bihar

*In the matter of Companies Act, 1956 and
of Kerala Clearing Agencies Private Limited*
Cochin-682011, the 24th November 1983

No 2273/Iq/560(5)/11233—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Com-

panies Act, 1956, that the name of Kerala Clearing Agencies Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Registrar of Companies, Kerala

*In the matter of Companies Act, 1956 and
of Suraj Credit and Investment Private Limited*

Patna, the 24th November 1983

No. (1007) 560/306.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suraj Credit and Investment Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and
of Citizen Savings and Finance Private Limited*

Patna, the 24th November 1983

No. (1018) 560/309.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Citizen Savings and Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Jai Kisan Credit and Investment Private Limited*

Patna, the 24th November 1983

No. (1150) 560/312.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jai Kisan Credit and Investment Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies, Bihar

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CRD/244/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF No. 239, Mani Majra, UT situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Neelam Khattar w/o Sh. Hatinder Kumar Khattar through her attorney Sh. Raj Kumar S/o Sh. Harbhajan Khattar, r/o H. No. 255, Sector 9-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh Paul S/o Sh. Chuhar Singh r/o VPO Jandu Singha, Distt. Jalandhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF Site No. 239, situated in Mani Majra, UT, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1716 of March, 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref No. CHD/246/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1225, Sector 34-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. M. R. Sud (Retd.) S/o Sh. A. R. Sud
1/o H. No. 70, Rajinder Nagar, Jalandhar City.
(Transferor)

(2) Sh. Des Raj Gandhi S/o Sh. Bhagwan Dass
(ii) Smt. Shahni Devi w/o Sh. Des Raj
1/o H. No. 1623, Sector 22B, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1225, situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1725 of March, 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/249/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF site No. 367, situated at Motor Market and Commercial Area Mani Majra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gurmeet Singh S/o Sh. Sunder Singh
r/o H. No. 3318, Sector 15-D, Chandigarh
through GPA Sh. Sheel Kumar s/o Sh. Lakhmi
Chand, SCF No. 10, Sector 10-D, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Mrs. Sylvia Naresh Gill w/o Naresh Kumar
Gill r/o H. No. 1098, Mani Majra UT,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF Site No. 367, situated in Motor Market and Commercial Area, Mani Majra, UT, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1804 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/240/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. SCF No. 8, situated at Sector 10-D, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Pawan Kumar, Inder Sagar, and Prem Sagar ss/o Sh. Lachman Dass
r/o 616, Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) (i) Sh. Jasbir Singh Sodhi,
Mrs. Santosh Kaur
(ii) Sh. Ajay Singh
r/o 524, Sector 10-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Sh. Chander Mohan Khanna
C/o M/s. Appu and Associates,
r/o SCF No. 8, Sector 10-D, Chandigarh.
M/s. Ludhiana Tent House,
r/o SCF No 8, Sector 10-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 8, situated in Sector 10-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1673 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref No CHD/238/82-83—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No 1199, situated at Sector 8-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Rajinder Kaur Bains w/o Sh. G. S. Bains
1/o 319, Masjid, South Extension Part II, New Delhi
(Transferor)
- (2) Sh Om Parkash Goyal S/o Sh. Paras Ram,
1/o 239, Sector 19 A, Chandigarh
(Transferee)
- (3) Sh R. K. Chokkar Advocate,
1/o H No 1199, Sector 8-C, Chandigarh
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 1199, situated in Sector 8-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1665 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983
Seal:

FORM ITNS

(1) Sh. D. K. Sareen s/o Sh. Vidya Bhaskar
c/o M/s. Sareen Electric Trading Co. Chaura
Bazar, Ludhiana through Sh. Hazara Singh
Mehtab Singh r/o H. No. 10, Sector 19-A
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gulzar Singh S/o Shri Hazara Singh
r/o H. No. 10, Sector 19-A Chandigarh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 14th November 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CHD 241/82-83—Whereas, I,
JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 300 Sector 33 A

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 300, situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No.
1678 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandi-
garh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
29—376GI/83

Date 14-11-1983.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/7/83-84 —Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share of SCO No. 827-828 situated at Sector 22-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Kashmira Lal S/o Hakim Rai,
Harjai 1/o 1615 Sector 18 Chandigarh.
2. Sh. Madan Lal Harjai S/o Hakim Rai Harjai
1/o H. No. 44 Sector 27-A Chandigarh.
3. Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Kashmira Lal
1/o 1615 Sector 18 A Chandigarh
(Transferor)
- (2) Smt. Ranjit Harjai w/o Sh. Krishan Lal Harjai
1/o 44 Sector 27 A Chandigarh
(Transferee)
- (3) Dr. O. P. Sharma, Eve Specialist
Punjab Land Development and Reclamation Corporation Ltd., Income tax Officer, Salav-cum Co Circle (Haryana)
1/o SCO No. 827-828 Sector 22-A, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of SCO No. 827-828 situated Sector 22-A, Chandigarh

(The property is mentioned in the Register No. 32 of April 1983 of the Registering Officer at Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14-11-1983.

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. KHR/46/82-83 —Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2419, situated at Phase 10, Mohali Teh Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwan Devi W/o Sh. Kesho Ram
r/o 17, Sector 19-A, Chandigarh
through her General Power of Attorney Smt.
Anitpal Kaur w/o Sh. Jagmohan Singh
r/o 209, Sector 9, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Jagmohan Singh S/o Sh. Harbans Singh
r/o 209, Sector 9, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2419, situated in Phase 10, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the Registered deed No 5421 of March, 1983 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-11-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mastan Singh S/o Shri Isher Singh
1/o Gobind Gali Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Pritam Kaur w/o Sh. Hazura Singh
1/o Vill. Khan Puri P. O. Pakhli Teh. & Dist.
Ropar. or H. No. 164, Phase I, Mohali Teh.
Kharar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Objection, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. KHR/45/82-83.—Whereas, J.
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269H of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
House No. 164, Phase I, situated at Mohali Teh. Kharar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kharar in March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 164, Phase I, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the Registered deed No.
5321 of March 1983 of the Registering Authority, Kharar).JOGINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 14-11-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1983

Ref. No. LDH/295.82-83.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share of shop No. B-VII-50, situated at Chaura Bazar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Arun Kumar Seth, Vipin Kumar Seth and Naveen Kumar Seth ss/o Sh. Om Parkash r/o B-1-1274, Rajinder Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Krishana Rani W/o Shri Parduman Lal and Smt. Raj Rani w/o Sh. Narinder Lal r/o 86, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) M/s. Cheap Cloth House Sh. Naresh Kumar Kapila, Sh. Tejinder Kumar Kapila, B-VII-50, Chaura Bazar, Ludhiana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of property No. B-VII. 50, situated in Chaura Bazar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 16498 of March, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 17-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1983

Ret. No. ASR/83-84 249.—Whereas I, C. S. KAILON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Nariinder Kaur w/o
Shri Kartar Singh,
Chowk Pragdass,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Charan Dass s/o
Shri Des Raj,
Punjab Housing Colony, Green Avenue,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 114.75 sq. yds., situated at Model Town, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18491 dt. 16-3-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAILON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURL TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1983

Ref. No ASR/83-84 248.—Whereas I. C. S. KAHION, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing One property situated at Model Town, Amritsar (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S R Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o
Sh Jaswant Singh,
r/o 17, Khalsa College,
Amritsar (Transferor)
- (2) Smt Nahni Sharma d/o
Shri Ishar Dass Sharma,
r/o East Mohan Nagar
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above & tenants if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 114.75 sq. vds., situated at Model Town Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18492 dt. 16-3-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHION, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR 83 84/246.—Whereas I, C. S. KAHLON,
IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -and bearing
Land, situated at Near A.B. College, Pathankot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the registering Officer at
S.R. Pathankot on March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Amir Kaur wd/o
Sh. Resham Singh, through
Sh. Sansar Singh, s/o Sh. Hakam Singh,
General Attorney,
r/o 209 Prit Nagar, Pathankot. (Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar s/o
Sh. Sudeshan Lal,
Near Mission High School,
Mission Road, Pathankot (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kanals 2 marlas, situated near A.B.
College, Pathankot as mentioned in sale deed No. 4040 dt.
30-3-83 of Registering Authority, Pathankot.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/239 —Whereas I, C. S. KAHLON,
IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingA plot of land,
situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

30—376GI/83

- (1) Smt. Parkash Kaur w/o
Shri Darshan Singh,
r/o Radha Kishan Building,
G.T. Road, Putlighar,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Rajinder Kumar s/o
Shri Satya Pal
30, Rani-ka Bagh,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar, as
mentioned in sale deed No. 19025 dt. 30-3-1983 of Regis-
tering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR '83-84/240.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property,

situated at Garden Colony, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Singh s/o
Shri Hari Singh,
1/0 1 Garden Colony,
R.B. Duni Chand Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sheela Wati w/o
Shri Chiman Lal Mehra,
Gali Bag Wali,
H. No. 1660, Katta Khazana,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 235 sq. yds., situated at Garden Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4571 dt. 27-6-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ret. No. ASR/83-84/241.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land, situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Amritsar Improvement Trust,
Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Rajinder Kumar Wahi,
Kewal Krishan Wahi,
Ravi Kumar Wahi and Vinod Kumar Wahi
ss/o Shri Kesho Ram Wahi,
r/o Gali Gusaian, Katra Bhai Sant Singh,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any,
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Amar Nath s/o
Shri Ganpat Rai,
r/o 36, Ram Bagh,
Amritsar. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 46 dated 31-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.-

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/242.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land, situated at Nirankari Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbans Singh s/o
Sh. Hari Singh,
Adda Nurd, Tarn Taran,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Gian Singh s/o
Sh. Lachhman Singh,
r/o Jeobala,
Teh. Taran Taran,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 258 sq. yds., situated at Nirankari Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18926 dt. 25-3-1983, of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/243.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

A plot of land situated at G.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amarjit Kaur d/o Sh. Mohan Singh, r/o Chowk Karori, Amritsar. (Transferee)
- (2) Sh. Piare Lal s/o Shri Harji Ram r/o Vill. Kasail, — Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 114.75 sq. yds., situated Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18785 dt 22-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/244.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land, situated at G.T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Davinder Kaur w/o
Sh. Mohinder Singh,
16/12, Gagar Mal Road,
Amritsar. (Transferee)
- (2) Smt. Kailash Kumari d/o
Sh. Philaury Ram, H. No. 302, Husainpura,
Amritsar. (Transferor)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 114.75 sq. yds., situated at Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3561 dt. 15-6-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/245.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land,
situated at G.T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amajit Kaur d/o
Sh. Mohan Singh,
r/o Chowk Kirori,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Mohinderpal s/o
Shri Diwan Chand
r/o Vill. Khyala Kalan,
Teh. Ajnala, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 114.75 sq. yds., situated Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3563 dt. 15-6-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/238.—Whereas I, C. S. KAHLON,
IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingA plot of land,
situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
marked value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Smt. Parkash Kaur w/o
Shri Darshan Singh
r/o Radha Krishan Building,
G.T. Road, Puthlghar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar w/o
Shri Satya Pal,
30, Rani-ka-Bagh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of
-
- 30 days from the service of notice on the res-
-
- pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar
mentioned in sale deed No. 1789 dt. 6-5-83 of Registering
Authority, Amritsar.C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, AmritsarDate : 3-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/247.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Near A.B. College, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—376GI/83

- (1) Smt. Amrit Kaur wd/o
Shri Resham Singh, through
Sh. Sansar Singh s/o
Sh. Hakam Singh, General Attorney,
r/o 209 Prit Nagar, Pathankot.
(Transferor)

- (2) Sh. Sunil Kumar s/o
Sh. Sudershan Lal,
Near Mission High School, Mission Road,
Pathankot.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kanals 3 Marla, situated near A.B. College, Pathankot, as mentioned in sale deed No 4013 dt. 25-3-1983 of Registering Authority, Pathankot.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No ASR/83-84/221.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

One property, situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Vishwa Nath, r/o Chowk Passian, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Gahele Industrial Corporation, East Mohan Nagar, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)*
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 16 dated 31-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/222 —Whereas I, C. S. KAHLOH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of structure situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kidar Nath s/o
Sh. Kahan Chand,
r/o Kucha Sewa Sial, Katra Dulo,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Ashwani Kumar
Partner in M/s Parbhat Ayurvedic Pharmacy,
Katra Sher Singh,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of structure, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18025 dt. 7-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLOH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1983

Ref. No. ASR/83-84 223.—Whereas I, C. S. KAHLON,
IRS,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.A Plot of land,
situated at Rose Avenue, Amritsar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sh. Natinder Mohan s/o
-
- r/o 15 Tailor Road,
-
- Sh. Chaman Lal, r/o 15, Jailor,
-
- Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Vishav Bandu Khanna s/o
-
- Sh. Chuni Lal,
-
- Race Course Road,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
-
- (Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
-
- (Person whom the undersigned knows
-
- to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
-
- immovable property, within 45 days from the
-
- date of the publication of this notice in the Official
-
- Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Rose Avenue, Amritsar, as
mentioned in sale deed No. 106 dt. 31-3-1983 Registering
Authority, Amritsar.C. S. KAHLON, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDIR PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref No. ASR/83-84/224.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurmit Singh s/o Shri Atma Singh s/o Sh. Mala Singh, r/o Majitha, Amritsar, through Sh. Kewal Kishan s/o Shri Madan Lal, r/o Verka, Amritsar Attorney General. (Transferor)
- (2) Sh. Amar Singh s/o Shri Bansi Singh, r/o Telephone Exchange, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq yds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18454 dt. 15-3-83, of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/225.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh s/o Sh. Sewa Singh, r/o Majitha, through Sh. Baldev Raj s/o Sh. Madan Lal, Attorney General.
(Transferor)
- (2) Sh. Daler Singh s/o Sh. Inder Singh, r/o Katra Moti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 250 sq. yds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18453 dt. 15-3-83 of registering authority. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/226.—Whereas, I C. S. KAHLON,
IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hardavinder Singh s/o Shri Harbans Singh, r/o Majitha, through Sh. Kewal Kishan s/o Sh. Madan Lal, Gali Badraon, Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wanti w/o Sh. Ram Parkash, r/o Katra Moti Ram, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, mentioned in sale deed No. 18497 dt. 16-3-1983, authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/227.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing a plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh r/o Majitha, through Sh. Baldev Raj s/ Sh. Madao Lal, Inside Johgarh Gate, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Pritam Kaur w/o Sh. Mohinder Singh Rampuri, Kalka ji, New Delhi. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 216 sq. yds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18372 dt 14-3-83 of registering authority, Amritsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/228.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Bakhshish Singh s/o Shri Atma Singh r/o Sh. Manjitha, through Sh. Karamjit Singh S/o Sh. Swaran Singh, 409, East Mohan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Anand Saroop Shingari s/o Sh. Ram Gopal Shingari, r/o 92-A, Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, as mentioned in sale deed No. 18603 dt. 8-3-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-11-1983
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/229.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

a plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bakhshish Singh s/o Sh. Atma Singh, r/o Majitha, through Sh. Karamjit Singh s/o Sh. Swaran Singh, 409 East Mohan Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Prem Sarup Chadha s/o Sh. Ram Lubhaya Chadha r/o Katra Dulo, Gali Chah Wall, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land, situated in Tilak Nagar, as mentioned in sale deed No. 18602 dt. 18-3-83, of registering authority, at Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-11-1983
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1983

Ref. No. ASR/83-84/230.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) S/Shri Kabal Singh, Malkiat Singh, Surinder Singh, Bakhtawar Singh Ss/o Sh. Massa Singh, r/o Vill. Pandori Warraich, Teh. & Distt. Amritsar.
(Transferor)

- (2) M/s Oriental Processors, 2, Police Lines Road, Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh & Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18786 dt. 22-3-83 of the Registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 1-11-83

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1983

Ref. No. ASR/83-84/231.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kabal Singh, Malkiat Singh, Surinder Singh, Bakhtawar Singh Ss/o Sh. Massa Singh, r/o Vill. Pandori Warraich, Teh & Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s Oriental Processors, 2, Police Lines Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh. & Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18787 dt. 22-3-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date 1-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/232.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sham Sunder s/o Shri Madan Lal, Inside Lohgarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Dev s/o Sh. Sant Ram, Kucha Upplan, Guru Bazar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Tilak Nagar, Behind Shivala Bhaiyan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18207 dated 9-3-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/233.—Whereas, I C. S. KAHLON, IR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh, through Sh. Baldev Raj S/o Sh. Madan Lal, Gal Badraon, Lohgarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Mukesh Chand s/o Shri Ram Lal r/o Katra Kanahyan, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18634 dt. 18-3-83 of regarding Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-11-1983.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/234.—Whereas, I,
C. S. KAHLON, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
S.R. Amritsar in March 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Sh. Harpartap Singh S/o
Sh. Harbans Singh, through Sh. Baldev Raj S/o
Sh. Madan Lal, Gali Badraon, Lohgarh,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Shankar Lal S/o Sh. Devl Dayal,
R/o Katra Sufaid, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

- (b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning is given in
that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as
mentioned in sale deed No. 18635 dated 18-3-1983 of regis-
tering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/235.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property, situated at Vill. Cheni, Teh. Batala, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagir Singh S/o
Shri Amar Singh, R/o Choney,
Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Gurnam Singh S/o
Sunder Singh R/o Choney, Teh. Batala,
Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Choney, Teh. Batala, as mentioned in sale deed No. 6481 dt. 8-3-1983, of registering Authority, Batala.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/236.—Whereas I,
C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—376GI/83

- (1) Sh. Shadi Lal S/o
Shri Sohan Lal R/o Lohgarh Gate, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Rajinder Singh S/o
Shri Jit Singh, 558 East Mohan Nagar,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Tilak Nagar, Circle No. 110, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18637 dt. 18-3-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1983
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/237.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar S/o
Om Parkash r/o Kot Baba Deep Singh,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar S/o
Shri Ram Parkash, r/o Bombay Wala Khu,
Amritsar. (Transferee)
- (2) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No 18636 dated 18-3-1983, of registering authority, Amritsar

C S KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1983
Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. S. P. Constructions,
Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kavathar Jagjivandas Rai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref: No. AR.II/37EE/999/82-83 —Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and being situated at Flat No. 2, 4th floor, C.S No. 59 Hissa No. 2, C.T.S No. 1238, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-400068 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, C.S No 59, Hissa No. 2, C.T.S. No 1238, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-400068. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A.R II/938, dated 22-3-1983.

R K BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn Range-I/37EE/253/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 51, New Shangrilla CHSI situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority, Bombay on 25-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Roshan Phiroze Mistry, (Transferor)
(2) Mrs. Nurunissa Gulam Hussain Versey and Mr. Naushad Gulam Husain Versey. (Transferee)
(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, New Shangrilla Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-400005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/238/82-83 dated 25-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/4873/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1390 and 1/1382 of Lower Parel Division situated at Senapati Bapat Marg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-3-1983 Document No. Bom.537/81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pratapsingh K. Ashar
2. Smt. Pushpaben R. Ashar
3. Mahesh P. Ashar
4. Sudha Mahesh Ashar
5. Kiran P. Ashar
6. Harsha K. Ashar
7. Ketan K. Ashar
8. Kulin P. Ashar
9. Smt. Ratanbai G. Ashar
10. Ranjit G. Ashar.

(Transferor)

- (2) M/s. Amar Builders & Developments Pvt. Ltd.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 537/81 and registered on 19-3-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. B. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. C. & A. International Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/241/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 402, Shiv Industrial Estate situated at Parel Road Cross Lane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 17-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 402, Shiv Industrial Estate, Parel Road Cross Lane, Byculla, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/235/82-83 dated 17-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-11-1983

Signature

FORM ITNS—

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Jay Datt Spring Works,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. Acqn Range-I/37EE/245/83-84 —Whereas, I,
R K BAQAYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Unit No 325A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate
situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 17-3-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No 325A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate,
Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel,
Bombay-400013 The Agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay, under Serial No Acqn Range-
I/226/82-83 dated 17-3-1983.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—R K BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayDate : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/230/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3, Gulmarg Apartments situated at Dadar has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Bombay on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Dr. Kiran M. Desai.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Vimlchand Rajmalji
2. Shri Panibhai Rajmalji.
(Transferee)
- (3) Dr. Kiran M. Desai.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Gulmarg Apartments, K. W. Chitale Road, Dadar, Bombay-400028. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/184/82-83 dated 7-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamlesh Kishinchand Manik.

(Transferor)

(2) Mkr Frozen Food Exports (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Madan Abbott.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37FF/221/83-84.—Whereas, I,
R. K. BAQAYAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. C-12, Ananta CHS situated at Off Warden Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority has been transferred under the
Registration Act 1908 (1 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Bombay on 16-3-1983
at Bombay on 16-3-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-12, 12th floor, Ananta Co-operative Housing
Society Ltd., Dr. Rajaballi Patel Road, Off Warden Road,
Bombay-400026. The Agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn.
Range-I/209/82-83,—dated 16-3-1983.R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
34—376GL/83Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/312/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Flat No. 1203, Jogani Apartments situated at Doongersshi Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs Sunita Jagmohan Shah

(Transferor)

(2) I. Mohamed Ilyas Mohamed Idris &
Mohamed Nazir Mohammed Idris &

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1203, 12th floor, Jogani Apartments, Doongersshi Lane, Bombay-400006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Serial No. Acqn. Range-I/208/82-83 dated 11-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37FE/169/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 85, 'Shangrilla', situated at Colaba and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering office at Bombay on 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shrikant Vasudev Nayak and
Smt. Shama Shrikant Nayak. (Transferor)
- (2) Mrs. Geera Kalanjee. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 85, 8th floor, Shangrilla, Opp. Colaba Post Office, Bombay-400005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/172/82-83 dated 2-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Rachel Rusva Bhathana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nozer Ruci Wadia and Ratan Jamshed Bailibor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE 237/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 404 Kempa Corner Om Chambers, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 404, 4th floor Om Chambers, Kempa Corners, Bombay-400036. The Agreement has been registered in the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/229/82-83 dated 17-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nareshkumar Vitman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shekhar Shreesh Talwalkar and
Smt. Poonima Shekhar Talwalkar.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ret. No. AR II, 3711/831/82-83—Whereas, 1,
S. H. ABBAS ABIDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat A/4, Asha Building Dixit Road, Vile Parle (E),
Bombay-400457 situated at Vile Parle (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Bombay on 5-3-1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/4, "Asha Building" Dixit Road Vile-parle
(East) Bombay-400057. The Agreement has been registered
by the Competent Authority, Bombay under Serial No
AR II/786, dated the 5th March, 1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) M. S. B. I. Panchal & Sons. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE 200/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 447, Kewal Industrial situated Ferguson Road and more fully in the schedule annexed hereto), had been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 447, 4th floor, B Building, Kewal Industrial Estate, Ferguson Road, Patel, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/183, 82-83 dated 7-3-1983

R. K. BAQAYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/196/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Premises No. 11, 9th floor, Embassy Centre, & One Car Parking Space situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Aarts Module International Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s. Khaitan Holdings Corporation
(Transferee)
- (3) M/s. Aarts Module International Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 11, 9th floor, & Car Parking space No. 28, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/180/82-83 dated 2-3-1983.

R. K. BAQAYA

Inspecting Assistant (

Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-II/37EE/826/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A/4, Bldg. No. 2 of Juhu Apartments Coop. Housing Society Limited, Juhu Road Juhu, Bombay 400 049 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the IT Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Ursula Fernandes (Transferor)
(2) Mrs. Ayesha alias Anne Rebelh. (Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/4 on the ground floor of Bldg. No. 2 of Juhu Apartments Cooperative Housing Society Limited, Juhu Road, Juhu, Bombay 400049. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/964 dated 26-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 9-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Thakurdes Udhawades Rajpal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kakubhai B. Shah,

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-2/37EE/988/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 11, Ajay Shopping Centre situated at Lady Harding Rd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, Ajay Shopping Centre, Lady Harding Road, Bombay-400 016. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/928, dated 21-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 9-11-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. R. B. Enterprises (Transferor)
(2) M/s C & A International Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37BE/242/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 401, Shiv Industrial Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 401, Shiv Industrial Estate, Parel Road Cross Lane, Byculla, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN RANGE-I/228/82-83 dated 17-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Minoc A Pardiwalla
(2) Mr. K. Vishnumurthi Shet
(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-1/37EE/195/83-84.—Whereas, I,
R. K. BAQAYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 8, 2nd floor, Silver Grill Premises Co-op. Hsg.
Society Ltd. situated at Kashinath Dhuru Marg
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 7-3-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, 2nd floor, 'Silver Grill Premises Co-op. Hsg.
Society Ltd., 25A Kashinath Dhuru Marg, Bombay-400 028.
The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/
189/82-83 dated 7-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anthony Joseph Pattathu
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ferdinand Joseph D'Souza
(Transferee)
(3) Transferee
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR.II/37EE/826/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22, Green Park Bldg. No. 3 situated at Orlem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 5-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Green Park Bldg. No. 3, Relief Road, Orlem, Nalad (W), Bombay 400 064. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-II/783 dated 5-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 9-11-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-II, 57HE/1020/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2, Bldg. No. 3, Green Park Co-operative Housing Society Limited situated at Orlem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anthony Joseph Pattathu (Transferor)
 (2) Shri K. K. Devassy (Transferee)
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)
 (4) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Bldg. No. 3, Green Park Co-operative Housing Society Limited, Linking Road, Orlem Nalad, Bombay 400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/957, dated 24-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Bombay

Date : 9-11-1983
 Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Matuben Sakarlal Shah and Smt. Navalben Bechardas Merchant

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sabira Akbar Hussein Abdulla Mistry,

(Transferee)

(3) Transferee & Tenants,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. AR.II/3518/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at 5th Road, Khai, Bombay C.S. No. E/798, together with building bearing Nos. 66, 67A, 67B, 67C, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2212/81 and registered on 15-3-1983 with the Sub-Registrar,

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shah & Nahar Associates (Transferor)
 (2) M/s. Decorate (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/218/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 120, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-I situated at Lower Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the IT Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 120, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 012. The Agreement has been registered by the competent authority Bombay under Serial No. ACQN RANGE-I/191/82-83 dt. 9-3-1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Santosh Firoze Dalal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldipsingh Dayalsingh

(Transferee)

(3) Shri Kuldipsingh Dayalsingh

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/346/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 10, 3rd Floor Guide Apartment, Empire Guide Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Nepean Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 26-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Guide Apartment, Empire Guide Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 16, Nepean Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I/217/82-83 dated 26-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) M/s. Mod Creations

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/219/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 317A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-I situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 317A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 012. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/190/82-83 dated 9-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—376GI/83

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Kamala S. Somani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. Q. Dalvi & Mrs. S. Dalvi

(Transferee),

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/232/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 15, Shantiniketan situated at Marine Drive, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 21-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Shantiniketan, 2nd floor, 95-A, Marine Drive (Netaji Subash Road) Bombay-400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/214/82-83 dt. 21-3-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-II, 37EE/1054/82-83.—Whereas, I,
S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 17, Jay Koteswar, Nagar
Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 69,
Haji Bapu Road, Malad (E) Bombay
situated at Malad (E),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under
and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. R. Hariharan.

(Transferor)

(2) Pushapben Ramji Joshi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, Jay Koteswar Nagar Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 69, Haji Bapu Road, Malad (East), Bombay-400064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/982 dated 28-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BombayDate : 9-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/193/83-84.—Whereas, 1, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 13, 3rd floor, Enterprise Co-operative Society Ltd. situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--|
| (1) M/s. Nina Printers. | (Transferor) |
| (2) Smt. Chandra K. Mehta and
Arun Kumar R. Mehra. | (Transferee) |
| (3) M/s. Nina Printers. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, 3rd floor, Enterprise Co-operative Society Ltd., Prabhadevi, Bombay-25. The Agreement has been registered, by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/187/82-83 dated 7-3-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EF/240/83-84 —Whereas, I.
R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room No. 5, Embassy Centre situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Bhandari Crossfields Limited. (Transferee)
- (2) M/s. Kantilal Manulal Shah. (Transferor)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 5, 11th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/225/82-83 dated 17-3-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/247/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, Gulmarg Apartments situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 28-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Kiran N. Desai, (Transferor)
(2) 1. Smt. Sukankumari Devrajji
2. Smt. Chepakumari Neshkumarji. (Transferee)
(3) Dr. Kiran M. Desai. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Gulmarg Apartments, K. W. Chitale Road, Dadar, Bombay-400028. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/220/82-83 dated 28-3-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/851/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building known as 'Saurabh' with land situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Gobind K. Dayanani,
Proprietor of—
M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

- (2) Andheri Municipal Staff Saurabh Co-op. Hsg. Society Limited.

(Transferee)

- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

- (4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as 'SAURABH' with land bearing Plot No. 8, Original Survey No. 121, C.T.S. No. 1176 (Pt.) Versova, Andheri (West) Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, under serial No. Acqn. Range-III/864/82-83 dated 25-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37FF/853 82-83 — Whereas, I

A LAHIRI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Flat No 3 Hem Darshan Hem-Darshan Co-op Hsg Soc. Ltd Off Dr R P Road Mulund Bombay 80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Bablabai Visanji Tanna and
Shri Vinodkumar Visanji

(Transferor)

- (2) Mr Taji Mavji Chothani

(Transferee)

- (3) Mr Taji Mavji Chothani

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 3 Hem Darshan, Hem Darshan Co-op. Hsg Soc. Ltd Off Dr R P Road Mulund (W) Bombay-400080 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No Acqn-III/518/82-83 in March 1983.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR.III/37EE/809/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, Ground floor, "Sunny Side", Plot No. 355, Four Bungalows Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
37—376GI/83

- (1) Mr. Lokhandwala Development Corporation,
(Transferor)
(2) Mr. Mohamed Zaheeruddin.
(Transferee)
(3) Transferee,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, "Sunny Side", Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl. No. Acqn. Range-III/847/82-83 dated 16-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/818/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 10, 'SUN SWEPT' Building situated at Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corporation.
(Transferor)
- (2) Mrs. Seema R. Keswani and
Shri Ram Keswani.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, 'SUN SWEPT' Building, Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial o. Acqn. Range-III/848/82-83 dated 14-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Ms. Lokhandwala Development Corporation.
(Transferor)
(2) Smt. Kulwant Kaur,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/817/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 12, Ground floor, 'SUN SWEPT' Building situated at Versova (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 16-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, 'SUN SWEPT' Building, Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-III/863/82-83 dt. 16-3-1983,

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 14-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

- | | |
|--------------------------------|--------------|
| (1) M/s. Shiv Shakti Builders. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Lilawati B. Deshmukh. | (Transferee) |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No. AR.III/709/83-83.—Whereas, I, S.H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Shed No. 140, Phase No. 3 Shiv-Shakti Industrial Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 140, Phase No. 3 of Shiv-Shakti Industrial Estate, of Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority under serial No. AR-III/753/82-83 dt. 7-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 1-11-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/730/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. G-61 New Ambivili Co-op. Housing Society Ltd. Veera Desai Road, Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Mr. Karawadia Rajnikant Jethalal. (Transferor)

(2) Mrs. Amirbanu Noorali Bhayani,
Mrs. Amirbanu Noorali Bhavani. (Transferee)

(3) Mrs. Amirbanu Noorali Bhayani.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-61 New Ambivili Co-op. Housing Society Ltd. Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQ-III/780/82-83 in March, 1983. (8-3-1983).

S. H. ABBA ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) National Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Wadhwa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/641/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, 'Jupiter-I' situated at Andheri(W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Jupiter-I, Village Versova, Andheri-(West), Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-III/712/83-84 dt. 3-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-11-1983.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

(2) Pharma Off Set.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No.AR-III/37EE/633/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Industrial Shed No. 265. Shiv-Shakti Ind. Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 265, 2nd Floor, Phase No. 3 of Shiv Shakti Ind. Estate, Marol Village Off. Andheri Kurla Road, Andheri. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/69/82-83 1-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 1-11-1983
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/776/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 22, 2nd floor, Gautam Niwas Co-op. Hsg. Society Ltd. situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|------------------------------|--------------|
| (1) Mr. Shabbirali H. Virji. | (Transferor) |
| (2) Mr. Mirza Mohd. Jawad. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Gautam Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Near 7 Bungalows, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-III/817/82-83 in March, 1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/705/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-10, 4th floor, SBI Employees 'Mithila' CHS situated at Andheri (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—376GI/83

(1) SBI Employees Mithila Co-op. Housing Society.
(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Sharma.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-10, 4th floor, SBI Employees 'Mithila' Co-op. Housing Society, Caesar Road, Amboli Village, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range III/750/82-83 dt. 7-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/277/83-84.—Whereas, I R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 4B-2, situated at Marine Lines Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec-269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | | |
|-----|----------------------------------|--------------|
| (1) | 1. Smt. Vidyaben Chandrakant | |
| | 2. Smt. Deviben Ramchhbhai | |
| | 3. Smt. Sunandaben Sanatkumar. | (Transferor) |
| (2) | 1. Shri Pravinchandra R. Raiyani | |
| | 2. Smt. Jyotsna P. Raiyani. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4B-2, 4th floor, Court Chambers, 35, New Marine Lines, Bombay-400 020. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. ACQN.RANGE-I/221/82-83 dated 28-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-JI/3520/82-83 —Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 1277 of T.P.S. IV, Mahim, C.S. No. 9182/11 of Mahim Division situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 17-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Pandit and Company. (Transferor)
 - (2) Prabhadevi Himagiri Co-op. Hsg. Society Ltd. (Transferee)
- Members of the Society.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2445/81 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 17-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/864/82-83.—Whereas, I.

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 22, Ghatkopar Indl. Estate situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Grantent (Export) Manufacturing Co. (Transferor)
- (2) 1. Control (India).
2. Mrs. Shobha I Gurshani, (Transferee)
- (3) Transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22, 'C' Building, Ground floor, Ghatkopar Industrial Estate, Bombay-400 086. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. ACQN.RANGE-III/535/82-83, dated 25-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kusum S. Lokhandwala,
(Transferor)(2) Mr. Subhash Vamanrao Kadam.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/905/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shed No. 205 2nd floor, 'Shiv Shakti' Industrial Estate Marol Village Andheri (E) situated at Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 205 2nd floor in Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village, Andheri (East) Bombay-400 059. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-III/843/82-83 in March 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

- (1) National Enterprises. (Transferor)
- (2) Smt. Chaturgaury Haridas & Rajendra Haridas Shah.. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/898/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Jupiter-I situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Jupiter-I, Versova Cross Road, Off Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/851/82-83, dated 25-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-11-1983
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37FF/769/82-83.—Whereas, I, **A. LAHIRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor Shreeji Co-op. Hsg. Society Ltd., Kesar Baug, Mulund (E) situated at Bombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Leena Veronica D'souza. (Transferor)
- (2) Mr. Shantaram Atmaram Ghag. (Transferee)
- (3) Mr. Shantaram Atmaram Ghag. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Shreeji Apartment building, Mulund (E) Bombay-400 081. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN-III/811/82-83. on 8-3-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 28-10-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/680/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Gala, 114 K. K. Gupta Industrial Estate Opp. Jawahar Talkies, Mulund (W) situated at Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 3-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|------------------------------------|--|
| (1) Smt. Hemlata Kapurechand Shah. | (Transferor) |
| (2) M/s. Visa Plastic Industries. | (Transferee) |
| (3) M/s. Visa Plastic Industries. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala, 114, K. K. Gupta Industrial Estate, Opp. Jawahar Talkies Mulund (W), Bombay-400 080. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN-III/695/82-83 on 3-3-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Shiv Shakti Builders. (Transferor)
 (2) Mrs. Bharati S. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No. AR3/37EE/710/82-83.—Whereas, I,
 S. H. ABBAS ABIDI,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs 25,000/- and bearing

Industrial Shed No. 59 Phase No. 3 of Shiv Shakti Industrial
 Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri,
 situated at Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority,
 at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 ten per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 said property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

J—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 59, Shiv Shakti Industrial Estate, Of
 Marol Village Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay-
 59. The agreement has been registered by the Competent
 Authority under Serial No. AR-III/754/82-83, dated 7-3-83.

S. H. ABBAS ABIDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 1-11-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Ajay Builders. (Transferor)
 (2) Shri Anirudh Prasad Dubey. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/856/82-83.—Whereas, I,
 A. LAHIRI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 Shop No. 1 Laxmi Niwas, Zaver Road, Mulund (W)
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority,
 at Bombay on 25-3-1983
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Laxmi Niwas, Zaver Road, Mulund (West),
 Bombay-80. The agreement has been registered by the Com-
 petent Authority, Bombay under serial No. AR-III/855/82-83
 dated 25-1-1983.

A. LAHIRI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 persons, namely:—

Date : 14-11-1983
 Seal :

FORM TINS

(1) J. Dossa Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravichandra V. Manek.

(Transferee)

(3) J. Dossa Enterprises.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.Ref. No. AR-III/37EE/870/82-83.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, Dhiraj Apartment, Shanti Bhawan J.D. Road, Mulund (W) situated at Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Dhiraj Apartment (Annexe) Shanti Bhawan, J.D. Road, Mulund (West) Bombay-400 080. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.III/844/82-83 in March, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) National Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Suhasini Vikas Kerkar.

(Transferee)

(3) Transferor.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Rel. No. AR-III/37EE/808/83-84.—Whereas, I,
VIJAY RANJAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 1 Jupiter-II situated at Andheri (W) Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 16-3-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Jupiter-II, Versova Cross Road,
Off Four Bungalows, Andheri (West) Bombay 400 058. The
agreement has been registered by the Competent Authority,
Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-III/852/82-83,
dated 16-3-1983.VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Date: 15-11-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR.III/37EE/811/82-83.—Whereas I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Shop No. 5, Ground floor, Sun Swept Plot No. 353, Four Bungalow Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Lokhandwalla Development Corpn. (Transferor)
(2) Mr. Mohamed Iqbal Mohd. Hussain. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)
(4) Not applicable. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Building Sun Swept Plot No. 353 Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl No. ACQN. RANGE-III/846/82-83 dated 14-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 15-11-1983
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING-ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/950/82-83.—Whereas I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 105, 1st floor situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) National Enterprises. (Transferor)
(2) Shri Augustine Gomes & Smt. Alpana Gomes. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Versova Cross Road, Off 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/854/82-83 in March, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/810/83 84.—Whereas I,
VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Shop No. 14, Gr. floor, 'Sunny Side' Building situated at
Versova

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority

at Bombay on March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Lokhandwalla Development Corporation.
- (2) Mrs. S. Y. Sakarwala & Mr. Y. A. Sakarwala.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)
- (4) Not applicable.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground floor, Building 'Sunny Side' situated
at plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows Oshi-
wara, Versova, Andheri (W), Bombay-58. The agreement
has been registered by the Competent Authority, Bombay,
under serial No. ACQN. Range-III/849/82-83 dated 3-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37FF/701/82-83.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ground floor, Sadguru Khedekar Baba Shramik Co-op. Housing Society Ltd. situated at Bhandup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandrashekhar Shridhar Charatkar.
(Transferor)
- (2) Shri Mahadeo Narayan Ghadi
(Transferee)
- (3) Transferor,
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor, Sadguru Khedekar Baba Shramik Co-operative Housing Society Ltd., Sai Takdi, Tembi Pada Road, Bhandup, Bombay-400 078. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/746/82-83, dated 10-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Vastu-Shilpa Co-op. Housing Society Limited.
(Transferor)(2) Shri R. B. Kanvinde.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV/37EF/713/82-83.—Whereas I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat on Ground floor situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—376GI/83

THE SCHEDULE

Flat on Ground floor, Village Ambivali, Off Caesar Road, Andheri (West), Bombay-58. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/281/82-83 dated 7-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) National Enterprises,

(Transferor)

(2) Shri Shareef Mohamed,

(Transferee)' "

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/944/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat No 5, Jupiter-III situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, Jupiter-III, Versova Cross Road, Off Four Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/853/82-83 dated March, 1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/765/82-83.—Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
Shop No. 1, Ground floor, Meera Shyam, Gaushala Rd.,
situated at Mulund (W), Bombay-80
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on March, 1983 (8-3-1983)
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Navalben Vishanji Nagda and
Shri Vishanji T. Nagda. (Transferor)
(2) Shri Ponoada Madhavan Vijayan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Meera Shyam, Gaushala
Rd., Mulund (West), Bombay-400 080. The Agreement
has been registered by the Competent Authority, Bombay,
under Serial No. ACQN-III/808/82-83 dated 8-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Sadananda Sen,
Shri Satyanarayan Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhoy pada Santra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1352/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I,
S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74 situated at Nabin Krishna Ghosal Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-6ch-more or less situated at 74, Nabin Krishna Ghosal Road, Calcutta. Regd before S.R.A., Calcutta vide deed No. 2350.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ajit Kumar Bose,
Shri Somenath Bose,
Shri Satinath Bose.

(Transferor)

(2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ret. No. 1353/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 58-A situated at Pudda Pukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Calcutta on 16-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2616.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1354/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A situated at Puddapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amita Basu,
Kumari Jayanti Biswas,
Kumari Ratna Biswas,
Shri Sankar Narayan Biswas & one other.
(Transferor)
- (2) M/s. Harsh & Co.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 0.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2617.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti lata Chaudhuri,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1355/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I,
S. K. CHAUDHURI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 58-A, situated at Puddapukur Road,
Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-3-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building
together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A,
Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R.A.
Calcutta vide deed No. 2618.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gouri Bose,

(Transferor)

(2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1356/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58-A situated at Puddapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2619.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sacha Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Haish & Co.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1357/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 58-A situated at Pudda Pukar Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2620.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—376GI/83

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Ghosh.

(Transferor)

(2) M/s Harsh & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1358/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I
S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 58-A situated at Puddapurur Road, Calcutta,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in two storeyed brick built building
together with 9.73 cottahs of land being premises No. 58-A,
Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R.A. Calcutta
vide deed No. 2621.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-11-1983
Seal ;

FORM ITNS—

(1) The Delhi Registered Stock Holders (Iron and Steel) Association Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima Sarkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1983

Ref. No. 1348/Acq.R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1A Flat No. 22 situated at Ballygunge, Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, on 1st floor at 1A, Ballygunge Circular Road, Calcutta Regd. before SRA Calcutta, vide Deed No. 2069.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1983

Ref. No. 1349/Acq.R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1C, (Flat No. E) situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Mrs. Lalo Puri, Raghu Raj, Puri, Ved Prokash Mehta, Pradip Mehta, Prithvi Raj Bakshi, Pradeep Raj Bakshi all partners of Tinwald Properties, (Transferee)
- (2) Maharashtra Parivhan Private Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'E' on the ground floor, in Block—'A' of Multi Storeyed building "Trivoli Court" premises No. 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta Regd. before SRA, Calcutta vide deed No. 3253.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Birendra Chandra Chakraborty.
(Transferees)NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Ajoy Kumar Saha.
Smt. Gouri Rani Saha.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1983

Ref. No. 1350/Acq.R-III/Cal|83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza—Bansdrani, P.S.—Regent Park, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipur on 1-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that price or parcel of land measuring 9 cottah, situated at Mouza-Bansdrani, P.S. Regent Park, Regd. before SRA, Alipur vide deed No. 1354.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-11-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Abu Ayub Faiyyer Rahaman, Safia Khatoon,
Fatima Khatoon.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bimalendu Dutta.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1983

Ref. No. 1351/Acq.R-III/Cal/83-84.—Whereas I,
S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. 33 situated at Jheel Road, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Alipur on 14-3-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 2 cottahs together
with structure situated and lying at 33, Jheel Road, Cal-
cutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mariyam Jafar Hussain.

(Transferor)

(2) H.A.G. Carpets Private Limited and Another,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. IACTR-77/83-84/SI. 801 IAC/Acq.R-I/Cal.—
Whereas I, S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R.A. Calcutta on 19th March 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and
partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4
Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon Street, Calcutta.
Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta
vide No. 2803 dt. 19th March, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref No. TR-78/83-84/SI. 802 IAC/Acqn.R-I/Cal.---

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 19th March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Zubaida Bai & Another. (Transferor)
(2) H.A.G. Carpets Private Limited. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4 Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon Street, Calcutta. Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide No. 2804 dt. 19th March, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983
Seal:

FORM ITNS—

(1) Jafar Hussain Abedall (Bharmal).

(Transferors)

(2) H.A.G Carpets Private Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-76/83-84/Sl.803 IAC[Acqn.R-I]Cal.—

Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 19th March 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

42—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and
partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4
Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon Street, Calcutta.
Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta
vide deed No. 2802 dt. 19th March 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. TR-75/83-84/SI804 IAC/Acqn. R-I/Ca] —
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

1 situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mohammadul Bakir (Transferor)
(2) H.A.G. Carpets Pvt. Ltd. & Ors. (Transferee)
(3) Md. Giasuddin & Ors. (Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one & partly two storeyed building measuring an area 15K-4Ch-8 s. ft. being premises No. 1, Ripon St., Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2801 dt. 19-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. TR-65/83-84/Sl. 805 IAC/Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/3 situated at Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 21-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|-------------------------------|-------------------------|
| (1) Sri Durga Das Kuthe | (Transferor) |
| (2) Prabartak Trust | (Transferee) |
| (3) Tripura Colour Co. & Ors. | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building at premises No. 52/3, Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta with land 7K-8Ch-17S. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2831 dt. 21-3-83

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Tarak Nath Dhar & Others. (Transferor)
 (2) Mrs. Amina Siddiquee. (Transferee)
 (3) Tenanted. (Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-63/83-84/Sl. 806 IAC/Acq.R/I/Cal.—
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 No. 267, situated at Bepin Behari Ganguli Street, Calcutta.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 R.A., Calcutta on 22-3-1983
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that two storeyed brick build dwelling house with land
 measuring 4 K-9Ch-37 S. ft. at premises No. 267 Bepin
 Behari Ganguly Street, Calcutta. Registered before the Regis-
 trar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2912 dt. 22nd
 March, 83.

S. K. CHAUDHURI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 14-11-1983
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-67/83-84/Sl. 807 IAC/Acq. R-1/Cal.—
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at London Street (portion), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 31-3-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Purbaa Nirman Udyog Private Ltd. (Transferor)
(2) Smt. Pannadevi Kajaria. (Transferee)
(3) Transferee herself. (Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that half undivided 1/2 share of flat No. 4A on the 4th floor measuring 2000 Sq. fts. approx. together with fixture and fittings with proportionate share in the land at premises No. 3, London Street (portion) Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3332 dt. 31-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-68/83-84/SI. 808 IAC/Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, situated at London Street (portion), Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 31-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|------------------------------------|-------------------------|
| (1) Purbasa Nirman Udyog Pvt. Ltd. | (Transferor) |
| (2) Smt. Bimla Devi Kajaria. | (Transferee) |
| (3) Transferee herself. | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that half undivided 1/2 shares of flat No. 4A on the 4th floor measuring 2000 Sq. fts. Approx. together with fixtures and fittings with proportionate share in the land at premises No. 3, London Street (portion) Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3333 dt. 31-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri A. L. Chopra. (Transferor)
 (2) M/s. Universal Heavy Mechanical Lifting Enterprises. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-66/83-84/SI. 809 IAC/Acqn. R-I/Cal.—
 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73A & 73B, situated at Theatre Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 21-3-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

73A & 73B, Theatre Road, Calcutta with land measuring 7K. 11 Ch.-37 s. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2833 dt. 21-3-83.

S. K. CHAUDHURI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anwar Bibi.

(Transferor)

(2) Smt. Puspā Jain alias Choraria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. o. TR-74/83-84/SI. 810 Cal/Acq. R-I/IAC.—
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 96B, situated at Dikhusa Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 21-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the piece and parcel of land containing an area of 3 Cottahs with structure situated at 96B, Dikhusa Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2830 dt. 21-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Surendra Nath Kundu & Ors. (Transferor)
(2) Sri Ganesh Chandra Roy. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-84/83-84/Sl. 811 IAC/Acqn R-I/Cal.—
Whereas, I. S. K CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 4G, situated at Lokenath Bose Garden Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at S.R.A, Sealdah on 2-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

43—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No 4G, Lokenath Bose Garden Lane, Calcutta
Sealdah vide deed No. 48 dt. 2-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sk. Mohammed Omer.

(Transferor)

(2) Shri Sk. Mohammed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-50/83-84/Sl. 812 IAC/Acqn. R-I/Cal — .
Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 9, situated at Nawab Serajul Islam Lane, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R.A., Calcutta on 9-3-83,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building at 9, Nawab
Serajul Islam Lane, Calcutta area 7K-16Ch-34 s ft. Registered
before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed
No. 2326 dt. 9-3-83

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

Date : 14-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. AC-65/ACQ. R-IV /CAL/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 220-A situated at Naskarpara Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 23-3-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kanhaiyalal Ratwa
Jugal Kishore Sharma
Surajmal Matolia,
Trustees, Shree Ram Chandra Trust,
3, N. S. Road,
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. Universal Machines Ltd.,
104, Stephen House,
4, B. B. D. Bagh East,
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 68 Kottahs, 8-chattaks, 19 sqft with structure
Address : Plot No. 1, 2 & 12, 220-A Naskarpara Road,
P. S. Malipanchghora, Dist Howrah.
Deed No. : 1770 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Ruff Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. AC-66/ACQ. R-IV, CAL/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 220-A situated at Naskarpara Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 23-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kanhaiyalal Ratwa
Jugal Kishore Sharma
Surajmal Matolia,
Trustees, Shree Ram Chandra Trust,
3, N. S. Road,
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri S. R. Jhunjhunwalla,
104, Stephen House,
4, B. B. D. Bagh East,
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 32-cottahs, 9 chattaks, 27 swft with structure.
Address : Plot No. 8, 220-A, Naskarpara Road, P. S. Mahipanchghora, Dist. Howrah.
Deed No. 1772 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1983

Ref. No. AC-68/ACQ. R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/4 situated at Sarat Chandra Dhar Road, P. S. Baranagore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 4-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' in the following persons, namely :—

- (1) Sri Ghanashyam Saha,
43, Haritaki Bagan Lane,
P. S. Battola, Calcutta-6. (Transferor)
- (2) Sri Madhu Sudan Saha,
3-B, Haritaki Bagan Lane,
P. S. Battola, Calcutta-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 2-cottahs, 9 chattaks 40 sqft land with building.
Address : 19/4, Sarat Chandra Dhar Road, Mouja-Noapara, P. S. Baranagore, Dist. 24-Parganas.
Deed No. 2160 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. M. Yusuf
Palikandi House,
Thiruvangad,
Tellicherry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. C. M. Radhakrishnan,
National Clinic & Nursing Home,
Chittakkara, Tellicherry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 9th November 1983

Ref. I.C. No. 671/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. as per schedule situated at
Tellicherry

and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Tellicherry on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

TIF SCHEDULE

19 cents of land in R.S. No. 9, Ward 17 Block 1 in Tel-
licherry Municipality, vide Doc. No. 461/83 dated 16-3-83
of SRO, Tellicherry.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pinakulam.

Date : 9-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochine-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 663/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Transfer of Property Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar at Kottappady on 28-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kausalya,
W/o K. S. Chathunny,
Kollara House,
Mission Quarters, Trichur. (Transferor)
- (2) 1. Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil House, Karakkad, Guruvayur P.O. 2. Smt. Pulicharam Veetil Pathukunhi, D/o Andullakutti, Karakkad. 3. Karuppamveetil Aboobacker, S/o Assanar, Edakazhiyur. 4. Karuppamveetil Monutty, Karuppamveetil, Edakazhiyur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed bearding and lodge building in Sy. No. 104/1 & 104/3 of Guruvayur Township.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016
Cochin-662016, the 8th November 1983

Ref I C No 672/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No. as per schedule situated at Vazhoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Pampady on 27-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. V. Thomas,
(2) Smt. Sosamma, W/o Mr. MV Thomas,
Kallupurayil House, Vazhoor,
Changanachery Taluk. (Transferor)
(2) Mr. V. V. Itty,
Vadakkekkara House,
Vazhoor. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

29½ cents of land in Sy. No. 38-1A-7.3/182 in Vazhoor Village, vide Doc No. 792/83 dt 27-3-83 of S.R.O. Pampady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochine-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 664/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at
Guruvayur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Office at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

44—376GI/83

(1) Sri K. C. Prakasan,
S/o K. S. Chathunny,
Kollara House, Mission Quarters,
Trichur.

(Transferor)

(2) 1. S/Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil Veedu, Karakkad, P.O. Guruvayur 2. Smt. Pathukunhi, D/o Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K. Aboobacker, S/o Katupparamveetil Assainar, Edakazhiyur, 4. Sri Monutty S/o Karupparamveetil Assainar Edakazhiyur, 5. K. V. Abdulgafoor S/o Pokkutti Haji, Katupparamveetil, P.O. Edakazhiyur 6. V. Pokkutti, Valiyakath House, P.O. Edakazhiyur, 7. V. Kunhimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House P.O. Venmanad, 9. V. Mohamed Haji, 10 V. Ummer, 11. V. Usman, 12 V. Hamza Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad, 13 M. V. Hyderali, Veetiparambil House, PO. Edakazhiyur. 14. C. V. Jameela, Cheruvayil House PO. Karumathara. 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O. Venmanad, Pavaratty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township, Vide oc. No. 434 dt. 30-3-1983 of SRO, Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 3rd November 1983

Ref. I.C. 665/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule at Guruvayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. C. Vasudevan
S/o K. S. Chathunny,
Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. Aboobaker, Kalluvallappil Veedu, Karakkad, P.O. Guruvayoor. 2. Smt. Pathukunhi, Pali-charam Veedu, D/o Abdullakutty, Karakkad. 3. Karupparamveetil Aboobacker S/o Assainar, Edakazhiyur. 4. Manutty Aboobacker, S/o Assainar, Edakazhiyur. 5. K. V. Abdulgafoor, S/o Pokkutti Haji. 6. V. Pokkutti, Valiyakath House, P.O. Edakazhiyoor. 7. V. Kunhimohammed. 8. V. Sidhique, P.O. Edakazhiyur. 9. CV. Mohammed Haji. 10. V. Ummer. 11. V. Usman. 12. V. Hamza, Valsurumveetil Erath House, P.O. Venmanad. 13. M. V. Hyderali. Veetiparambil House, P.O. Edakazhiyur. 14. Q. V. Jameela, Cheruvayil House, P.O. Karaumanthara, Trichur. 15. K. M. Abdulkhader, Padamannayil House, Venmanad P.O. Pavaratty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the boarding and lodge building in sy. No. 104/1, 104/3 in Guruvayoor Township, vide Doc. No. 343 dt. 30-3-83 of S.R.O. Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Tirunakulam.

Date : 3-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016.

Cochin-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 667/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Guruvayur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kottappady on 30-3-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri K. C. Vijayaraghavan,
Kollara House,
Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sri K. Aboobacker, Kalluvallappal Veedu,
Karakkad, Guruvayur. 2. Smt. Pathukunhim D/o
Pulcharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K.
Aboobacker. 4. Monutty, S/o Karuppamveetil. As-
sangan, Edakazhiyur. 5. K. Abdulgatoor, S/o Pok-
kutty, Haji, Karuppamveetil, P.O. Edakazhiyur. 6.
V. Pokkutty, Vuliakath House, Edakazhiyur. 7. V.
Kunhimohamed. 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath
House, P.O. Venmanad. 9. V. Mohamed Haji. 10.
V. Ummer. 11. V. Usman. 12. V. Habza, P.O.
Venmanad. 13. M. V. Hydeali, Veetiparambil House,
P.O. Edakazhiyur. 14. C. V. Jameela, Cheruvayil
House, P.O. Karumathara. 15. K. M. Abdulkhader,
Padannayil House, PO. Venmanad, Pavalatty,
Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed
boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3
in Guruvayur Township vide Doc. 143 dated 30-3-83
of SRO, Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-11-1983

Seal :

FORM TINS—

(1) K. S. Sasidharan,
Mission Quarters,
Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. K. Aboobaker, 2. Pathukunhi, 3. Karuppamveetil
Aboobacker, 4. Mamutty, 5. K. V. Abdul Gafoor,
6. V. Pokutty, 7. V. Kunhimohammed, 8. V. Sidhi-
que, 9. V. Mohammed, 10. V. Ummer, 11. V.
Usman, 12. Hamza, 13. M. V. Hyderali, 14. C. V.
Jameela, 15. M. M. Abdulkhader.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 3rd November 1983

Ref. L.C. 666/83-84.—Whereas, I,

P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Guruvayoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land the boarding and lodge
building in sy. No. 104/1, 104/3 in Guruvayoor Township
vide Doc. No. 343 date 30-3-83 of SRO, Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-11-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016.

Cochin-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 668/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. As per schedule situated at Guruvayur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :—

- (1) Sri K. C. Sunilkumar,
) Kollara House, Mission Quarters,
Trichur.

(Transferor)

- (2) Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil Veedu, Karakkad Guruvayur P.O. 2. Smt. Pathukunhi, D/o Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. S/Shri K. Aboobacker, 4. Monutty, S/o Karu/amveetil Assainar, Edakazhiyur, 5. K. Abdulgafoor, S/o Pokkuttu, Valiyakath House, Edakazhiyur, 7. V. Kunhimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad, 9. V. Mohammed Haji, 10. V. Ummer, 11. V. Usman, 12. V. Hamza, V. Mohamed Haji, 13. M. V. Hyderali, Veeuparambil House, 14. C. V. Jameela, Cheruvayil House, Edakazhiyur, P.O. Karumathara, 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, Venmanad, Pavaratty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township vide Doc. No. 343 dated 30-3-83 of SRO., Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, C.S. MENON COLONY
KALATHIPARAMBIL ROAD
COCHIN-662016

Cochin 662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. No. 669/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. K. C. Anilkumar
Kollara House,
Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

- (2) 1. Sri K. Aboobacker, Kalluvallappil Veedu, Karakkad, Guruvayur. 2. Smt. Pathukunhi D/o Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K. Aboobacker. 4. Monutty, S/o Karuppanveetil Assainar, Edakazhiyur. 5. K. Abdulgafoor, S/o Pokkutty Haji, Karuppanveetil, P.O. Edakazhiyur. 6. V. V. Pokkutty, Valiyakath House, Exakazhiyur. 7. V. Lunbimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad. 9. V. Mohamed Haji. 10. V. Ummer, 11. V. Usman, 12. V. Hamza P.O. Venmanad. 13. M. V. Hyderali, Vettiparambil House, P.O. Edakazhiyur. 14. C. V. Jameela Cheruvayil House, P.O. Karumathara. 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O. Venmanad, Pavaratty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 Cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township vide Doc. No. 343 dated 30-3-1983 of SRO., Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-11-1983
Seal :

- (1) K. C. Pyarelal (minor),
Rep. by guardian and father K. S. Chathunny,
Kollara House, Mission Quarters,
Trichur.
(Transferor)
- (1) S/Sri K. Aboobacker, Kulluvallappil Veedu,
Karakkad, P.O. Guruvayur, 2. Smt. Pathukunhi, D/o
Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad.
3. Sri K. Aboobacker, S/o Karuppamveetil
Assainar, Edakazhiyur, 4. Sri Monutty S/o
Sri Karuppamveetil Assainar, Edakazhiyur,
5. K. V. Abdulgafoor, S/o
Pokkutti Haji Karuppamveetil, P.O.
Edakazhiyur, 6. V. Pokkutti,
Valuvakkal House, P.O. Edakazhiyur,
7. V. Kunhimohamed 8. V. Sidhique Vasiyamveetil
Erath House, P.O. Venmanad 9. V. Mohamed
Haji, 10. V. Ummer 11. V. Usman
12. V. Hamza P.O. Venmanad 13. M. V. Haderali
Veetiparambil House, P.O. Venmanad 14. V.
Jameela, Cheruvayil House, P.O. Venmanad,
15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O.
Venmanad, Paveratty, Trichur.
(Transferee)

Ref. L.C. 670/83-84.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. As per Schedule situated at Guruvayur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kottappady on 30-3-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/8th share in 53.50 cents of land the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guuvayur Township, vide Doc. No. 343 dated 30-3-83 of SRO., Kottappady.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 307/83-84.--Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 35 situated at Cheemalapalli Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Appalanaidu S/o Shri Tataiah,
Kotha Janyapuram, Vizag-16.

(Transferor)

- (2) Sri Venkateswara Co-op. House Building Society,
Akkayyapalem, Vizag-16.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of Ac-0-97 at Cheemalapalli, Vizag, in S. No. 35, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2997/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Paramount Constructions,
D. No. 11-2-16, Vizag.

(Transferor)

(2) Shri V. Krishna Mohan,
Telangana Paper Mills, Maharanieta, Vizag.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 308/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-1-16CC situated at Vizag, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 16-1-16-CC, situated at Vizag, area of 1100 sq. ft registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 2821/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 309/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-3-9 situated at Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Randhi Somaraju S/o Late Shri China Apparao, Vizag,
(Transferor)
- (2) Shri B. Shanti Krishna,
C/o. Leela Mahal, Dabagardens, Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D. No. 3-3-9, at Vizag, area of 634 sq. yds., registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2437/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 310/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 77/10 situated at Vopagunta Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri U. Laxmupathiraju S/o Shri Krishnamraju,
Gajapathinagaram, Vizianagaram.
(Transferor)

(2) Shri M. China Apparao,
The Gopalapatham Co-op. Building Society Gopalapatnam, Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac-1-50 in Vopagunta in S No. 77/10 Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2289, 2279/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 311/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 54/360 situated at Rajupalem Anakapalli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
as per deed registered under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Anakapalli on March 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) Shri B. S. Murthy Raju, Sri K. Surya Gopalaraju,
Nidanmdoddi, Anakapalli, Vizag,
(Transferor)
(2) Shri G. V. Krishna Prasad S/o Shri Sambasivarao,
M/P. M/s. Mecfabs, Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac-7-42 situated at Rajupalem, in S. No. 54/2,
registered with S. R.O. Vizag, vide document No. 786, 787/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 312/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 444/1 situated at Kothareddy palem, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chebrolu on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ch. Sambasivarao, & Others,
Ponnur, Guntur Dt. (Transferor)
- (2) Shri G. Sambireddy S/o Shri Pitchireddy,
Kothareddy palem, Tenali Tq., Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Do No. 4/56 Rice Mill & D. No. 444/1, area of 1-50 cents, at Kothareddypalem, registered with S.R.O., Chebrolu, vide document No. 373/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 313/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-5-15 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri P; V; Subbarao, Cherva Village, Bapatla, 2, Dr. P. Nandakumar, Cherva Bapatla, Tq. (Transferor)
- (2) Shri M. Rajendraprasad S/o Shri Nageswararao, 27-5-15, Kannavarithota, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 27-5-15, Kannavarithota, Guntur, second floor building area of 101-1/3 sq. yds., registered with S.R.O., vide document Nos. 2291 5338/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Shri G. Ramanayya S/o Ch. Venkayya,
Shri G. S. Veerabhadrarao, Penapadu PO Tenali, Tq.
Guntur Dt.
(Transferor)

(2) Shri R. S. Sankararao S/o Shri Reddayya, Tenali.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 314/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 608/1 situated at Tenali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

RCC Daba in Tenali in T. S. No. 608/1, area of 363-2/3, sq. yds., registered with S.R.O., Tenali, vide document No. 659/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 315/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 131/2 situated at Gorantla & Venigandla, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. Narareddy, & Others Reddypalem, Guntur. Nallakunta, Hyderabad. (Transferor)
(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Gorantla & Venigandla, in S. No. 131/2, 30/2, 38-N, 31, registered with S.R.O. Guntur, vide document Nos. and area as under :—

S. No.	Document No.	Area in A-cents.
1.	1995/83	1—12
2.	1994/83	5—54
3.	1916/83	5—54
4.	1915/83	4—12
5.	1691/83	1—48
6.	1886/83	1—26
7.	1885/83	0—54
8.	1859/83	1—00
9.	1658/83	0—50
10.	1594/83	0—55
11.	1575/83	1—90
12.	1993/83	0—95

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri K. Ramesh Babu S/o Shri Singayya,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri K. Srihari Babu & Others, S/o Shri Tirupathi-
rayudu, Kalaparru, Chilakaluripeta, Tq., Guntur Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC, No. 316/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 275/A situated at Palakaluru, Guntur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908 in the office of the Registering Officer at
Guntur on March 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

33—366 GI/83
46—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice,
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 0-23 in S. No. 275/A at Palakaluru, registered with
S.R.O., Guntur vide document No. 1609/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 317/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 216/1 situated at Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ch. Guravayya & Others, Ramanjakutam, Guntur,
(Transferor)

(2) S. Dhanalaxmi W/o Shri Subbaro,
Pattabhipuram, Guntur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac-1-67 in D. No. 216/1, Guntur registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2425/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 318/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 496 situated at Gorantla, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Venkata Swamu S/o Shri Narasaiah,
Gorantla, Guntur Tq. Dt.

(Transferor)

- (2) Ch. Raghavaiah S/o Shri China Ramaiah,
Gorantla, Village, Guntur Tq. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac-5-54 cents, in S. No. 496, at Gorantla, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2175/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 319/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/3F situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Makhtumbi W/o Late Mahamad Khasim Sahib, Bhavanipuram, Vijayawada, (Transferor)
(2) G. Apparao, The Vijayawada Iron & Hardware Merchants Commercial Complex Welfare Society, Steel Palace, Samaramgam Chowk Main Bazar, Vijayawada-520001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 0-50, in R.S. No. 16/3E, at Vijayawada, vide document No. 2266/83, registered with S.R.O., Vijayawada.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 320/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. Krishna Kumari W/o Shri K. Jagadeswara Chowdary, D. No. 5-127, Patamala, Vijayawada-6.
(Transferor)

(2) Shri N. T. Ramanuja Gupta S/o Late N. Laxmi Narasimham, No. 37, State Bank Officers Colony, Benze Circle, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 500 sq. yds. at Nts. No. 75 at Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2367/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Y. V. N. B. Kutumbarao & Sons,
Meduru, Yuyyur Tq., Krishna Dt. (Transferor)
- (2) Shri M. Ravindranath S/o Shri Nagabhushanam,
Brahmin Street, Vijayawada-1. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 321/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. NTS 89 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site 396 sq. yds. NTS. No. 89, at Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2404, 2432/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 322/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11-13-420, situated at Vijayawada (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) G. Ramarao s/o
Subrahmanyam,
Vastralata, Vijayawada

(Transferor)

(2) K. V. Sambasiva Rao
s/o Anjaneyulu,
Pottiswamy Street,
Vastrilata Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.T. Building, D. No. 11-13-420, area of 46 sq. yds, at Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 2414/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 323/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 455, situated at Vijayawada on March, 1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Gangalah, Etc.
Vabbipeta,
Vijayawada-10.

(Transferor)

(2) B. Madhusudhanareddi,
Venkateswarapuram,
Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in STS. No. 455/area of 599-96 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2406/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority/
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 324/83-84.—Whereas J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-11-33, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) G. V. Ramananuma
w/o Sri V. Ramakrishna Rao,
Goparajumachandirao Road,
Suryaopet,
Vijayawada 2.

(Transferor)

(2) A. M. Raman, & Savitri,
Dasaravari Street,
Suryaopet,
Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upstair Building D. No. 29-11-33, area 465 sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2434/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—376GI/83

Date . 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS-----

(1) J. Rana rao,
s/o Venkateswararao,
Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) T. Trumal Rao s/o
Surya Prakash Rao,
Teknical Nagar,
Vijayawada.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 325/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-416, situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 11-416, area of 311 sq. yds. registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1801/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

(1) M. A. V. M. Krishnarao s/o
Sri Ramasundararao,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) N. Dhanalaxmi w/o
Chalapathirao,
Gunturvai Street,
Vijayawada-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. RAO No. 326/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/117, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building D. No. 23/117, situated at Vijayawada area of 218 sq. yds, registered with S.R.O., vide document No. 1924/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No RAC No. 327/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 454 & 455, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) K. Venkateswararao & Others,
Somavarapupadu, Bhimadole,
W.G. Dt. (Transferor)
- (2) Y. Pullaiahlingam, S/o
Late Veranna, C/o
M/s. Sri Vidyanatha Vastrayavam,
Mainroad,
Vijayawada-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site of 782 sq. yds, in S.B.S. No 454 & 455, at Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2287/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 328/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 483, situated at Nuzivid (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzivid on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. M K Apparao s/o
Ramachandria Apparao,
Chilkoti Gardens, Begumpetax,
Hyderabad-16.

(Transferor)

(2) G. Anasuya Devi,
w/o Laxminarayana
Watertank Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 30-00 Acre, in R.S. No 483, at Nuzivid registered with S.R.O., Nuzivid vide document No. 612/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 7th November 1983

Ref. No RAC No. 309/83-84.—Whereas J. M. GEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 191/6A, situated at Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. V. Laxmi d/o Sri Hanumantha Kumar,
Padamata,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Rajkumar Co-op. Building Society,
Sri Buska Rangayya,
Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 0-50 Cents, in S. No 191/6A at Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2258/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 330, 83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

85, situated at Korumamidi, Nidadavolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nidadavolu on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. Satyanarayana & Others
s/o Subbarayudu,
Korumamidi W.G. Dt.

(Transferor)

(2) A. V. V. N. Satyanarayana s/o
Bulli Abbai,

Pydiparlu : Tanuku, Tq., W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 336 sq. yds, in S. No. 851A/2, at Korumamidi, registered with Nidadavolu, vide document No. 672, 673/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No RAC No 331/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

99, situated at Chilakaluripeta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Lakshmaiah s/o V. Bapuaiah
Chilakal uripeta, (Transferor)
- (2) Evangelist S. John David s/o Gabriel,
Director AMG India International,
Chilakal uripeta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac. 5-50 Cents in S. No. 99, at Chilakaluripeta, registered with S.R.O., Chilakaluripeta, vide document Nos. 294, 293, 278, 300, 299, 296, 280/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. C. Kondaiah, & 3 Others,
S/o Ramaiah Kandukuru,
Town Prakasham, Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. Subhaiah, S/o Subhaiah,
The Kandukuru Non-Gazetter Government Officer's
Co-op. Building Society Ltd., Kandukuru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th November 1983

Ref. No. RAC. No 332/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 679 situated at Madhavaram Kandukuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kandukuru on March '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land of Ac-4-00, in S. No. 679, at Madhavapuram registered with S.R.O., Kandukuru, vide document Nos. 121, 122, 123/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
48—376GI/83

Date 5-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC. No. 617/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Laxmi Bai, w/o Madanlal Agarwal,
4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Kisenji Sadh and 2 others,
4-1-10/B/9/1,
Tilak Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in H. No. 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad
admeasuring 3800 sqft., registered by the S.R.O., Hyderabad
vide document No. 1145/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri S. Venugopal Rao, s/o late S. Veeraswamy Naidu, 3-6-736/737, Himayathnagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri S. Jegan, Mohan Rao, s/o S. Venkat Rao, Advocate, Nirmal, Adilabad Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC. No. 618/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 3-6-736 and 737 situated at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 606 sq. yds. of land area and 2000 sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1920/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ahmadunnisa Begum, w/o late Faiz Ahmed Khan, 4-1-6, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Bhagyanagar Cooperative Housing Society Ltd., by Sri D. Surender Rao, New MLA Quarters, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC No. 619/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Bagh Lingampally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 500 sq. yds. situated at Bagh Lingampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1808/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Suran Trade and Finance Corporation Ltd.,
Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uday Engineering Company, Tlak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC No. 620/83-84.—Whereas, I M. JEGAN
MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Ghasmandi, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property admeasuring 1673 sq. ft., plinth area and
177 sq. yds. land area situated at Ghasmandi, Secunderabad
registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No.
133/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Sri Bantu Narasimhulu and Others,
H. No. 6-19-150, Gurbabadi, Nizamabad.
(Transferor)

(2) Sri Neelakantham Nagar Cooperative Housing
Society, Rep. by Sri L. Jagath Reddy,
House No. 6-8-1/1, Namdevavada,
Nizamabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1983

Ref. No. RAC No. 621/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Kanteswar, Nzb

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2-02 acres situated at Kanteswar, Nizamabad registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 987, 988 and 1062/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 17-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE .
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1983

Ref. No. RAC No. 622/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Hakeempet R. R. Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Hashim Ali Khan and Others,
3-6-361/4 Basheerbagh, Hyderabad
(Transferee)

(2) The Mahalaxmi Cooperative Housing Society Ltd.,
Rep. by President A. Narasimha Reddy,
s/o Papi Reddy, 10-9-756, Old Malakpet,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 10 acres 30 guntas situated at Hakeempet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document Nos. 758 and 759/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 17-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shail Krishna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Udai Kumar Agarwal
2. Shri Jagdish Kumar Agarwal

(Transferee)

(3) Smt. Shail Krishna

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. 4-28/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1 and 4 of Plot No. 2 of 46/67 situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 and 4 of Plot No. 2 of 46/67, situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow and construction on plot measuring 1665 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7170, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-11-1983.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shail Krishna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ranjana Garg

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Shail Krishna

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 9th November 1983

G. I. R. No. R-195/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Part of Plot No. 46/67 situated at Butlerganj Housing Scheme, Wazir Hasan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 2, a part of plot No. 46/67 and construction thereon situated at Butlerganj Housing Scheme, Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7211 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
49—376GI/83

Date : 9-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Shail Krishna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra Kumar Agarwal

(Transferee)

(3) Smt Shail Krishna

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. N-68/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 measuring 930 sq. ft. and construction thereon which forms a part of plot No. 46/67, situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7173, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-3-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-11-1983.
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. M-161/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Waheed Nagar, Najibabad, Distt. Bijnor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najibabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Surendra Kumar Khanna
2. Shri Inderjeet
3. Smt. Raj Rani
(Transferor)
- (2) 1. Shri Mahendra Singh
2. Shri Jeet Singh
3. Shri Balbeer Singh
4. Shri Trilochan Singh
(Transferee)
- (3) Above sellers
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring about 702½ sq. mtrs. situated at Waheed Nagar, Najibabad, Distt. Bijnor, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 698, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Najibabad, Distt. Bijnor.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-11-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. K-122/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122, situated at Mauza-Agoo, Pargana & Tehsil-Safipur, Dist. Unnao, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Unnao on 10-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Govardhan Prasad
2. Shri Gopal Dutt
3. Shri Shiv Dutt
4. Shri Ram Dutt
5. Shri Shree Dutt
(Transferor)
(2) 1. Shri Krishna Verma
2. Smt. Ram Parcy
(Transferee)
(3) Above sellers,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Bighas 5 Biswa and 1 Biswansi situated at Mouza-Agoo, Pargana & Tehsil—Safipur, Dist. Unnao, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 411 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Unnao, on 10-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-11-1983.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Laxmi Devi
(Transferor)(2) Smt. Kaushalya Devi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. K-121/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. One Arazai situated at Chawni, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Arazai measuring 167,806 sq. mtrs, situated at Chawni, Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1811, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-11-1983.
Seal.

FORM NO. I.T.N.S. _____

- (1) Smt. Prakash Murhy
(Transferor)
- (2) Indian Potash Limited (Company),
20, Jopling Road, Lucknow,
Represented by Shri Sundarlal Thakor.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. I-16/Acq.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land on which building upto plinth level situated at 3, Gokhle Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 7,469 sq. ft. on which building upto plinth level has been built, situated at 3, Gokhle Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7222 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Hira Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Chunni Lal
2. Smt. Kamla Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. C-38/Acq.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One House situated at Mohalla-Tavela, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 141.73 sq. mtrs. situated at Mohalla-Tavela, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1718, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-11-1983.
Seal :

FORM ITNS-_____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRTH MARG,

Lucknow the 10th November 1983

G. I. R. No. A-120/44. Whereas, I, A PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Butteganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Shail Krishna
(2) 1 Shri Anand Agarwal
2 Shri Amit Kumar Agarwal
(3) Smt Shail Krishna
- (Transferor)
(Transferee)
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 2 measuring 4005 sq ft nad construction thereon which forms a part of plot No. 46/67, situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37C No 1175, which have duly been registered, in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-3-1983.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Lucknow

Date : 10-11-1983
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G.I.R. No. S.283/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Arazi No. 198 situated at Village Nagla Rakhi, Distt. Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Budaun in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—
50—376G1/83

- (1) 1. Dharmo
2. Smt. Kalawati.
3. Rajendra (Minor).
(Transferor)
(2) M/s. Sarwagiya Vikas Sahkari Avas Samiti Ltd.
Budaun
22, Patiyali Sarai, Budaun.
(3) Above seller.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 198, situated at Village-Nagla Rakhi, Distt. Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4056, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 11-11-1983
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. S. 282/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi No 196 situated at Village Nagla Rakhi, Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dharmo.
2. Smt. Kalawati.
3. Rajendra (Minor).

(Transferor)

- (2) M/s. Sarwagiya Vikas Sahkari Avas Samiti Ltd.,
Budaun, 22, Patiyali Sarai, Budaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 196, situated at Village Nagla Rakhi, Distt. Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 4141, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G.I.R. No. G-61/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A plot of land bearing Gata No. 1754 situated at Village Asalatpur Jarai, Tehsil-Bilari, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandausi on 25-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Omwati, (Transferor)
(2) Gandhi Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd.,
Chandausi, Moradabad
Though its President, Shri Ashok Kumar Singh and
Secretary, Shri Kamal Kumar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing Gata No. 1754, measuring 1.71 acres, situated at Village Asalatpur Jarai, Tehsil Bilari, District Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 781, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Chandausi, on 25-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

Ref. No. G-60/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Arazu Bhumidhari situated at Mauza Chawni Kadim, Pargana-Khairabad, Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Din.

(Transferor)

(2) Shri Guru Nanak Sabkari Avas Samiti Ltd.
Sitapur through Shri Guru Charan Singh, Secretary.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari No. 1002, measuring 0.39 decimals and 1028/1127, measuring 0.8 decimals total 0.47 decimals situated at Mauza Chawni Kadim, Pargana Khairabad, Distt. Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 895, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sitapur, on 26-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Atal Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/. A. L. & Company,
Faizabad Road, Chinhat, Lucknow

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. 121/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Khasra Nos. 343, 344A and 344B situated at Kanchanpur-Matiyari, P.O. Chinhat, Distt. Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0 Bigha 13 Biswa 17 Biswansi comprising of Khasra Plot Nos. 343, 344A and 344B situated at Village Kanchanpur Matiyari, P.O. Chinhat Tehsil & Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form No. 37G/108 of 1983, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Charan Goyal, G-72, Phase-I, Ashok Vihar,
Delhi-110052.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kiran Mehra, 513/8, Dev Lok Street
Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/37LF/3-83/16.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. A/61/5, situated at G. T. Karnal Road Industrial Area,
Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range-II in March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer:
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of the building at A-61/5, G. T. Karnal Road Indus-
trial Area, Delhi. Total area of the plot is 3630 sq. ft. on
which the building is constructed, half of which is transfer-
red.SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.Date : 15-11-83.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chander Mohan Prop. Chander Mohan & Co.
Cottage No. 7, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Om Parkash S/o Shri Madan Lal
R/o F-13, Ashok Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/AcqII/37EE/3-83/17.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. G-1/10, situated at Lawience Road, Industrial Area,
Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range-II in March 1983

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. G-1/10 mg 500 sq. yds. in village Shakurpur
abadi, Lawience Road, Industrial Area, Delhi-52.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-11-83.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref No IAC/ACQ-II/37EE/3-83/18 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Space No. 23, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range-II in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ajay Enterprises Private Ltd,
Eros Cinema Building, Jangpura Extn
New Delhi (Transferor)
(2) Mrs Usha Sawhney W/o Sh Badi Nath Sawhney
D-64 Adrish Nagar Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No 23, area approx 243 sq ft in the building at Plot No B 2/4 Naniwala Azadpur, Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 15-11-83.
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s R. C. Sood & Co., (P) Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extension, New Delhi.
(Transferor)(2) Sh. Ashok Narayan S/o Sh. V. S. Sharma
C-II/5, Model Town, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acft II/37EE/3-93/21.—Whereas, I SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Space No. 23, Plot No. A-2/1, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 23 on ground floor in Plot No. A-2/1, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi area approx. 197 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-83,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/3-63/22.—Whereas, I
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Space No. 22, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Bagh
Azadpur Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range-II in March 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mr. Ajay Enterprises (P) Ltd.
Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn., N. Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Rama Sinha & Mr. Sanjay Sinha S/o Sh.
A. K. Sinha 667, First Floor Sector-6, Panchkula,
Haryana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 22 on ground floor in Plot No. B-2/4, area
approx. 200 sq. ft., at the building, Naniwala Bagh, Azadpur,
Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-83.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s R.C. Sood & Co. (P) Ltd.,
Ercs Cinema Bldg. Jangpura Extn., New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Sanjay Sharma, Sh. Niraj Sharma, Sh. Suraj
Sharma and Sh. Rakesh Sharma, S/o Sh. D. R.
BM-4, Shalimar Bagh, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/3-83/23.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Space No. 24, Plot No. A-2/1, situated at Naniwala Bagh Azadpur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 24, on ground floor in Plot No. A-2/1, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi area approx. 197 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/3-63/24.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Space No. 20, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ajay Enterprises (P) Ltd.,
Eros Cinema Bldg. Jangpura,
Extension, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Usha Mutneja w/o Sh. Madan Lal Mutneja
& Sh. Madan Lal Mutneja S/o Sh. Jagan Nath
Mutneja, 584, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 20 on third floor, area approx. 350 sq. ft. in the bldg. at Plot No. B-2/4, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-83/10080.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/23 in Class-D, situated at Punjabi Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Rani Uppal W/o Sh. Dina Nath Uppal, Subash Chandra Uppal and Ramesh Chander Uppal s/o Sh. Dina Nath Uppal L-32, Partap Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Vinod Kumar Verma s/o Sh. Sidhu Ram r/o 25/23, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 25/23, in Class D, mg. 375.96 sq yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/3-33/10083 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 51, Mpl. No. XV/6, 7662, situated at Paharganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office, of the Registering Officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sanjay S/o Shri Om Parkash
R/o 51, Ram Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Shiv Kumar S/o Shri Lakshmi Narayan,
r/o B-303, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 51, bearing Mpl. No. XV/7662, Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi mg. 121 66 sq yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIG-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-83/10096.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2088, situated at Bazar Sita Ram, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—
40—366 GI/83

- (1) Sh. Banwari Lal, Girdhari Lal
s/o Sh. Rameshwar Dass
A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Nath Gupta s/o Sh. Prem Nath Gupta.
r/o 4457, Nai Sarak, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. .

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-storeyed bldg. bearing property No. 2088, Katra Gokalshah, Bazar Sita Ram, Delhi mg. 145.17 sq. yds. .

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR/3-83/10100.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ground Floor of 1546, situated at Patandi House, Darya Ganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer New Delhi in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kesar Kaur d/o S. Jawand Singh and Smt. Inder Kaur w/o S. Santokh Singh r/o 1546, Darya Ganj, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Brij Bhushan Jain s/o Sh. Faqira Mal r/o 53/44, WEA, Karol Bagh, New Delhi and Ramesh Chander Beri s/o Sh. K. N. Beri r/o 1559, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. 1546, Patandi House, Darya Ganj, Delhi mg. 80 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/3-83/10112.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-35, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
52—376GI/83

(1) Smt. Tara Rani Suri w/o
late Sh. Damodar Dass, Sui, r/o
B-1/215, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hans Raj Chawla s/o
Sh. Sham Dass Chawla alias
Sham Lal Chawla
r/o C-35, Bali Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. C-35, mg. 150 sq yds, situated at Bali Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/3 83/10124.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-2, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chela Ram s/o Bhola Ram,
r/o C-47, Sudarshan Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Piara s/o Sh. Roop Chand,
r/o House No. T-150, Baljit Nagar,
near West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. H-2, Bali Nagar Colony, Najafgarh Road, New Delhi, measuring 150 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/10130.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. A-3/4, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajender Kumar, Surender Kumar,
ss/o Sh. S. D. Manaktulla,
A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Banwari Lal, Sh. Girdhari Lal,
ss/o Sh. Rameshwar Dass Aggarwal
i/o 2088, Katra Gokalshah, Bazar Sita Ram,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi, measuring 470 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref No IAC/Acq. II/SR-1/3-83/10181.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. XII/8941,
situated at Gali Burash Wali, Naya Mohalla, Azad Market,
Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1983for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Devi w/o
Shri Sant Ram, Smt. Meera Devi W/o
Sh. Kishan Chand and
Smt. Ishwari Devi alias Ganeshi Devi
W/o Sh. Rochi Ram,
all r/o B-53, Phase-I, Ashok Vihar,
Delhi-52.

(Transferor)

- (2) Sh. Vijay Kumar s/o
Sh. Tehal Ram and
Smt. Chander Devi w/o...
Sh. Nichal Dass r/o
10139, Library Road,
Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XII/8941, mg. 148 sq. yds, situated at Gali
Burashwali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/10133.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FF of House No. 1266, situated at Faiz Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hardwar Lal s/o Chhanga Ram,
r/o 4241, Pahari Dhiraj,
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Padam Prasad Jain s/o Kachu Mal Jain,
r/o 4177, Gali Ahiran Pahari Dhiraj,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor in House No. 1266, at Faiz Ganj, Delhi, mg.
156 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/3-83/10134.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961* (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

845, situated at Tilak Gali, Kashmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Brahm Prakash s/o
Sh. Hulas Rai,
r/o 1467, Gali Patli, Daula Kajan,
Delhi, and
Vijendra Kumar s/o Sh. Banarsi Dass,
r/o 2495, Chhatta Shahji,
Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shiv Shankar Gupta and Hari Shankar sons of
Sh. Sanwal Ram,
Smt. Chameli Devi w/o
Sh. Raghunath Pershad r/o
B-2/17, Ashok Vihar-II, Delhi and
Smt. Shashi Gupta w/o
Sh. Surinder Gupta,
r/o H-27, Ashok Vihar-I,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of property No. 845 (new) and 498 (old) at Tilak Gali, Kashmeri Gate, Delhi measuring 160 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-/3-83/10138.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingGround Floor of Prop. No. 25-B,
situated at Banarsi Dass Estate, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the **Indian Income-tax Act, 1922**
(11 of 1922) or the said Act, or the **Wealth-tax**
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Jagpat Rai s/o Late Lala Deep Chand,
r/o 25-Banarsi Dass Estate, Timar Pur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Dinesh Kumar s/o Mahavir Pd.,
Mukesh Kumar s/o Mahavir Pd. (minor sons)
through their father and natural Guardian
Sh. Mahavir Parshad s/o
Jagpat Rai,
r/o 25-Banarsi Dass Estate, Timar Pur,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,**
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor portion of property No. 25-B (Part of
property No. 25) measuring 228 sq. yds. & common passage
measuring 51 sq. yds, at Banarsi Dass Estate, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/3-83/10142.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/5, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jawahar Singh s/o
S. Sobha Singh, s/o
40/5, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Verma w/o Sh. P. C. Verma,
Sh. Satish Verma s/o
Sh. P. C. Verma,
s/o 202 (DS), New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein **are defined in Chapter XXXA of the said Act**, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold property No. 40/5, East Patel Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/ 10143.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No

Q-39, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Prem Raj Gupta, attorney of
-
- Smt. Vidya Wati Sekher,
-
- r/o Q-39, Rajouri Garden,
-
- New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Asba Gupta w/o
-
- Sh. Prem Raj Gupta,
-
- r/o Q-39, Rajouri Garden,
-
- New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Q-39, Rajouri Garden, New Delhi, Ne Delhi,
measuring 200 sq. yds.SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New DelhiDate : 15-11-1983
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1018/83-84.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Mouje Mamurabad, C.S. No. 4-3-9 Land & Building
situated at Tal. & Dist. Jalgaon(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Jalgaon in March 1983for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaidproperty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Nathu D Chaudhary and others two
Jilhapeth,
Jalgaon.

(Transferor)

- (2) Shri Sharad Murlidhar Choudhary and others,
at & Post Mamurabad
Tal. & Dist. Jalgaon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as gives
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mauje Mamurabad, Tal. & Dist. Jalgaon—C.S. No. 4-3-9
Land and building.

(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No.
886/83 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1017/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 109/2S & 1A/4B, Plot No. 7 Rishikesh Apt. situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrarnig Officer at S. R. Nasik in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Keshav Madhavrao Lohot,
Contractor, Shramsaphalya
Shikhare Wadi, Nasik Rd.,
Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Shrinivas Baburao Putheran,
9 Girnar Building, Datta Mandir,
Nasik Rd.,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Rishikesh Apparatments" S. No. 109/2A 1A/4B, Plot No. 7 admeasuring 494.94 sq. metres out of which Apartment No. 8, admeasuring 784.00 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Nasik under document No. 1363 dt. 30-3-83).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1016/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouje Pathardi, S. No. 275/1A situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Suresh Raghunath Phale
- (2) Smt. Kesharbai Raghunath Phale,
- (3) Smt. Laxmbai Raghunath Phale
Residing at 203, M. G. Road,
Nasik.
- (4) Shri Ashok Namdeorao Mate,
- (5) Ramesh Namdeorao Mate and
- (6) Smt. Rashmabai N. Mate,
460/1, MB. Road,
Nasik.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Narhari Pandurang Navle, and
- (2) Shri Eknath Sitaram Navle,
Pathardi, Tal. & Dist. Nasik.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

S. No. 275/1A—1 Hector 20 Are, Mauje Pathardi.
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Nasik under document No. 951 dt. 1-3-83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/285/83-84.—Whereas,
1, SHASHIKANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. A-7, 2nd floor, A-Wing-Shivam Bhav situated at
Rambagh Lane, No. 5-Kalyan(and morefully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
IAC. Acqn. Range, Pune in March, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Suresh Construction Co. Pvt. Ltd.,
through the Managing Director
Shri Jayant R. Phatak,
'Smruti' Tilak Rd.,
Dombivali (East),
Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vilas Yeshwant Gupta (Service)
residing at 'Guptewada' Agavale Ali,
Gandhi Chowk, Kalyan,
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, 2nd floor, A-Wing, Shivam Bhavm CTS
No. 2977-A.2 & A-3 In Rambagh Lane, No. 5, Kalyan
Dist. Thane.

(Area—240 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which
is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range,
Pune under document No. 2841 in the month of March,
1983).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/286/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. A-3 in 'A' wing, Shivam Bhav Rambaug Lane, No. 5, Kalyan CTS-No. 2977-A 2 & A-3 situated at Kalyan Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Suyash Construction Co. Pvt. Ltd., through the Managing Director Shri Jayant R. Phatak, 'Smruti' Tilak Rd., Dombivli (East), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. Ghare—Savant Bldg. IIIrd. floor, Karnik Road, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3 in 'A' Wing in the building known as 'Shivam-Bhav' situated at Rambaug Lane, No. 5, Kalyan bearing CTS No. 2977-A2 & A-3 in the sub-regn. Dist. Kalyan rgn. Dist. Thane.

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2852 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/287/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-1, ground floor, Shivambhav situated at Kalyan Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Suyash Construction Co. Pvt. Ltd., through the Managing Director Shri Jayant R. Phatak, 'Smruti' Tilak Rd., Dombivali (East) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Gurnath Prabhakar Vaidya, D-1, I.D.I. Colony, Shahad, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1, ground floor, 'B' Wing Shivambhav—CTS No. 2977-A-2 & A-3 Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2858 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-11-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Avtar Singh Bagga Karta Karta Avtar Singh & Sons (HUF) r/o H. No. 28, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand S/o Shri Chiranji Lal r/o V. Lahora, UT, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/251/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 1101, Sector 11, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1101, situated Sector 11, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1854 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1983
Seal :